आर्थिक समीक्षा – 2023-24

* राजस्थान की रूपरेखा [1]

1. वृहद् आर्थिक प्रवृत्तियों का परिदृश्य [2-7]

2. कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र [8-38]

3. ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज [39-57]

4. औद्योगिक विकास [58-86]

5. आधारभूत संरचना का विकास [87-98]

6. सेवा क्षेत्र [99-111]

7. शहरीकरण एवं शहरी विकास [112-121]

8. शिक्षा एवं स्वास्थ्य [122-144]

9. सामाजिक सेवाएँ [145-165]

10. राज्य वित्त एवं विकास के अन्य संसाधन [166-173]

11. सतत् विकास लक्ष्य (SDG) [174-179]

12. बजट 2024-25 (विविध) [180-184]

13. अन्य महत्वपूर्ण तथ्य [185-188]

14. वस्तुनिष्ठ एवं विषयनिष्ठ प्रश्नों का संकलन [189-195]

राजस्थान की रूपरेखा :-

राजस्थान जिसे 'राजाओं की भूमि कहा जाता है। जिसका क्षेत्रफल 3.42 लाख वर्ग कि.मी है, जो कि 10 सम्भागों और 50 जिलों में विभक्त है। देश के कुल क्षेत्रफल का 10.41 % है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अनुसार 1 मार्च, 2024 में राजस्थान की जनसंख्या लगभग 8.19 करोड़ अनुमानित है। जनसंख्या के आधार पर राजस्थान सातवां सबसे बड़ा राज्य है।

राज्य के प्रमुख संकेतको का अखिल भारत से तुलनात्मक विवरण

सूचक	वर्ष	इकाई	राजस्थान	भारत
भौगोलिक क्षेत्र	2011	लाख वर्ग कि.मी.	3.42	32.87
जनसंख्या	2011	करोड़	6.85	121.03
दशकीय वृद्धि दर	2001-2011	प्रतिशत	21.3	17.7
जनसंख्या घनत्व	2011	जनसंख्या प्रति वर्ग किमी	200	382
कुल जनसंख्या से शहरी जनसंख्या का प्रतिशत	2011	प्रतिशत	24.9	31.2
अनुसूचित जाति की जनसंख्या	2011	प्रतिशत	17.8	16.6
अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या	2011	प्रतिशत	13.5	8.6
लिंगानुपात	2011	महिलाएँ प्रति हजार पुरुष	928	943
बाल लिंगानुपात (0-6 वर्ष)	2011	बालिकाएँ प्रति हजार बालक	888	919
साक्षरता दर	2011	प्रतिशत	66.1	73.0
साक्षरता दर (पुरुष)	2011	प्रतिशत	79.2	80.9
साक्षरता दर (महिला)	2011	प्रतिशत	52.1	64.6
कार्य सहभागिता दर	2011	प्रतिशत	48.6	39.8
अशोधित जन्म दर	2020	प्रति हजार मध्य वर्ष जनसंख्या	23.5	19.5
अशोधित मृत्यु दर	2020	प्रति हजार मध्य वर्ष जनसंख्या	5.6	6.0
शिशु मृत्यु दर	2020	प्रति हजार जीवित जन्म	32	28
मातृ मृत्यु अनुपात	2018-20	प्रति लाख जीवित जन्म	113	97
जन्म के समय जीवन प्रत्याशा	2016-20	वर्ष	69.4	70.0

" वृहद आर्थिक प्रवृत्तियों का परिदृश्य "

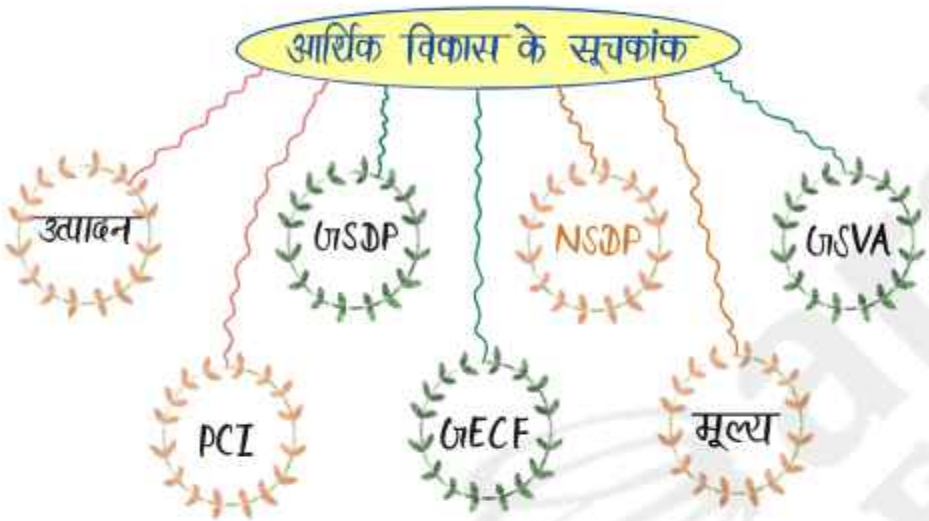

उत्पादन

➔ किसी भी देश में GDP की गणना २ प्रकार से की जाती है।

प्रचलित/चालू

- जब वर्तमान उत्पादन की गणना वर्तमान कीमतों के आधार पर की जाए।

आधार/स्थिर

- वह निश्चित वर्ष जिसकी कीमतों को आधार मानकर वर्तमान उत्पादन की गणना की जाती है।
- आधार वर्ष - २०११-१२

(1) सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP)

➔ यह एक विशिष्ट समयावधि के भीतर किसी राज्य के घरेलू क्षेत्र में उत्पादित सभी अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य है।

- इस परिभाषा के 4 मुख्य भाग हैं-
  1. अंतिम वस्तुएँ एवं सेवाएँ
  2. किसी देश का घरेलू क्षेत्र
  3. एक विशिष्ट समयावधि के भीतर
  4. मौद्रिक मूल्य

(GSDP)	स्थिर / बुनियादी मूल्यों पर (वर्ष 2011-12) Constant	प्रचलित Current price
2023-24	8.45 लाख Cr.	15.28 लाख Cr.
वृद्धि	8.03%	12.56%
5 वर्षों में वृद्धि	पिछले 5 वर्षों में Zigzag वृद्धि	5 वर्षों में लगातार वृद्धि

भारत से तुलना

कुल GDP	स्थिर	प्रचलित
2023-24.	173 लाख करोड़	295 लाख करोड़
वृद्धि	8.2%	9.6%
राजस्थान का योगदान	4.86%	5.17%

(2) शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद (NSDP) = GSDP − मूल्यह्रास

मूल्यह्रास- से तात्पर्य टूट-फूट के कारण अचल संपत्तियों के मूल्य में होने वाली हानि से है।

आँकड़े-

	स्थिर	प्रचलित
कीमत	7.41 लाख करोड़	13.69 लाख करोड़
वृद्धि	8.10%	12.70%

Springboard ACADEMY

(3) GSVA :- (GSDP – taxes + Subsidies)

↳ सकल राज्य मूल्य वर्धन

GSVA = GSDP - कर + सब्सिडी

↳ मुख्य उपयोग : क्षेत्रवार योगदान को दर्शाने के लिए।

	स्थिर	प्रचलित
कीमत	7.81 लाख करोड़	14.28 लाख करोड़
वृद्धि	6.92 %	11.86 %

क्षेत्रवार हिस्सा –

स्थिर कीमतों पर	योगदान	वृद्धि
कृषि	26.21 %	2.13 %
उद्योग	29.84 %	12.43 %
सेवा	43.95 %	6.37 %

प्रचलित कीमतों पर	राजस्थान	भारत
कृषि	26.72 %	17.66 %
उद्योग	28.21 %	27.62 %
सेवा	45.07 %	54.72 %

(4) प्रति व्यक्ति आय (Per Capita income)–

$$PCI = \frac{NSDP}{\text{Mid year population of state}}$$

		स्थिर	वृद्धि	प्रचलित	वृद्धि
PCI प्रतिव्यक्ति आय)	राज.	90831 ₹	6.94 %	1,67,964 ₹	11.49 %
	भारत	1,06,744 ₹	7.38 %	1,34,205 ₹	8.68 %

Inshort [राज्य सीमा के] अन्तर्गत उत्पादित समस्त [वस्तुओं एवं सेवाओं] का [अन्तिम मूल्य]

दो आधार

- सांकेतिक / प्रचलित मूल्य
  - ↓ मूल्य में परिवर्तन को भी शामिल किया जाता है।
  - ↓ वास्तविक आर्थिक विकास को प्रकट नही करता।
- स्थिर मूल्य
  - ↓ आधार वर्ष (२०11-1२) के आधार पर मूल्य लिया जाता है।

(5) सकल स्थायी पूंजी निर्माण (GFCF)

- ➤ प्रचलित कीमतों पर वर्ष २०२२-२३ में GFCF → ₹ 3,99,594 Cr.
- ➤ कुल GDP का → २9.43 %
- ➤ वर्ष २०२1-२२ की तुलना में वृद्वि → 12.78 %
- ➤ GFCF में हिस्सा
  - → निजी क्षेत्र – 78.54 %
  - → सार्वजनिक क्षेत्र – २1.46 %

[पिछले 5 वर्षो में निजी व सार्वजनिक क्षेत्र में Zig Zag वृद्वि]

- ➤ GFCF में 3 सर्वाधिक योगदान वाले क्षेत्र –
  1. निर्माण (Construction)
  2. आवासीय भवन (Residential)
  3. लोक प्रशासन (Public administration)

Springboard ACADEMY

Summary (सार)-

	स्थिर / बुनियादी मूल्यों पर (वर्ष 2011-12)	Current price	वृद्धि		भारत से तुलना		
			Constant	Current		स्थिर	प्रचलित
GSDP	8.45 लाख Cr.	15.28 लाख Cr.	8.03%	12.56%	कुल GDP	173 लाख करोड़	295 लाख करोड़
	पिछले 5 वर्षों में zigzag वृद्धि	5 वर्षों में लगातार वृद्धि			वृद्धि	8.2%	9.6%
					राजस्थान का योगदान	4.86%	5.17%
GSVA	7.81 लाख करोड़	14.28 लाख करोड़	6.92%	11.86%			
NSDP	7.41 लाख करोड़	13.69 लाख करोड़	8.10%	12.70%			
PCI (प्रतिव्यक्ति आय)	राज. 90831 ₹	1,67,964 ₹	6.94%	11.49%			
	भारत 1,06,744 ₹	1,84,205 ₹	7.38%	8.68%			

GSVA:

स्थिर कीमतों पर	योगदान	वृद्धि
कृषि	26.21%	2.13%
उद्योग	29.84%	12.43%
सेवा	43.95%	6.37%

प्रचलित कीमतों पर	राजस्थान	भारत
कृषि	26.72%	17.66%
उद्योग	28.21%	27.62%
सेवा	45.07%	54.72%

मूल्य सांख्यिकी

↳ W.P.I. थोक मूल्य सूचकांक

- थोक मूल्यों पर उतार-चढ़ाव को दर्शाता है।
- केवल वस्तुओं को शामिल किया जाता है। (सेवाएँ नहीं)

	Base year	By
WPI	1999-2000	आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय
CPI - IW	2016	श्रम ब्यूरो, चंडीगढ़
CPI - AL	1986-87	
CPI - RL		
CPI - Rural & urban संयुक्त	2012	NSO, दिल्ली

Note :- IIP का आधार वर्ष 2011-12

Note :- प्रतिमाह जारी

राजस्थान में WPI :-

- मासिक आधार पर जारी
- 154 वस्तुएं सम्मिलित

	संख्या	भारांश	इस वर्ष वृद्धि	
प्राथमिक वस्तु	75	33.894%	0.96% (सर्वाधिक)	
विनिर्मित उत्पाद समूह	69	49.853%	0.23%	Numbers are not much important
ईंधन, शक्ति, प्रकाश एवं उपस्नेहक	10	16.253%	0.39%	

- राज्य का सामान्य WPI वर्ष 2022 में 385.83 से बढ़कर (2023 में) 387.90 रहा जो 0.54% वृद्धि को दर्शाता है।
- अखिल भारतीय WPI वर्ष 2022 में 151.3
  → 2023 में 151.3] अतः कोई परिवर्तन नहीं।

(Note:- भारत सरकार WPI का आधार वर्ष 2011-12 रखती है।)

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

- उपभोक्ताओ के क्रय मूल्य पर आधारित
- उर्जित पटेल समिति की सिफारिशों के अनुसार भारत सरकार इस सूंचकाक का प्रयोग करती है।
- CPI में वस्तुएँ एव सेवाएं दोनो शामिल है।
- प्रतिमाह चार विभिन्न प्रकार के CPI तैयार किए जा रहे है।

A. औद्योगिक श्रमिको हेतु (CPI-IW)
B. कृषि श्रमिको हेतु (CPI-AL)
C. ग्रामीण श्रमिको हेतु (CPI-RL)
] → श्रम ब्यूरो, चंडीगढ.

D. ग्रामीण, शहरी एवं संयुक्त हेतु (CPI-R.U. & C) → NSO, नई दिल्ली द्वारा

NSO – राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय

CPI-IW :-

- देशभर में 88 केन्द्रों से आँकड़े लिये जाते है।
- राजस्थान में तीन केन्द्र – 1. जयपुर
  2. भीलवाड़ा
  3. अलवर (अजमेर के स्थान पर)

अध्याय -२ " कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र "

कृषि एक प्राथमिक क्रिया है, जो हमारे लिए अधिकांश खाद्यान्न तथा विभिन्न उद्योगो के लिए कच्चा माल उत्पन्न करती है।

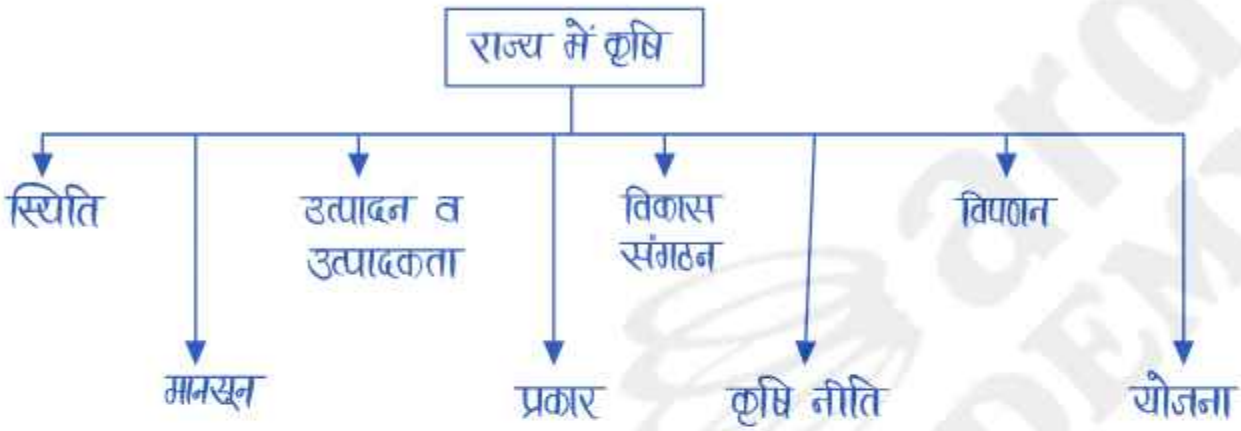

1. राज्य में कृषि की स्थिति-

(A.) GSDP-

	स्थिर मूल्यों पर	वृद्धि	प्रचलित मूल्यों पर	वृद्धि
कृषि का GSDP में योगदान	२६.२१ %	२.१३ %	२६.७२ %	९.६५ %
GSDP अनुसार	२.०५ लाख करोड़		३.४२ लाख करोड़	
वार्षिक वृद्धि (२०१९-२० से २०२३-२५ के बीच	३.४६ %		९.९९ %	

(B.) कृषि के उपक्षेत्रों का योगदान- (प्रचलित मूल्यों पर)

क्षेत्र	योगदान	परिवर्तन
1. पशुधन	५४.५४ %	५.४३ % वृद्धि
२. फसल क्षेत्र	५५.५३ %	१.६१ % कमी
३. वानिकी एवं लॉगिंग	६.५०%	२.४२ % वृद्धि
4. मत्स्य क्षेत्र	०.५९ %	१५.२१ वृद्धि

✷ भू - उपयोग (Land use)

• राज्य का कुल क्षेत्रफल — 342.81 लाख हेक्टेयर

भूमि प्रकार	प्रतिशत	क्षेत्रफल (लाख हे.)
1. शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	53.74	184.23
2. बंजर भूमि	10.39	35.61
3. वानिकी	8.09	27.73
4. ऊसर तथा कृषि अयोग्य भूमि	6.89	23.62
5. कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोगी भूमि	5.92	20.28
6. अन्य चालू पड़त भूमि	5.68	19.46
7. स्थायी चारागाह	4.82	16.54
8. चालू पड़त	4.38	15.02
9. वृक्षो के झुण्ड तथा बाग — 0.09%	0.09	0.32

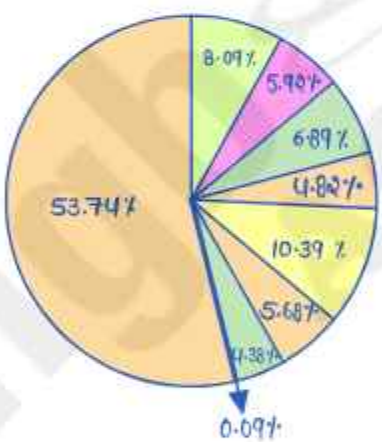

प्रचलित जोत धारक

	कृषि गणना (2015-16)	परिवर्तन (2010-11 से)
कुल प्रचलित भूमि जोतों की संख्या	76.55 लाख	वृद्धि 11.14%
कुल जोतों का क्षेत्रफल	208 लाख हेक्टेयर	कमी 1.24%
भूमि जोतों का औसत आकार	2.73 हेक्टेयर	कमी 11%

महिला प्रचलित जोतधारक :-

(2015-16)

संख्या → 7.75 लाख (42% वृद्धि)

क्षेत्रफल → 11.55 लाख हेक्टेयर (24% वृद्धि)

जोतधारक	आकार	परिवर्तन
सीमान्त भूमि जोत (1 हैक्टेयर से कम)	≃ 40%	वृद्धि 19.79%
लघु (Small) (1-2 हैक्टेयर)	≃ 22%	वृद्धि 10.50%
अर्द्ध मध्यम (2-4 हैक्टेयर)	≃ 18.50%	वृद्धि 5.67%
मध्यम (4-10 हैक्टेयर)	≃ 15%	कमी 13.20%
बड़े आकार (10 हैक्टेयर से अधिक)	≃ 4.69	कमी 0.27%

मानसून-

- राज्य में समयावधि- 1 जून, 2023- 30 सितम्बर 2023
- सामान्य वर्षा - 435.60 mm
- वास्तविक - 499.60 mm
- राज्य में मानसून समय तिथि - 15 जून, 2023
  (वर्ष 2023 में 25 जून से प्रारम्भ - जुलाई 2023 तक सम्पूर्ण राज्य में सक्रिय)

परिदृश्य-

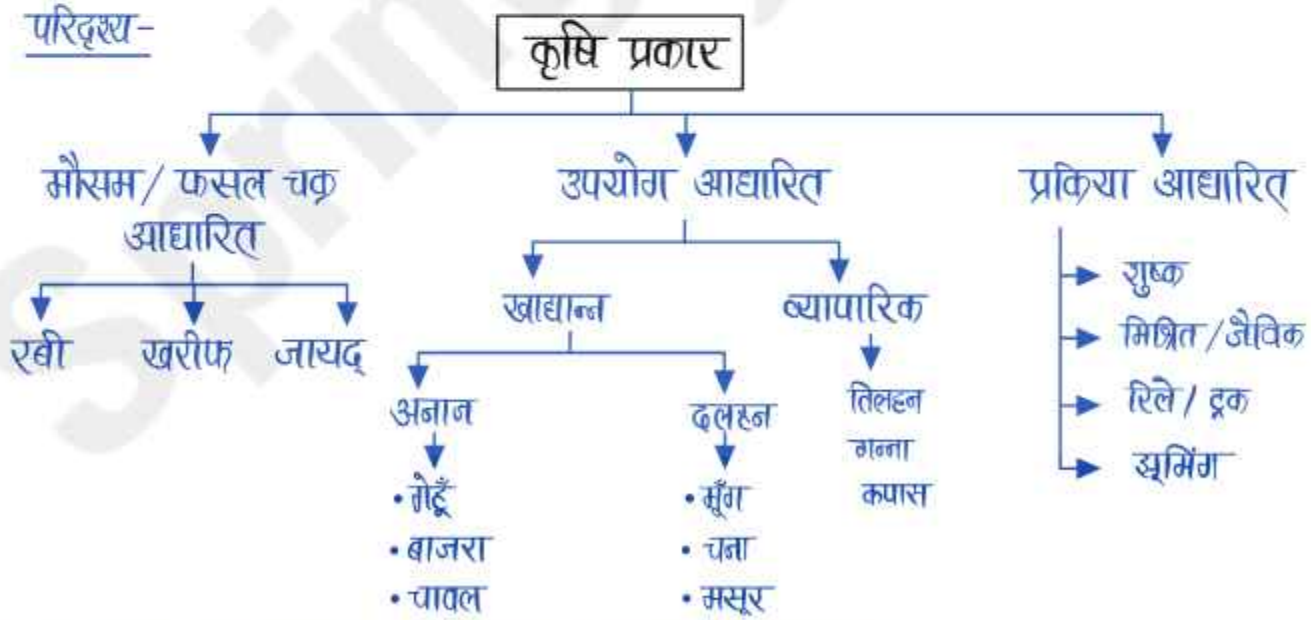

↳ परिदृश्य- यह समझ विकसित करने हेतु दर्शाया गया है।

कृषि उत्पादन

कृषि उत्पादन

<table>
<tr><th>फसल उत्पादन</th><th>उत्पादन (लाख मैट्रिक टन)</th></tr>
<tr><td>1. खाद्यान्न उत्पादन</td><td>
कुल–
<table>
<tr><th>२०२३-२५</th><th>परिवर्तन</th></tr>
<tr><td>२५5</td><td>3.08% ↓</td></tr>
</table>
<table>
<tr><th></th><th>२०२३-२५</th><th>परिवर्तन</th></tr>
<tr><td>खरीफ</td><td>89.83</td><td>18.4% ↓</td></tr>
<tr><td>रबी</td><td>155</td><td>8.37% ↑</td></tr>
</table>
<table>
<tr><th></th><th>२०२३-२५</th><th>परिवर्तन</th></tr>
<tr><td>अनाज</td><td>२08.61</td><td>3.59% ↓</td></tr>
<tr><td>दलहन</td><td>36.40</td><td>0.05% ↓</td></tr>
</table>
</td></tr>
<tr><td>2. तिलहन</td><td>
<table>
<tr><th>२०२३-२५</th><th>परिवर्तन</th></tr>
<tr><td>101.२५</td><td>३.10% ↓</td></tr>
</table>
</td></tr>
<tr><td>3. गन्ना</td><td>
<table>
<tr><th>२०२३-२५</th><th>परिवर्तन</th></tr>
<tr><td>3.२8</td><td>4.13% ↑</td></tr>
</table>
</td></tr>
<tr><td>4. कपास</td><td>
<table>
<tr><th>२०२३-२५</th><th>परिवर्तन</th></tr>
<tr><td>२6.२1</td><td>5.58% ↓</td></tr>
</table>
</td></tr>
</table>

विभिन्न कृषि फसलों में राजस्थान का स्थान

राजस्थान प्रथम ➤	बाजरा, सरसों, कुल तिलहन, ग्वार
" द्वितीय ➤	पोषक अनाज, मूंगफली
" तृतीय ➤	कुल दलहन चना, ज्वार, सोयाबीन

Spectrum Academy

क्र.सं.	फसल	I^st स्थान	II^nd स्थान	III^rd स्थान	राजस्थान का देश के कुल उत्पादन में योगदान (%में)
1.	बाजरा	राजस्थान	उत्तरप्रदेश	हरियाणा	38.98
2.	सरसों	राजस्थान	मध्यप्रदेश	हरियाणा	46.63
3.	पोषक अनाज	कर्नाटक	राजस्थान	महाराष्ट्र	13.89
4.	कुल तिलहन	राजस्थान	मध्यप्रदेश	गुजरात	22.25
5.	कुल दलहन	मध्यप्रदेश	महाराष्ट्र	राजस्थान	14.51
6.	मूँगफली	गुजरात	राजस्थान	तमिलनाडु	16.83
7.	चना	महाराष्ट्र	मध्यप्रदेश	राजस्थान	19.28
8.	ज्वार	महाराष्ट्र	कर्नाटक	राजस्थान	12.67
9.	सोयाबीन	महाराष्ट्र	मध्यप्रदेश	राजस्थान	7.12
10.	ग्वार*	राजस्थान	—	—	87.69

*स्त्रोत- भारत सरकार द्वारा प्रकाशित कृषि सांख्यिकी - 2022 के आधार पर
* ग्वार - वर्ष 2020-21 की स्थिति

↳ राज्य में पहली बार पृथक रूप से कृषि बजट (2022-23) को "समृद्ध किसान - खुशहाल राजस्थान विचार के साथ प्रस्तुत किया गया।

कृषि जलवायु क्षेत्रवार मुख्य फसलें -

जलवायु क्षेत्र	सम्मिलित जिले	मुख्य फसलें	
		खरीफ	रबी
IA पश्चिमी शुष्क मैदान	जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, बाड़मेर एवं बालोतरा	बाजरा मोठ तिल	गेहूँ सरसों जीरा
IB उत्तरी-पश्चिमी सिंचित मैदान	श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अनूपगढ़	कपास ग्वार	गेहूँ सरसों चना
IC अतिशुष्क एवं आंशिक सिंचित मैदान	जैसलमेर, बीकानेर, चुरू आंशिक (रतनगढ़, सरदारशहर, बीदासर एवं सुजानगढ़ तहसील)	बाजरा, ग्वार मोठ	गेहूँ सरसों चना

IIA शेखावाटी अन्तः प्रवाह मैदान	सीकर, झुंझुनू, नागौर, आंशिक चुरू (रतनगढ़, सरदारशहर, तीदासर एवं सुजानगढ़ तहसील को छोड़कर) झुन्झुनू, नागौर, डीडवाना एवं कुचामन	बाजरा ग्वार दलहन	सरसों चना
IIB लूनी अन्तःप्रवाही मैदान	पाली, जालौर, सिरोही (पिण्डवाड़ा, आबूरोड़ तहसील को छोड़कर), पाली, ब्यावर आंशिक (जैतारण एवं रायपुर तहसील)	बाजरा ग्वार तिल	गेहूँ सरसों
IIIA अर्द्धशुष्क पूर्वी मैदान	अजमेर, ब्यावर आंशिक (जैतारण एवं रायपुर तहसील को छोड़कर) जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दौसा, टोंक, दूदू, केकड़ी,	बाजरा ज्वार ग्वार	गेहूँ सरसों चना
IIIB वाह सम्भाव्य पूर्वी मैदान	अलवर, डीग, भरतपुर, करौली, धौलपुर, स. माधोपुर, गंगापुर सिटी	बाजरा ग्वार मूंगफली	गेहूँ सरसों चना, जौ
IVA उपार्द्र दक्षिणी मैदान	उदयपुर, चित्तौड़गढ़ (बड़ी साद्डी तहसील छोड़कर) राजसमन्द, भीलवाड़ा, शाहपुरा, सिरोही आंशिक (पिण्डवाड़ा एवं आबूरोड़	मक्का ज्वार दलहन	गेहूँ चना
IVB आर्द्र दक्षिणी मैदान	बांसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़, सलूम्बर एवं चित्तौड़गढ़ की बड़ी साद्डी तहसील	मक्का धान ज्वार, उड़द	गेहूँ चना
V आर्द्र द० पू० मैदान	कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़	सोयाबीन ज्वार	गेहूँ सरसों

बीज

(1) मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना :-

↳ शुरूआत - 2017

↳ (3 कृषि जलवायुविक खण्डों यथा - कोटा, भीलवाड़ा तथा उदयपुर से)

↳ वर्ष 2018-19 → 10 कृषि जलवायुविक खण्डों में (पूरे राज्य में लागू)

↳ उद्देश्य - कृषकों द्वारा स्वयं के खेतो में अच्छी किस्म के बीज निर्माण को बढ़ावा देना।

↳ 10 वर्ष से कम अवधि तक की पुरानी किस्मों के बीज → गेहूं, जौ, चना, ज्वार, सोयाबीन, मूंग, मोठ, मूँगफली व उड़द

(2) बीज मिनीकिट :-

↳ विभिन्न फसलों की नवीन किस्मों को लोकप्रिय करने के लिए महिला कृषकों को नि:शुल्क बीज मिनीकिट का वितरण

(3) सूक्ष्म पोषक तत्व मिनीकिट :-

↳ उद्देश्य- फसल उत्पादन बढ़ाना और सुक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग बढ़ाना।

↳ कार्य- मृदा स्वास्थ्य कार्ड की अनुशंसा पर किसानो को 90% अनुदान पर सूक्ष्म पोषक तत्व मिनीकिट उपलब्ध करवाना।

सिंचाई

(1) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)

↳ नोडल विभाग - उद्यानिकी विभाग

↳ कार्य- फार्म पौण्ड के निर्माण की विभिन्न गतिविधियो का क्रियान्वन

↳ केन्द्र : राज्य = 60:40

(2) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) - सूक्ष्म सिंचाई

- इसमें लघु सिंचाई पद्धतियों, ड्रिप, फव्वारा, सिंचाई पद्धति प्रभावी जल प्रबन्धन को बढ़ावा दिया जाता है।
- केन्द्र : राज्य = 60:40
- भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त अनुदान भी दिया जा रहा है।

Spring Board ACADEMY

उत्पादकता

(1.) राष्ट्रीय कृषि विस्तार एवं तकनीकी मिशन (NMAET)

- उद्देश्य
  - किसानों की सक्रिय भागीदारी के साथ रणनीतिक अनुसंधान और विस्तार योजना बनाना
  - संसाधनों के आवंटन में ब्लॉक स्तर सभी हितधारकों के बीच कार्यक्रम समन्वय और एकीकरण को बढ़ाना।
- केन्द्र : राज्य = 60:40
- इसके 3 उपमिशन हैं
  1. कृषि विस्तार पर उपमिशन (SMAE)
  2. बीज एवं रोपण सामग्री पर उपमिशन (SMSP)
  3. कृषि यंत्रीकरण पर उपमिशन (SMAM)

A. राष्ट्रीय सूक्ष्म सिंचाई मिशन
B. राष्ट्रीय जैविक खेती परियोजना
C. राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता प्रबंध परियोजना
D. वर्षा आधारित क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम

का संयुक्त रूप ↓ राष्ट्रीय सतत् खेती मिशन

(2.) राष्ट्रीय सतत् खेती मिशन (NMSA)

- केन्द्र : राज्य = 60:40
- इसके निम्न तीन सब-मिशन हैं –

(A) Rainfed Area development

(B) मृदा स्वास्थ्य कार्ड :- शुरूआत – 19 फरवरी 2015, सूरतगढ़ (गंगानगर) से
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिवस – 19 फरवरी
- उद्देश्य
  - मृदा परीक्षण सेवाओं को बढ़ाना
  - मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करना
  - विभिन्न फसलों के लिए विवेकपूर्ण पोषक तत्व प्रबन्धन
- राज्य के सभी 352 ब्लॉक में लागू

(C) कृषि वानिकी पर उप-मिशन (SMAF) – शुरूआत 2017-18
- उद्देश्य – वृक्षारोपण को प्रोत्साहित एवं विस्तार करना।

③ परम्परागत कृषि विकास योजना - (PKVY)

↳ जैविक खेती में पर्यावरण अनुकूल न्यूनतम लागत तकनीकों के प्रयोग से रसायनों एवं कीटनाशकों का प्रयोग कम करते हुए कृषि उत्पादन।

(3.) राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)

↳ शुरूआत 2007-08

↳ केन्द्र : राज्य = 60:40

↳ उद्देश्य - कृषि में निवेश को बढ़ाना।

(4.) राष्ट्रीय बागवानी मिशन (NHM)

↳ राजस्थान के 24 जिलों में

↳ फल-फूलों, मसालों का उत्पादन बढ़ाना।

(5.) महिला प्रशिक्षण

↳ ग्राम पंचायत स्तर पर महिला कृषकों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण।

↳ 30 महिला कृषकों को प्रति प्रशिक्षण हेतु सहायता राशि ₹3000 देने का प्रावधान।

(6.) सौर ऊर्जा आधारित पम्प परियोजना [प्रधानमंत्री KUSUM योजना (कौम्पोनेट-B)]

↳ PM किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान

↳ प्रारम्भ - फरवरी 2019

↳ मंत्रालय - नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

↳ 3 घटक हैं जिसके तहत 2022 तक 30.8 गीगावाट की अतिरिक्त सौर क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

↳ प्रथम सौर ऊर्जा संयंत्र - भालोजी गाँव (कोटपूतली)

↳ प्रावधान- 3HP से 10HP क्षमता तक के सौर ऊर्जा पम्प संयंत्रों की स्थापना।

↳ Imp. — इस योजनान्तर्गत कुल — (100%)

- 60% अनुदान (केन्द्रांश 30%, राज्यांश 30%)
- कृषक 30% ऋण बैंक से प्राप्त
- शेष 10% कृषक द्वारा

सहायता व सुरक्षा

(1) तारबन्दी द्वारा फसल सुरक्षा हेतु अनुदान –

- वर्ष 2017-18 में शुरुआत
- नीलगाय व जंगली जानवरो और निराश्रित पशुओ से सुरक्षा
- राजस्थान फसल सुरक्षा मिशन (वर्ष 2022-23 से दो वर्षों के लिए)
- वित्त पोषण - मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना

तारबन्दी कार्यक्रम-

छोटे सीमान्त किसान	सीमान्त किसान	समूह - [कम से कम 10 किसान 5 हैक्टेयर भूमि]
लागत का 50% या 100₹/ मीटर या 40,000 ₹	60% या 120 ₹/मीटर या 48,000 ₹	70% या 140 ₹/मीटर या 56,000 ₹

जो भी कम हो

400 रनिंग मीटर का अनुदान DBT के माध्यम से

(2.) भूमिहीन श्रमिको को सहायता –

↳ बजट 2023-24 – राजस्थान कृषि श्रमिक संबल मिशन

1 लाख भूमिहीन श्रमिकों को दो द्वितीयक नि:शुल्क परीक्षण

(3.) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) –

↳ शुरूआत – 2007-08

↳ केन्द्र : राज्य = 60:40

↳ वर्ष 2010-11 से दलहन हेतु राज्य के सभी जिलोंको शामिल कर लिया गया।

(4.) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना –

↳ प्रारम्भ - 18 Feb 2016

↳ इस योजना में खाद्यान्न फसलों (अनाज, मोटा अनाज और दाले) तिलहन और वाणिज्यिक फसलों को शामिल किया गया।

फसलें	प्रीमियम राशि
खरीफ	2%
रबी	1.5%
वाणिज्यिक / बागवानी	5%

↳ भारत सरकार द्वारा जारी संशोधित निर्देशानुसार खरीफ 2020 से असिंचित क्षेत्रों के लिए 30% एवं सिंचित क्षेत्रों के लिए 25 प्रतिशत की अधिकतम प्रीमियम पर अनुदान भारत सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

(5) कृषि शिक्षा मे अध्ययनरत छात्राओं को प्रोत्साहन राशि -

• उच्च माध्यमिक (कृषि)	प्रतिवर्ष ₹ 15000 प्रति छात्रा
• स्नातक & स्नातकोत्तर	प्रतिवर्ष ₹ 25000 प्रति छात्रा
• स्नातकोत्तर & P.H.D.	50000 ₹ प्रति छात्रा

कृषि विपणन (Agriculture marketing)

➤ कृषि विपणन निदेशालय – 1974

➤ कोष – कृषक कल्याण कोष → 16 दिसम्बर 2019
- 1000 करोड़ ₹ (शुरुआत)
- राशि बढ़ाकर ₹ 7500 करोड़

➤ नीति – राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति-2019 – 12 दिसम्बर, 2019 (Eco Survey 2022-23 के अनुसार)

-अवसंरचना विकास हेतु
- कृषक + FPO – 75% (अधिकतम 1.5 Cr)
- अन्य पात्र उद्यमियों - 50% (अधिकतम

• ब्याज सब्सिडी – 5%
SC/ST/महिला/युवा (35 वर्ष से कम आयु) को 6% Subsidy (1% अतिरिक्त)

• फल, फूल और सब्जियों के परिवहन हेतु (300 Km से अधिक) 10 लाख ₹ अनुदान

• प्रसंस्कृत जैविक कृषि उत्पाद के निर्यात पर 3 वर्ष के लिए 15 लाख तक का अनुदान

(1) कृषि प्रदर्शन –

"देखकर विश्वास करने" के कृषि के सिद्धांत पर कृषि तकनीक को प्रसारित करने हेतु कृषकों के खेतों पर फसल प्रदर्शन आयोजित किये जा रहे है

(२) ग्राह्य परीक्षण केन्द्रों का संचालन एवं आर्गेनिक फार्मिंग हेतु सहायता –

उद्देश्य- राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों के अधीन कार्यरत कृषि अनुसंधान केन्द्रों से प्राप्त नवीनतम कृषि तकनीकी अनुसंधान सिफारिशों का विभिन्न कृषि जलवायुवीय क्षेत्रों में अग्रिम सत्यापन करना है।

गतिविधियाँ –
- समस्या समाधान हेतु प्रशिक्षण आयोजन
- किसान मेलों के माध्यम से नई उन्नत कृषि तकनीकों का प्रसार।
- जैविक खेती की उन्नत तकनीक विकसित
- राजस्थान राज्य बीज निगम के सहयोग से बीज उत्पादन का कार्यक्रम।

कृषि विपणन की अन्य योजनाएँ –

(1) मुख्यमंत्री/राजीव गाँधी कृषक साथी योजना – २००१ से प्रारम्भ
- कार्यस्थल पर मृत्यु हो जाने पर २ लाख ₹।
- लाभार्थी –
  - कृषकों
  - खेतिहर मजदूरों
  - हम्मालों

(२) किसान कलेवा योजना –
- जनवरी २014

उद्देश्य –
- राज्य में 'अ' व 'ब' श्रेणी की कृषि उपज मण्डी समितियों
  \+
- राज्य के अन्य सभी वित्तीय रूप से व्यवहार्य मंडियों में 5 ₹ में कृषकों को भोजन

(3) महात्मा ज्योतिबा फुले मण्डी श्रमिक कल्याण योजना – 2015

विशेषताएँ –
- A. प्रसूति सहायता – दो प्रसूति अवधि हेतु 45 दिन की मजदूरी के समतुल्य राशि
- B. विवाह सहायता –
  - महिला श्रमिक को स्वयं के विवाह के लिए 50 हजार
  - दो पुत्रियो तक के विवाह के लिए 50 हजार
- C. छात्रवृत्ति – श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों को 60% से अधिक अंक लाने पर ।

D. चिकित्सा सहायता – गम्भीर बीमारी पर → अधिकतम 20 हजार ₹

E. पितृत्व अवकाश – 15 दिन की मजदूरी के समतुल्य सहायता राशि।

(4) कृषक उपहार योजना–

↳ ई-नाम पोर्टल – जनवरी, 2021

↳ प्रत्येक 10,000 ₹ की बिक्री पर → कूपन

(5) प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग उन्नयन योजना (PM-FME) –

↳ देश में असंगठित खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के उन्नयन के लिए।

↳ राज्य में नोडल एजेन्सी – राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड

↳ केन्द्र : राज्य = 60 : 40

↳ 5 साल की कार्यअवधि के लिए (2021 से 2024-25)

(6). सावित्री बाई फुले महिला कृषक सशक्तिकरण योजना –

↳ कृषि उपज के विक्रय के पश्चात् ई-भुगतान प्राप्त करने पर प्रोत्साहन।

↳ 50 हजार से अधिक ई-भुगतान करने पर 1000 ₹ की प्रोत्साहन राशि सीधे महिलाओं के बैंक खाते में जमा की जाती है।

अवसंरचनात्मक विकास हेतु –

(i) प्रत्येक जिले में मिनी फूड पार्क (बजट 2021-22)

(ii) RIICO द्वारा 4 एग्रो फूड पार्क [बोरानाडा (जोधपुर), रानपुर (कोटा), अलवर, श्रीगंगानगर]

(iii) भारत सरकार द्वारा मेगा फूड पार्क

- रूपनगढ़ (अजमेर)
- मथानिया (जोधपुर)
- पलाना (बीकानेर)

जल संसाधन

↳ राज्य में कुल 39.36 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।

↳ वर्ष 2023-24 में (दिसम्बर 2022 तक) 38,714 हैक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा का सृजन किया गया है।

↳ 2023-25 में 8 वृहद् योजनाएँ, 5 मध्यम परियोजनाएँ (गरदड़ा, तकली, गागरीन, म्हासी व हथियादेह) तथा 41 लघु सिंचाई परियोजनाओ का कार्य प्रगति पर है।

• प्रमुख वृहद् परियोजनाएँ –

(1) पखन वृहद् परियोजना – झालावाड़ के निकट पखन नदी पर निर्माणाधीन
– झालावाड़, बारां व कोटा को लाभ मिलेगा ।

(2) धौलपुर लिफ्ट – सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली पर एक पूर्ण लिफ्ट सिंचाई एवं पेयजल परियोजना ।
↳ 30 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना ।

(3) नर्मदा नहर परियोजना – भारत में पहली बड़ी सिंचाई परियोजना है
↳ जालौर व बाड़मेर जिलो के 2.46 लाख हैक्टेयर (233 गाँव)
के पूरे कमांड क्षेत्र में स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली अनिवार्य रखी गई है।

(4) नवनेरा बैराज – यह ERCP का एक हिस्सा है।

(5) कालीतीर लिफ्ट–
↳ पार्वती एवं रामसागर बाँध से धौलपुर जिले में पेयजल माँग के लिए।
↳ 483 गाँव, 3 कस्बों

(6) अपर हाई लेवल केनाल परियोजना (माही)–
↳ आदिवासी क्षेत्र के विकास के लिए माही परियोजना के सैउल बाँध में जल उपलब्ध करवाकर माइक्रो सिंचाई पद्धति से सिंचाई सुविधा का सृजन ।

(7) पीपलखूंट हाई लेवल केनाल परियोजना –

↳ फव्वारा पद्धति से सिंचाई के लिए माही बाँध के कुल जल को जाखम बाँध में परिवर्तित करना।

(8) राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना (RWSLP) –

↳ Japan International Corporation Agency (जायका) द्वारा वित्त पोषित।

↳ जायका परियोजना को 2 चरणों में वित्त पोषित करेगा।

↳ उद्देश्य – मौजूदा सिंचाई सुविधाओं और कृषि साक्षरता सेवाओं में सुधार के माध्यम से जल उपयोग दक्षता और कृषि उत्पादकता में वृद्धि करके किसानों की आजीविका में सुधार करना।

↳ परियोजना के तहत 21 जिलों में 137 सिंचाई परियोजनाओं के पुनर्वास व जीर्णोद्धार का कार्य किया जाना है।

↳ समयावधि - 11 वर्ष

(9) राजस्थान मरू क्षेत्र हेतु जल पुनर्गठन परियोजना (RWSRDP) –

↳ वित्त पोषण – न्यू डवलपमेंट बैंक (70% तक)

↳ समयावधि – 7 वर्ष

↳ लाभ – श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चुरू, झुन्झुनू, सीकर, जोधपुर, नागौर, जैसलमेर, बाड़मेर बीकानेर

↳ विशेषताएँ-

- इंदिरा गाँधी मुख्य नहर 179.53 कि.मी. के जीर्णोद्धार कार्य।
- 33,312 हैक्टेयर जल भराव वाले क्षेत्र का विकास एवं सिंचित क्षेत्र का विकास।
- जल उपयोगकर्ता संघों की क्षमता वर्धन।

राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना :- जल संसाधन मंत्रालय + विश्व बैंक

↳ भारत सरकार से 100% अनुदान

↳ समयावधि – 8 वर्ष (2016 से सितम्बर 2025)

↳ नोडल विभाग – जल संसाधन विभाग, राजस्थान

↳ राज्य में भूजल मापन सयंत्र स्थापित किए गए हैं।

↳ पारदर्शी जल प्रबन्धन हेतु सर्वप्रथम बीसलपुर बाँध और जवाई बाँध के साथ 7 बाँधों व 2 नहरों (गंग- भाखड़ा नहर प्रणाली व नर्मदा नहर प्रणाली) पर स्काडा (सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन) प्रणाली को स्थापित किया जा चुका है।

इंदिरा गांधी फीडर और सरहिन्द फीडर की री-लाईनिंग :-

↳ भारत सरकार और पंजाब सरकार के मध्य समझौता

↳ 60% केन्द्र, 40% राज्य

↳ सरहिन्द फीडर → पंजाब 54·15%

→ राजस्थान 45·85%

↓

(भारत सरकार इसका 60% वहन करेगी)

बाँध पुनर्वास और सुधार परियोजना (DRIP) :-

↳ बजट 2020-21 में राज्य में घोषणा

↳ प्रथम चरण में 7 बाँधो को निविदा जारी कर चुके एवं 2 निविदाएँ प्रगतिरत हैं।

↳ विश्व बैंक से ऋण समझौता (4 Aug 2021)

↳ इस परियोजना में शामिल 18 राज्यों में से राजस्थान प्रथम स्थान पर है।

↳ उद्देश्य → राज्य के पुर्वनिर्मित बड़े बाँधों का सुरक्षा की दृष्टि से जीर्णोद्धार किया जायेगा।

→ जल रिसाव को रोका जायेगा

→ सिंचाई एवं पेय जल की उपलब्धता को बढाना।

संशोधित पार्वती- कालीसिंध- चंबल (M.P.K.C) लिंक परियोजना (एकीकृत E.R.C.P)-

↳ केन्द्र: राजस्थान : मध्यप्रदेश (90) (5) (5) } 28 जनवरी, 2024 को MoU

↳ राजस्थान के कुल 13 जिले (नवगठित 21 जिले) लाभान्वित

↳ कुल व्यय 45000 करोड़ ₹

↳ 5 बैराज व 1 बाँध का निर्माण –

क्र.स	बैराज	नदी	स्थान
1.	राठौड़	बनास	चौथ का बरवाड़ा (स.मा.)
2.	नवनेरा (सर्वाधिक भराव क्षमता)	कालीसिंध	दीगोद (कोटा)
3.	मेज	मेज	इंद्रगढ़ (बूंदी)
4.	रामगढ़	कूल	किशनगंज (बारां)
5.	महलपुर	पार्वती	मांगरोल (बारां)

↳ बाँध – डूंगरी बांध – बनास नदी – खंडार (सवाई माधोपुर)

रिपेयर – रिनोवेशन – रिस्टोरेशन परियोजना (RRR परियोजना) –

- शुरु – जनवरी, 2005
- 2017-18 में इसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 'हर खेत को पानी' में शामिल।
- केन्द्र : राज्य = 60:40
- वर्तमान में राज्य की 37 परियोजनाओं को इसमें शामिल किया गया।

इंदिरा गाँधी नहर परियोजना – (IGNP)

उद्देश्य –
- पश्चिम राजस्थान की सदियों से प्यासी मरुभूमि को दूरस्थ हिमालय जल से सिंचित व पेयजल आपूर्ति।
- साथ ही इसमें सूखा प्रभावित पर्यावरण और वन सुधार, रोजगार सृजन, पुनर्वास भी शामिल है।

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP) :-

↳ चम्बल नदी की सहायक नदी बेसिनों (कुन्नू, कूल, पार्वती, कालीसिंध, मेज) में उपलब्ध अधिशेष जल को बनास, मोरेल, बाणगंगा, पार्वती, कालीसिल, गंभीर इत्यादि नदी बेसिनों में जल अपवर्तन हेतु

↳ रामगढ़ बैराज, महलपुर बैराज एवं नवनेरा – गलवा – बीसलपुर – ईसरदा लिंक में जल अपवर्तन हेतु हाइड्रोलोजिकल सिमुलेशन का कार्य किया जा चुका है।

भू - जल संसाधन

- प्रत्येक तीन वर्षो में आंकलन किया जाता है।
- सुरक्षित ब्लॉक — 38
  अर्द्ध विषम — २२
  विषम — २3
  अतिदोहित — २16
  लवणीय — 3
  कुल = 302

ग्राउन्ड वाटर एस्टीमेशन कमेटी (GEC) द्वारा जारी दिशा निर्देश २015 के अनुसार किया जाता है।

- राज्य के कुल भू-जल दोहन की दर 150% है।

अटल भूजल योजना :-

- भारत सरकार एवं विश्व बैंक (50:50)
- शुरूआत – 1 अप्रैल, २०२०
- योजना २०२०-२1 से २०२4-२5, 5 वर्षो के लिए है।
- 7 राज्यो में – हरियाणा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश
- उद्देश्य – सामुदायिक भागीदारी से गिरते भूजल स्तर को रोकना।
- नोडल विभाग- भू-जल विभाग

जल ग्रहण विकास-

- 1.16% जल संसाधन
- 101 लाख हैक्टेयर बंजर भूमि

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान २.0-

- इसके अर्न्तगत २0,000 गाँवों में जल संग्रहण एवं सरक्षण इत्यादि कार्य।
- प्रथम चरण- 349 पंचायत समीतियाँ (सभी जिलो की)
  - 5,135 गाँव चयनित

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वाटरशेड कम्पोनेंट २.०)-

- क्रियान्वयन- भूमि संसाधन विभाग, भारत सरकार
- प्रारम्भ - २०२१-२२ से
- कार्य
  - ६२ जल संरक्षण संरचनाएं बनायी।
  - 149 परियोजनाओं को मंजूरी
  - २२४0 हैक्टेयर बारानी भूमि का विकास
  - २300 हैक्टेयर क्षेत्र में पौधारोपण

राज्य भंडारण निगम (RSWC)-

- कार्य- किसानों, सहकारी समितियों, व्यापारियों सरकार एवं अन्य संस्थाओं के कृषि उत्पादों, रासायनिक उर्वरक, बीज, खाद, कृषि यंत्र एवं अन्य निर्दिष्ट वस्तुओं के वैज्ञानिक से भण्डारण हेतु राज्य में गोदामों एवं भण्डारण ग्रहों का निर्माण करना है।

कृषि सम्बन्ध क्षेत्र

- पशुपालन
- गोपालन
- मत्स्य
- वानिकी
- सहकारिता

पशुपालन

- यह कृषि की सहायक गतिविधि ही नहीं बल्कि एक प्रमुख आर्थिक गतिविधि है जो कि अकाल की स्थिति में कृषक को अत्यधिक सुरक्षा प्रदान करती है।

- पशुगणना २०१9 के अनुसार - 568.01 लाख पशुधन (देश का कुल 10.60%)
  - 146.२3 लाख कुक्कुट

- देश का ≃ 84% ऊंट
  - ≃ 14% बकरियां
  - ≃ 11% भेड़
  - ≃ 12% भैंस
  - ≃ 7% गौवंश

Springboard ACADEMY

↳ देश के - दुग्ध उत्पादन 14·63%
- ऊन उत्पादन 42%

उत्पादन (2022-23)	दूध	अण्डे	मांस	ऊन
	33307 हजार टन	2761 (दसलाख)	240 (हजारटन)	161 (लाख किग्रा)

कुक्कुट विकास — 146 लाख
- अजमेर प्रशिक्षण केन्द्र

→ वर्ष 2023-24 के दौरान पशुपालन विभाग द्वारा उठाए गए प्रमुख कदम :-

(1) राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM) :-

→ भेड़ व बकरी वंश हेतु नस्ल सुधार योजना
→ शिविर प्रदर्शनी प्रशिक्षण
→ केन्द्र : राज्य = 60:40
→ 9 जिलों में
→ पशुपालकों को उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण

(2) पशुमित्र योजना-

↳ उद्देश्य — पशुपालकों को डोर स्टेप पर पशुपालन विभाग की विभिन्न सुविधाओं यथा टैगिंग, टीकाकरण, बीमा, पशुओं की नस्ल सुधार हेतु कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ परीक्षण आदि से लाभान्वित करवाना।

(3) कामधेनु बीमा योजना-

↳ दुधारू पशु (गाय, भैंस) के लिए
↳ निःशुल्क बीमा - 40,000 ₹ प्रति पशु
(एक परिवार में अधिकतम 2 पशु)

(4) ऊंट प्रजनन को बढ़ावा देने के लिए ऊंट प्रजनको को 2 किश्तो में 10,000 ₹ की वित्तीय सहायता 15000 ऊंट प्रजनक लाभान्वित होंगे।
बजट — 2·5 करोड़ ₹ (बजट 2024-25 में 10,000 ₹ से बढ़ाकर 20,000 ₹)

(5) पशुपालकों को उनके द्वार पर पशु चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध करवाने के लिए मेडिकल सेवा 108 की तर्ज पर '1962' मोबाइल वैटेनरी सेवा का 24 फरवरी, 2024 से शुभारंभ ।

→ पशु सम्पदा से संबंधित राजस्थान की महत्वपूर्ण योजनाएँ :-

(1) ऊष्ट्र विकास योजना -

- प्रारम्भ - 2 अक्टूबर, 2016
- उद्देश्य - ऊंटो का संरक्षण, ऊंटो की संख्या वृद्धि, ऊंट पालको को प्रोत्साहन देना

(2) नंदी गौशाला जनसहभागिता योजना :-

- प्रारम्भ - 29 अगस्त, 2019
- 90:10 में सरकारी सहायता
- 16 नंदी गौशाला स्थापित की जा चुकी है।

(3) देवनारायण आवासीय योजना :-

- 2020 में प्रारम्भ
- देश की पहली ऐसी योजना जिसमे पशुपालकों को एक ही स्थान पर दुध संकलन, विपणन एवं संस्करण की सारी सुविधाएँ प्रदान की जाएगी।

(4) मुख्यमंत्री पशुधन निःशुल्क दवा योजना :-

- 15 अगस्त, 2012
- जिला स्तर पर जिला पशु औषधि भंडार की स्थापना कर पशु रोगों की औषधियों का निःशुल्क वितरण ।

(5) भामाशाह पशु बीमा योजना :-

- 23 जुलाई 2016 से प्रारम्भ
- भामाशाह कार्ड धारक पशुपालकों के पशुओं का अनुदानित प्रीमियम दरों पर बीमा
- SC/ST/BPL को 70% तथा सामान्य श्रेणी को 30%.

(6.) Foot & Mouth disease :-

- भारत सरकार की योजना
- २०१० से प्रारम्भ
- केन्द्र : राज्य = 60 : 40

(7.) गौशाला बायोगैस सहभागिता योजना :-

- 1 अप्रैल, २०१8 से प्रारम्भ
- उद्देश्य - गौशाला को आत्मनिर्भर बनाना
- एक गौशाला में एक बायोगैस संयंत्र लगाया जाएगा।
- इसके लिए लागत का 50% या अधिकतम 40 लाख तक अनुदान।

★★ जोधपुर, नावां में पशु महाविद्यालय

गोपालन विभाग

↳ स्थापना - 13 मार्च २०१4

उद्देश्य - राज्य में मवेशियों की देशी नस्लों के प्रसार संरक्षण और विकास के लिए कार्यक्रम।

↳ वध से बचाए गए बड़े मवेशियों के लिए 40₹/प्रतिदिन, छोटे मवेशियो के लिए २० ₹ प्रतिदिन की सहायता।

निराश्रित नर गौवंश की समस्या के समाधान हेतु

(i) नंदी गौशाला जनसहभागिता योजना -

↳ 17 नंदी गौशालाएँ स्वीकृत।

(ii) गौशाला / पशुआश्रय स्थल योजना -

- 38 संस्थाओं को प्रशासनिक स्वीकृत
- 34 संस्थाओं में कार्य प्रारम्भ

डेयरी विकास

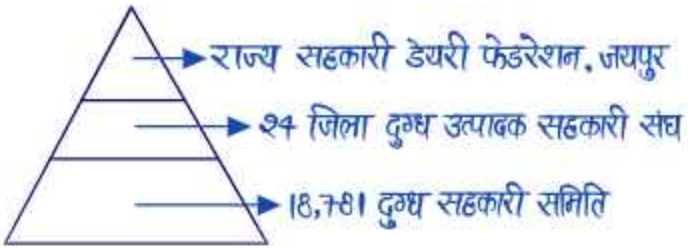

1. **राज सरस सुरक्षा कवच बीमा योजना :-**
   - 1 जनवरी, 2022 से लागू
   - दुग्ध उत्पादक की दुर्घटना में मृत्यु या स्थायी विकलांगता पर 5 लाख एवं आंशिक स्थायी विकलांगता पर 2.5 लाख बीमा राशि का प्रावधान।
   - आठवाँ चरण 1 फरवरी, 2024 से लागू

2. **सरस सामूहिक आरोग्य बीमा योजना -**
   - जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघो द्वारा दुग्ध उत्पादकों का बीमा किया जाता है।
   - 16 वाँ चरण - 21 नवम्बर, 2023 से प्रारम्भ

3. **मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना :-**
   - 1 फरवरी, 2019 से प्रारम्भ
   - 2 रु से 5 रु प्रति लीटर के हिसाब से अनुदान राशि राज० सरकार की तरफ से प्रदान की जाएगी। (2022-23 से)

(4) **चारा बीज वितरण**

मत्स्य

- उद्देश्य
  - कम लागत में प्रोटीन युक्त आहार
  - ग्रामीण एवं कमजोर वर्गों को रोजगार उपलब्ध करवाना।
- जल संसाधनों के आधार पर राजस्थान देश में 10 वें स्थान पर है।
- राजस्थान मे 80 हजार मैट्रिक टन से अधिक वार्षिक मत्स्य उत्पादन क्षमता है। लेकिन वर्ष 2023-24 में 91,359 मैट्रिक टन उत्पादन हुआ।

Springboard ACADEMY

↳ आदिवासी मधुआरों के उत्थान हेतु "आजीविका मॉडल" जो शून्य राजस्व मॉडल है। राज्य के 3 जलाशयों यथा जयसमंद (उदयपुर), माही बजाज सागर (बाँसवाड़ा) एवं कड़ाना बैक वाटर (डूंगरपुर) में प्रारम्भ किया गया।

↳ राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत मत्स्य प्रसंस्करण से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए रामसागर (धौलपुर), बीसलपुर (टोंक), राणा प्रताप सागर (रावतभाटा), जवाई बाँध (पाली) एवं जयसमंद (उदयपुर) बाँधो से मत्स्य लैण्डिंग केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

↳ नीली क्रांति योजना के सभी आयामों को समाहित करते हुए 'प्रधानमंत्री मत्स्य सपंदा योजना' वर्ष 2020-21 से संचालित की जा रही है।

NOTE- दो मत्स्य फीड मील, मत्स्य पालन पौध निर्माण व केज कल्चर यूनिट (सालावाड़-3) प्रस्तावित

वानिकी

↳ जैव विविधता, मृदा एवं जल के संरक्षण, ग्राम वासियों की मुलभूत आवश्यक्ताओं की पूर्ति करने एवं वन सुरक्षा तथा वन संरक्षण एवं प्रबन्धन में जनता का सक्रिय सहयोग प्राप्त करने पर बल।

↳ राज्य में कुल घोषित वन क्षेत्र 32,932 वर्ग किमी है जो कि कुल भौगोलिक क्षेत्र का 9.61% है।

↳ राज्य में वन आच्छादित क्षेत्र 4.87% है जो कि वन क्षेत्र तथा उसके बाहर अवस्थित है।

↳ भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट-2021 के अनुसार राज्य के वनाच्छादित क्षेत्र में 25.45 वर्ग किमी की वृद्धि दर्ज की गई है।

↳ औषधीय पौधो के संरक्षण हेतु राज्य में 2 औषधीय पौध संरक्षित क्षेत्र स्थापित किए गए हैं।

↳ राजस्थान में 3 राष्ट्रीय उद्यान, 27 वन्यजीव अभयारण्य, 5 टाइगर रिज़र्व और 36 संरक्षित क्षेत्र हैं।

4 बॉयोलॉजिकल पार्क जयपुर, उदयपुर, कोटा एवं जोधपुर में विकसित किए गए।

ट्री आउटसाइड फॉरेस्ट राजस्थान (T.O.F.R)-

- उद्देश्य- पारंपरिक वनों एवं वन क्षेत्रों के बाहर हरियाली को बढ़ाना
- ग्रीनिंग & रीवाउलिंग मिशन के तहत
- लक्ष्य- 5 करोड़ पौधे
  - 1 करोड़ - गोचर, ओरण, चारागाह
  - 1 करोड़ - शहरी क्षेत्रों में
  - 3 करोड़ - घरों एवं खेतों में

(नागरिक, विभिन्न विभागों व संस्थाओं के सहयोग से)

घर-घर औषधि योजना -

- शुभारम्भ - 1 अगस्त २०२।
- यह फ्लेगशिप योजना है जिसमें तुलसी, गिलोय, अश्वगंधा एवं कालमेघ के औषधीय पौधे (8 पौधे → प्रत्येक प्रजाति के २-२) राज्य के प्रत्येक परिवार को घर-घर जाकर वितरित किया जाना है।

नगर वन-

- आगामी 5 वर्षों में २०० नगर वन प्रस्तावित
- उद्देश्य- हरित स्थान, सौन्दर्य परक वातावरण, व जैव विविधता वातावरण के बारे में जागरूक करना।

↳ विश्व वानिकी उद्यान (झालाना डूंगरी) - जयपुर की तर्ज पर जोधपुर, बीकानेर, कोटा, उदयपुर, भरतपुर व अजमेर (सात संभाग) में बॉटनिकल गार्डन स्थापित किए जा रहे हैं।

लव-कुश वाटिका :- राज्य में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले में २ इको-टूरिज्म लव-कुश वाटिका विकसित की जा रही है।

राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड -

- जैविक विविधता अधिनियम २००२ के तहत इसका गठन किया गया।
- जैविक विविधता अधिनियम २००२ की धारा 63(1) के तहत राजस्थान जैविक

विविधता नियम, २०१० को अधिसूचित किया गया।

ई-वेस्ट प्रबंधन-

- पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने ई-वेस्ट प्रबंधन नीति-२०२३ प्रकाशित की है।
- क्रियान्वयन - एपेक्स समिति

सहकारिता

- शीर्ष स्तर पर २३ संघ
- २५ दुग्ध संघ
- ३४ उपभोक्ता होलसेल भण्डार
- ५१,५१७ सहकारी समितियाँ
- २१ केन्द्रीय सहकारी बैंक
- ३६ प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक

(1) शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर लघु अवधि के कृषि ऋण -

- प्रारम्भ वर्ष-२०१२-13
- फसली ऋण निर्धारित समय सीमा में चुकाने वाले किसान के लिए Subsidy दी जाती है।

(२) राजस्थान कृषक ऋण माफी योजना -

→ 30 नवम्बर, २018 तक के बकाया सभी लघु अवधि के फसली ऋण माफ करने का निर्णय लिया गया।

(3) ब्याज मुक्त फसली ऋण योजना-

- कृषक की कृषि आवश्यकताओं हेतु ब्याज मुक्त फसली ऋण।
- वर्ष २०२३-२४ में 31 लाख किसानों को २२,००० करोड़ ₹ ऋण।

(4) राजस्थान ग्रामीण आजीविका ऋण योजना-

- ग्रामीण दस्तकार, अकृषि कार्यों, लघु एवं सीमांत कृषक के परिवारजनों को सहकारी बैंकों से ऋण।
- वर्ष 2023-24 में 23,000 व्यक्तियों को 172 Cr ₹ का ऋण।

(5) PM किसान पोर्टल -

- राजस्थान सरकार के "सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग" द्वारा किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत पंजीकरण एवं सत्यापन हेतु 'किसान सेवा पोर्टल' की शुरूआत की गई। (2019-2021 तक)
- 'किसान सेवा पोर्टल' के बाद भारत सरकार द्वारा 'PM किसान पोर्टल' शुरू किया गया।
- PM किसान सम्मान निधि के अर्न्तगत किसानों को लाभ प्राप्त करने में राजस्थान प्रथम स्थान पर है।

(6.) स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना -

- गैर कृषि गतिविधियों हेतु 50 हजार तक के ऋण 5 साल की अवधि तक के लिए उपलब्ध करवाए जायेंगे।

(7.) महिला विकास ऋण योजना -

- इस योजना के तहत भूमि विकास बैंको द्वारा ऋण दिया जा रहा है।
- यह ऋण कृषि भूमि की सुरक्षा के बिना, 2 व्यक्तियों की गारंटी के माध्यम से गैर कृषि उद्देश्यों और डेयरी व्यवसाय के लिए 50 हजार ₹ का ऋण प्रदान करके महिलाओ के लिए आय के स्त्रोत बना रहे है।

(8.) कृषि उपज रहन ऋण योजना -

- कृषि उपज रहन के विरुद्ध कास्तकारों को मात्र 3% की ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है।

(9) कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (AIF)-

- 15 मई 2020, केन्द्र सरकार
  - ↳ राज्य में नोडल विभाग - सहकारिता विभाग
  - ↳ 2 करोड़ तक के ऋण पर 3% प्रतिवर्ष ब्याज अनुदान

(10) अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना-

वर्ष 2023-24 में घोषणा।

1 करोड़ N.F.S.A परिवारों को मुफ्त राशन + अन्नपूर्णा फूड पैकेट

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु-

- सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं की सुविधाओं हेतु एकीकृत प्लेटफॉर्म- "राज सहकार पोर्टल"
- सहकारी किसान कल्याण योजना
  - ↳ कृषि ऋण + कृषि साख की आवश्यकता हेतु
- जोधपुर व झुंझुनूं जिलों में जन औषधि केन्द्र।
- 28 अप्रैल, 2023- 7 मई, 2023 → राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 2023. आयोजन - जयपुर
- राज्य में 785 राजीविका महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समिति पंजीकृत

Sprint Academy

बजट २०२५-२६

- PM किसान सम्मान निधि - 6000 से बढ़ाकर 8000 ₹/प्रतिवर्ष
- MSP- गेहूं की MSP (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर 125 ₹/क्विंटल का अतिरिक्त बोनस

Rajasthan Irrigation Water Unid Mission-

सिंचाई व्यवस्था (सभी जिलों में)
जल संचय प्रणाली
} (5 वर्षों में 50,000 करोड़ ₹)

कृषि

1. कृषि कनेक्शन
   - स्वैच्छिक भार वृद्धि योजना (Voluntary load Disclosure Scheme)
2. कुसुम योजना
   - कृषि कनेक्शन के सौरकरण द्वारा दिन के समय किसानों के लिए बिजली (वर्ष २०२१ तक)
3. Raj-KVY (राजस्थान कृषि विकास योजना)
   - RKVY - RAFTAAR की तर्ज पर

1. नमो ड्रोन दीदी
   - 1000 SHGs
   - ड्रोन + Nano Urea + Pesticide
   - २५०० ₹/हैक्टेयर सब्सिडी
2. Agri clinic (soil testing)
   - जिला मुख्यालय पर

जैविक खेती

1. कृषकों को सहायता व प्रशिक्षण → Organic & Conventional farming Board
2. जिला स्तर पर → Units और Labs (जैविक उत्पादों का प्रमाणीकरण)
3. ब्लॉक स्तर पर → गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना
   - (जैविक खाद के उत्पादन के लिए 10,000 ₹/कृषक)

1. Knowledge Enhancement Programme
   - प्रशिक्षण < 100- युवा इजरायल, 5000 युवा देश में
   - 3 CoE - 18 CoE
   - स्वतः फसल गिरदावरी
     - Agri Stack के माध्यम से
2. अल्पकालीन फसल ऋण (5 लाख नये किसान)
   - २३,००० करोड़ ₹ का ब्याज मुक्त
   - दीर्घकालीन सहकारी अकृषि ऋण
     - 5% ब्याज मुक्त

प्रंसस्करण इकाई (निजी क्षेत्र के सहयोग से)-

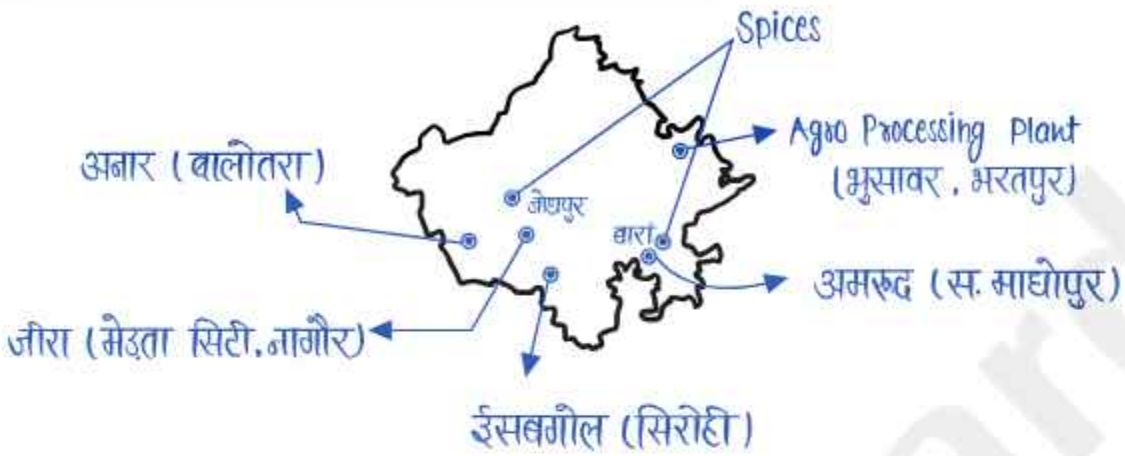

Marketing-

1. 500 नये FPO (Farmer Producer Organisation)
2. मण्डी स्थापना-
   कृषि मण्डी – (i) रामगढ़, पचवारा (लालसौट, दौसा)
   (ii) नसीराबाद (अजमेर)
   (iii) पीपलू (टोंक)
3. फूल मण्डी - जमवारामगढ़ (जयपुर)
4. फल-फूल मण्डी - सादड़ी (पाली)
5. नगरपालिका फल एवं सब्जी मण्डी - जहाजपुरा (शाहपुरा)
6. गाजर मण्डी - साधूवाली, (सादुलशहर, श्री गंगानगर)
7. जीरा मण्डी - जैसलमेर
8. लहसुन मण्डी - मनोहर थाना (झालावाड़)
9. Food Park - भुसावर भरतपुर
   Food Processing Park – भरतपुर

• e-Mandi Platform - सीधे कृषकों के खेत से खरीद की सुविधा

पशुपालन एवं डेयरी

1. पशुपालन विकास कोष = 250 cr. ₹

2. Sex Sorted Semen योजना -

- दुधारू पशुओं की उन्नत नस्ल विकास व अवारा नर गौवंश की समस्या के निराकरण के लिए

- बजट 2023-24 में बस्सी में लैब स्थापित करने की घोषणा।

3. मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना -

- 5 लाख ₹ – दुधारू गाय, भैंस, भेड़, बकरी
- 1 लाख ₹ - ऊँट
- अनुदान राशि 50% से बढ़ाकर 75%

4. ऊँट
- ऊँट संरक्षण एवं विकास मिशन
- नवजात ऊँट के पालन पोषण की राशि 10,000 ₹ → 20,000 ₹

Springboard ACADEMY

अध्याय - 3 "ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज"

ग्रामीण विकास

योजनाएँ

रोजगार
- राजीविका
  - NRLM
  - NRETP
- मनरेगा
- CM-REGS

आवास
- PM-जनमन
- PM आवास (ग्रामीण)

अवसंरचना विकास
- MPLAD , MLA-LAD
- सांसद आदर्श ग्राम योजना
- MP जनभागीदारी विकास योजना
- अमृत सरोवर
- CM जिला नवाचार निधि योजना
- बाबा साहब अम्बेडकर आदर्श ग्राम योजना

क्षेत्रीय विकास
- BADP
- मगरा क्षेत्र
- मेवात क्षेत्र
- डांग क्षेत्र
- बृज क्षेत्र
- जनजातीय क्षेत्र

➤ राजस्थान में ग्रामीण क्षेत्रो के नियोजित विकास के लिए 1 अप्रैल 1999 को पृथक से ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की स्थापना की गई।

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (RGAVP) (राजीविका)

- स्थापना - अक्टूबर 2010 में स्वायत परिषद के रूप में
- यह परिषद् सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1958 के अन्तर्गत पंजीकृत हैं।
- विभाग - ग्रामीण विकास विभाग (प्रशासनिक नियंत्रण)
- अध्यक्ष - मुख्यमंत्री • उपाध्यक्ष - ग्रामीण विकास मंत्री

उद्देश्य -

स्वयं सहायता समूह आधारित सांस्थानिक आधार पर ग्रामीण आजीविका कार्यक्रमों का कियान्वयन

- क्षमता वृद्धि
- वित्तीय समावेशन
- आजीविका सुरक्षा

(भारत सरकार द्वारा वित पोषित राजीविका द्वारा निम्नलिखित परियोजनाएं चलाई जा रही हैं।)

(1) राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM)

- जून 2011 में शुरूआत
- ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा
- संपूर्ण राज्य मे क्रियान्वित
- केन्द्र : राज्य - 60:40

(2) राष्ट्रीय ग्रामीण आर्थिक रूपान्तरण योजना (NRETP)

- World bank की मदद से संचालित
- राज्य के 9 जिलो के 36 Block में संचालित

➤ राजीविका के अन्य कार्य-

1) वन धन विकास योजना - 8 जिलों (बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़, कोटा, बारां, झालावाड़, सिरोही, उदयपुर) में 461 वन धन विकास केन्द्रों का गठन।

2) उजाला मिल्क प्रोड्युसर कंपनी लिमिटेड - (6 जिले)

दुध उत्पादकों को बढ़ावा देने के लिए कोटा, बूंदी, बारां, करौली, स. माधोपुर, और झालावाड़ जिलों में गठन किया गया।

3) हाड़ौती महिला किसान प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड- कोटा एवं बारां जिले में सोयाबीन व धनिया मूल्य श्रृंखला विकसित करने के लिए गठन किया गया

4. स्वयं सहायता समूह
   - बिक्री बढ़ाने हेतु राजस्थली (जयपुर) व 16 खुदरा स्टोर प्रारम्भ।
   - महिला सुरक्षा सखी पंजीयन
   - महिला आर्थिक सशक्तिकरण/ राजस्थान महिला निधि क्रेडिट को- ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड द्वारा ऋण वितरण।

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGS) -

- अधिनियम - 2005 ई.
- लागू- 02 feb, 2006
- सम्पूर्ण देश - अप्रेल 2008
- 02 Oct 2009 - M.G नरेगा

उद्देश्य-
- ग्रामीणों को रोजगार
- आजीविका सुरक्षा
- काम करने के अधिकार की गारन्टी

विशेषताएँ-
- पात्र- वयस्क (स्थानीय ग्राम पंचायत निवासी)
- पंजीकरण → 15 दिवस में फोटोयुक्त जॉबकार्ड (निःशुल्क)
- आवेदन → 15 दिन में रोजगार (यदि नहीं तो राज्य सरकार बेरोजगारी भत्ता देगी।)
- कार्य → 5 कि.मी. परिधि, (यदि 5 कि.मी. से अधिक हो तो 10% अतिरिक्त मजदूरी)
- कार्यस्थल पर सुविधाएँ-
  - पीने का पानी
  - छाया
  - शिशु पालना
  - प्राथमिक चिकित्सा
- महिला → 1/3 (राजस्थान में 50%)
- भुगतान → बैंक, डाकघर
- केन्द्र : राज्य (वित्त) = 90 : 10

कार्य पर व्यय
- मजदूरी - 60 : सामग्री - 40

ग्राम सभा के कार्य –

- कार्य चयन
- वार्षिक कार्य योजना
- योजना प्रगति
- कार्य गुणवत्ता
- सामाजिक अंकेक्षण

मुख्यमंत्री ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना –

(1) बजट भाषण २०२२-२३

(२) मनरेगा में रोजगार 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया।

(3) 100 दिन का अतिरिक्त रोजगार

- बारां – सहरिया खेरुआ जनजाति
- उदयपुर – कथौड़ी
- विशेष योग्यजन (राज्य के) श्रमिक

आवास

PM- JANMAN (जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान) –

- बजट - २०२३-२४
- PVTG – विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह
- 75 समूह – आर्थिक, सामाजिक – सुधार
- राजस्थान = बारां जिले की 8 पंचायत
  - सहरिया → आवास
    - २ लाख ₹
    - 12,000 ₹ (शौचालय)
    - 90 दिन मनरेगा
  - अपात्र – जिनके पक्का मकान / सरकारी नौकरी

(3) प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) –

- शुरू - २० नवम्बर, २०16 को
- केन्द्र : राज्य = 60 : 40 → 1लाख २० हजार ₹
- लाभार्थी → आवास
  - 12,000 ₹ (शौचालय)
  - 90 दिन मनरेगा
  - SECC-२०11 (सामाजिक आर्थिक एवं जाति जनगणना)

अवसंरचना विकास योजनाएँ

(i) सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLAD)–

- 1993 में शुरू
- मंत्रालय - "सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय"
- लोकसभा सांसद – अपने निर्वाचन क्षेत्र में
- राज्यसभा सांसद – पूरे राज्य में
- मनोनीत सांसद – पूरे भारत में

→ 5 करोड़ ₹ प्रतिवर्ष → अनुशंसा → सांसद, जिला कलेक्टर को

- गंभीर प्राकृतिक आपदा = 1 करोड़ ₹
  ↳ पूर्ण देश में स्थायी संपत्ति का निर्माण करवा सकते हैं।
- खर्च → SC-15%
  → ST-7.5%
- Central Sector Scheme (केन्द्रीय क्षेत्रक योजना)

(ii) विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MLA-LAD) :-

- शुरू - 1999-2000
- MLA - विधानसभा क्षेत्र (5 करोड़ ₹ प्रतिवर्ष)
- खर्च → 20% – SC/ST
  → 20% – सार्वजनिक उपयोग कार्य
  → मरम्मत
  → नवीनीकरण

सांसद आदर्श ग्राम योजना –

- 11 अक्टूबर 2014 को प्रारम्भ
- उद्देश्य - समग्र विकास → जीवन स्तर
  → जीवन गुणवत्ता
- प्रत्येक सांसद (चयन) → 1 ग्राम पंचायत प्रति वर्ष
  चयन का आधार – जनसंख्या → मैदानी (3000-5000)
  → दुर्गम (1000-3000)
- ग्राम – स्वयं या पति पत्नी का नहीं।

NOTE- बजट २०२५-२६

 # बाबा साहेब अम्बेडकर आदर्श ग्राम योजना-

- ≥ 10,000 जनसंख्या वाले गाँव
- SC/ST क्षेत्र - आधारभूत ढाँचे का विकास
- ₹ - २०० करोड़

महात्मा गाँधी जनभागीदारी विकास योजना (MGJVY) -

- पुराना नाम - गुरू गोलवलकर जनभागीदारी विकास योजना - २०१५
- Feb- २०२० • वित्त पोषित → राज्य सरकार
- उद्देश्य - जनभागीदारी से ग्रामीण विकास → रोजगार सृजन, सामुदायिक सम्पतियों का निर्माण
- केवल ग्रामीण क्षेत्रो में लागू ।

	सरकार	जनता
• श्मशान / कब्रिस्तान की चारदीवारी	90%	10%
• अन्य सामुदायिक परिसंपतियाँ	70%	30%
• TSP क्षेत्र में [40% से अधिक SC/ST आबादी वाले गांवो में]	80%	२०%
• नाम अंकित वाली निर्माण योजना	५१%	४१%

(4) स्व विवेक जिला विकास कार्यक्रम -

- २००५-०६ में शुरू
- ग्रामीण क्षेत्र में स्थानीय आवश्यकता के अनुरुप आधारभूत संरचना का विकार करना ।
  ↳ जिला कलेक्टर द्वारा निर्धारित ।

(6) मुख्यमंत्री जिला नवाचार निधि योजना -

- शुरू - 1 अप्रैल, २०२1
- उद्देश्य - राज्य के प्रत्येक जिले में जिला कलेक्टर द्वारा क्षेत्र की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचारों को समावेश करते हुए विकास करना ।

- 1 cr/ District/ year
- नोडल विभाग - ग्रामीण विकास विभाग

मिशन अमृत सरोवर –

- 24 अप्रैल 2022
- देश के प्रत्येक जिले में → 75 अमृत सरोवर का निर्माण करना है।
  राज्य का लक्ष्य – 2475 सरोवर (तालाब)
- एक तालाब → क्षेत्र – एक एकड़
  → क्षमता – 10,000 क्यूबिक मीटर

क्षेत्रीय विकास

↓

उद्देश्य

↓

- अवसंरचना विकास
- आधारभूत सुविधा
- रोजगार सृजन → नितेरा बढ़ाना
- जीवन स्तर में सुधार
- सामाजिक स्तर में सुधार

(1) मेवात क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम –

- 1986-87 से शुरू
- 3 जिले → अलवर, खैरथल-तिजारा और डीग
- 14 खण्ड → 807 गाँव
- मेव बाहुल्य क्षेत्र
- वित्त = राज्य - 100%

(२) मगरा क्षेत्र विकास कार्यक्रम –

- २००५-०६ से प्रारम्भ
- मगरा क्षेत्र- राजस्थान का दक्षिणी मध्य भाग जो पहाड़ी क्षेत्र से घिरा हुआ है।
- ५ जिले ► ब्यावर, पाली, भीलवाड़, राजसमंद, चित्तौड़गढ़
- वित्त- राज्य सरकार द्वारा

(३) डांग क्षेत्र विकास कार्यक्रम –

- २००५-०६ से पुनः प्रारम्भ
- ७ जिलों में लागू – कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, स. माधोपुर, करौली, धौलपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर

- डांग क्षेत्र- बीहड़ क्षेत्र तथा संकुचित घाटी युक्त दस्यु ग्रस्त क्षेत्र।
- वित्त- राज्य सरकार द्वारा

❁ मुख्यमंत्री क्षेत्रीय विकास योजना –

- वर्ष २०२२ में प्रारम्भ की गई।
- उद्देश्य = प्रदेश के दुर्गम, दूरस्थ एवं पिछड़े क्षेत्र में आधारभूत संरचना का विकास।
- बजट ► १०० करोड़
- यह योजना निम्नलिखित 4 योजनाओं को शुरु कर प्रारम्भ की गई है–
  1. मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत योजना
  २. महात्मा गाँधी आदर्श ग्राम योजना
  ३. स्मार्ट विलेज योजना
  4. श्री योजना

सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम (BADP) –

- प्रारम्भ- 7वीं पंचवर्षीय योजना (१९८५-१९९०)
- वित्त- केन्द्र प्रवर्तित योजना
- राज्य के ५ सीमावर्ती जिलो बाड़मेर, बीकानेर, गंगानगर, अनूपगढ़ तथा जैसलमेर के १६ खण्डों में संचालित।

बजट- २०२४-२०२५-

१. ब्रज क्षेत्रीय विकास योजना-

- पूर्वी राजस्थान के दूरस्थ क्षेत्रों के क्षेत्रीय विकास के लिए।
- 5 जिले - भरतपुर, धौलपुर, अलवर, डीग, खैरथल तिजारा

२. गोविन्द गुरू जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना-

- 75 करोड़
- अनुसूचित क्षेत्र (TSP) में समग्र विकास के लिए।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन (SPMRM)

- 21 Feb. 2016
- उद्देश्य- अगले 3 वर्षों में 300 ग्रामीण कलस्टरो का निर्माण करना।

आर्थिक
सामाजिक
आधारभूत संरचना
} का विकास करना।

- राजस्थान में कुल 16 कलस्टर है-

बायो फ्यूल-

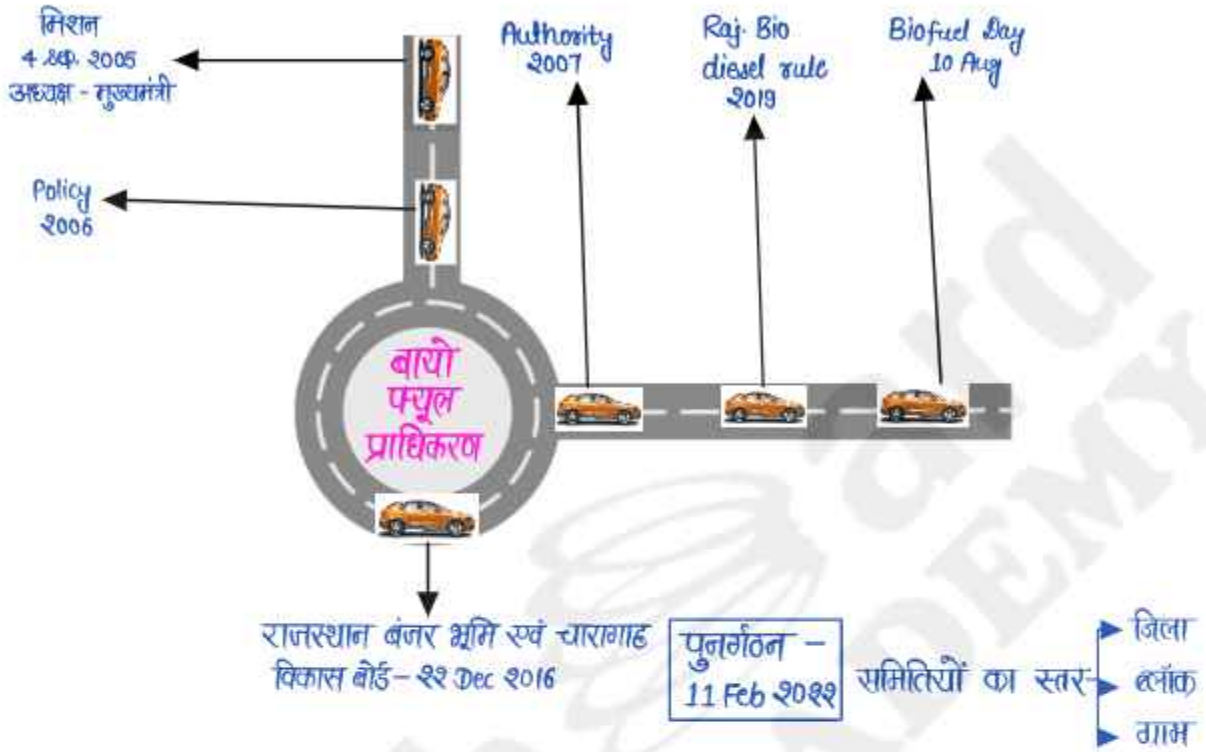

NOTE-राजस्थान जैव ईंधन नियम तैयार करने वाला भारत का पहला राज्य है।

पंचायतीराज

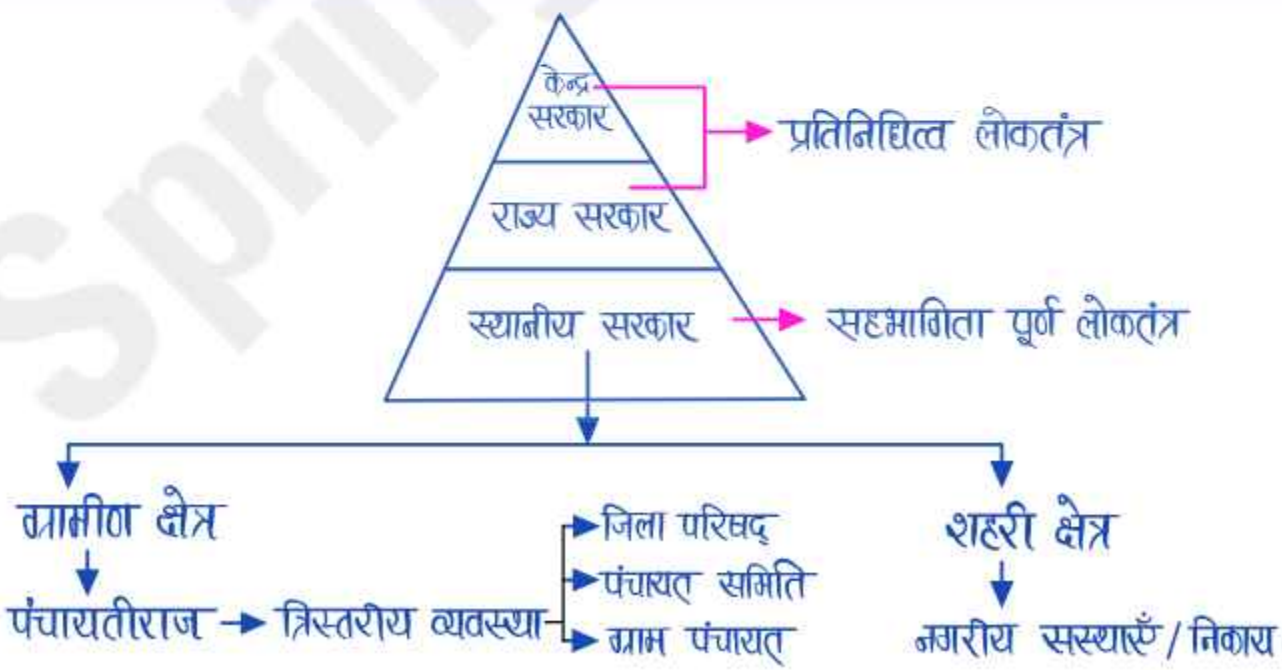

↳ शुरूआत – नागौर (बगदरी गाँव) – 2 Oct, 1959

↳ संवैधानिक दर्जा – 24 अप्रैल, 1993

↳ अनु. 243 (G) में पंचायतों की शक्तियों का वर्णन

↳ राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1953 को 1994 में संशोधन किया गया तथा पंचायती राज नियम 1996 में लागू किए गए।

↳ वर्तमान में
- → 33 जिला परिषद्
- → 365 पंचायत समितियाँ
- → 11,208 ग्राम पंचायत

★ पंचायतीराज संस्थाओं को अनुदान –

केन्द्र — 41% + 1% (15 वें वित्त आयोग के अनुसार) (अनु. 280)

↓

राज्य — 6.75% → षष्टम राज्य वित्त आयोग के अनुसार (2020-21 से 2024-25 हेतु सिफारिश)

↓

स्थानीय सरकार हेतु
- पंचायती राज 75.10%
  - ग्राम पंचायत 75%
  - पंचायत समिति 20%
  - जिला परिषद 5%
- शहरी निकाय 24.90%

→
- 55% राशि – मूलभूत विकास कार्यों के लिए
- 40% राशि – राष्ट्रीय और राज्य प्राथमिकता
- 5% — अन्य कार्यक्रमो हेतु

अनुदान
- टाईड (60%)
  - 50% स्वच्छता
  - 50% पेयजल
- अनटाईड (40%)
  - क्षेत्रीय आवश्यकता

★ 16 वां वित्त आयोग-

↳ अध्यक्ष - अरविन्द पनगढ़िया

↳ सदस्य-
- अजय नारायण झा
- एनी जार्ज मैथ्यू
- मनोज पांडा
- डॉ. सौम्या कांति घोष

Springboard ACADEMY

राज्य वित्त आयोग- इसका गठन अनुच्छेद- 243 I (ग्रामीण) व अनुच्छेद 243(Y) (शहरी) के तहत किया जाता है।

6 वां वित्त आयोग-

- गठन- 12 अप्रैल 2021
  (1 अप्रैल 2020- 31 मार्च 2025 तक)
- अध्यक्ष–प्रद्युमन सिंह
- सदस्य– अशोक लाहोटी
  लक्ष्मण सिंह रावत

राजस्थान के 6 वित्त आयोग (FC)-

राजस्थान FC	CP	Formed	Tenure
I	कृष्ण कुमार गोयल	24 Apr. 1994	1 Apr. 1993- 31 Mar. 2000
II	हीरालाल देवपुरा	7 May 1999	1 Apr. 2000- 31 Mar. 2005
III	माणिक चंद सुराणा	May 2004	1 Apr. 2005- 31 Mar. 2010
IV	B.D कल्ला	13 Apr. 2011	1 Apr. 2010 - 31 Mar. 2015
V	ज्योति किरण	July 2014	1 Apr. 2015 - 31 Mar. 2020
VI	प्रद्युमन सिंह	12 Apr. 2021	1 Apr. 2020 - 31 Mar. 2025

वित्त आयोग के कार्य- For Mains (Self Practice)

Springboard ACADEMY

पंचायतीराज योजनाएँ

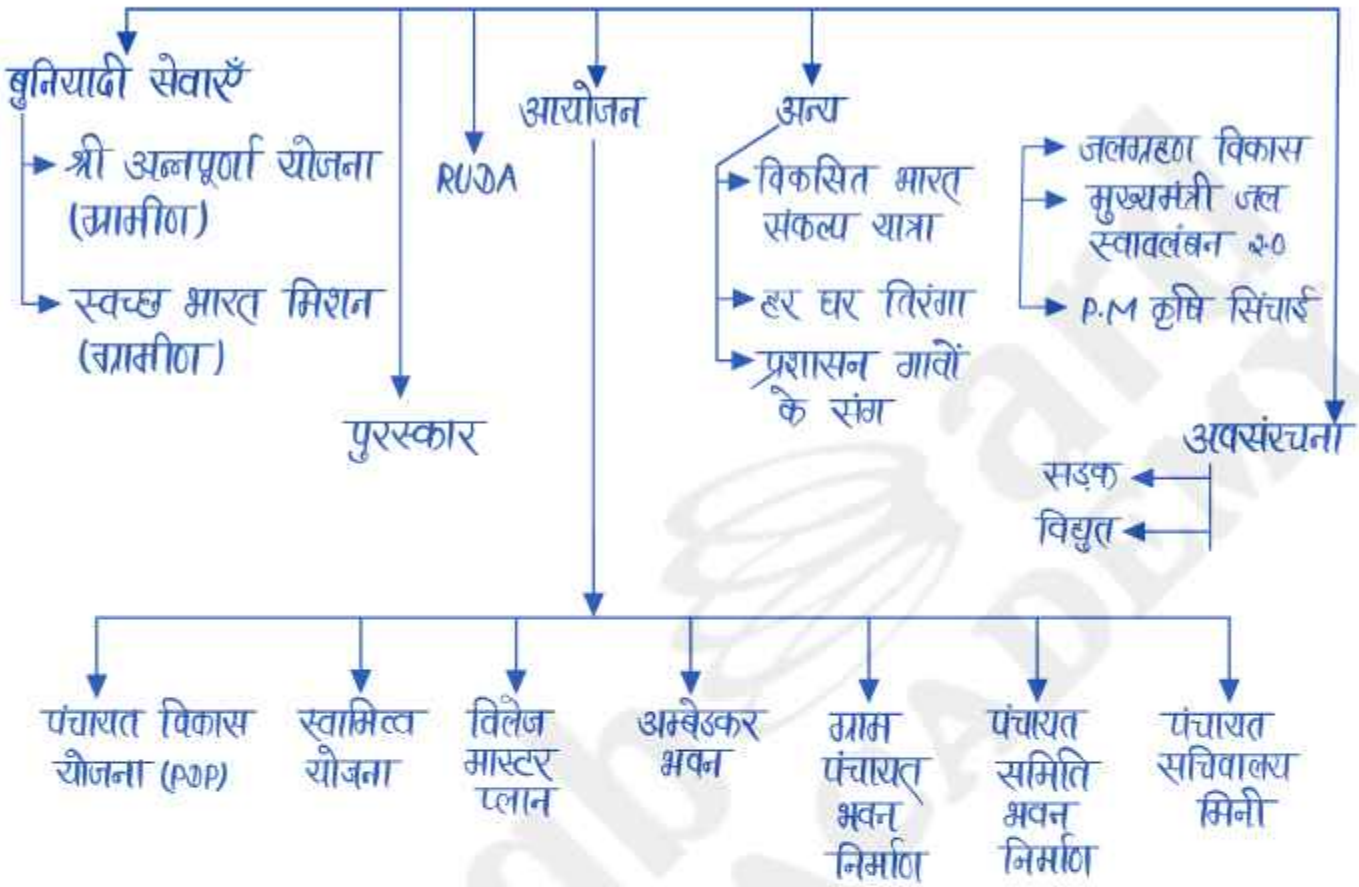

श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना- (ग्रामीण)

- **शुरुआत**- 10 सितम्बर, 2023
- **उद्देश्य**- ग्रामीण कस्बों में किफायती दर पर पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक भोजन उपलब्ध करवाना। (पूर्व में इंदिरा रसोई योजना)
- **संचालन** → राजीविका (राज. ग्रामीण आजीविका विकास परिषद) के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा।
- **अन्य** → (i) 982 रसोईयों के माध्यम से दोपहर व रात्रि भोजन। (ग्रामीण कस्बों में प्रत्येक रसोई में अधिकतम 100 थाली रात्री भोजन उपलब्ध करवाने का प्रावधान।

(ii) 600 ग्राम भोज्य सामग्री – [चपाती - 300 gm
दाल - 100 gm
सब्जी - 100 gm
चावल/ मिलेट्स की खिचड़ी 100 gm
अचार]

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) –

- 2 Oct 2014 को प्रारम्भ
- जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित
- 31 मार्च 2018 – राजस्थान ODF घोषित
- Phase Ist – 2014-19
- Phase IInd – 2020-21 से 5 वर्षों के लिए → उद्देश्य –
  - 1. ODF की स्थिति को बनाये रखना
  - 2. ODF Plus बनाना

3 घटक

- व्यक्तिगत शौचालय → 12,000 ₹ राशि
  - पात्र –
    - BPL / SC / ST / दिव्यांग
    - Small & Marginal farmers
    - Landless Labourers
    - Women Headed families
- सामुदायिक स्वच्छता केन्द्र → ग्राम पंचायत – 3 लाख ₹ + दिव्यांग व्यवस्था
- ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्ध → ODF Plus

पंचायत पुरस्कार

- 2010-11 से
- 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायत दिवस पर

1. दीनदयाल उपाध्याय पुरस्कार

- 3 ग्राम पंचायतों को
- 3 ब्लॉक पंचायत और
- 3 जिला पंचायत

विशेष श्रेणी पुरस्कार

ग्राम ऊर्जा स्वराज विशेष पंचायत पुरस्कार

3 ग्राम पंचायत (देश की)

ऊर्जा नवीनीकरण स्रोत

विशेष पंचायत पुरस्कार

3 ग्राम पंचायत (देश की)

पूर्ण शून्य कार्बन उत्सर्जन

आयोजन

(1) ग्राम पंचायत विकास योजना –

- भारत सरकार द्वारा
- 2015 से प्रारम्भ
- प्रक्रिया → ग्राम पंचायत वित्तीय संसाधन व आवश्यकता अनुरूप योजना निर्माण कर ग्राम सभा के अनुमोदन पश्चात ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड की जायेगी।
- इसी के तहत "सबकी योजना - सबका विकास" कार्यक्रम संचालित है।
  - → "जन योजना अभियान - 2023"

(2) राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान –

- 2018-19 से 31 मार्च 2022 तक
- केन्द्र : राज्य = 60:40
- उद्देश्य – पंचायत क्षमता संवर्धन

• वर्तमान में यह "पुनरूत्थान राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान" के नाम से संचालित है।
→ 31 मार्च, 2021 तक

(3) विलेज मास्टर प्लान -

• आगामी 30 वर्षों हेतु ग्राम पंचायत मुख्यालय के लिए तैयार किया गया है। (वर्ष 2050)

• I[st] Phase - 10,000 आबादी

3 विभाग → विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
→ सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार
→ भू प्रबन्धन विभाग

• सहायता - पटवारी

(4) ग्राम पंचायत भवन निर्माण -

• सभी ग्राम पंचायत स्तर के कार्यालयों को एक परिसर में लाने के लिए 5 बीघा तक भवन निर्माण।

(5) पंचायत समिति भवन निर्माण

(6) अम्बेडकर भवन योजना -

• वर्ष 2019-20
• सभी पंचायत समिति मुख्यालयों - Except → नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका
• एक भवन की लागत 50 लाख ₹

(7) पंचायत Mini सचिवालय -

ग्राम पंचायत स्तर - Under One Roof → 'एक छत के नीचे'
→ Agriculture
→ Revenue
→ Rural development
→ पंचायती राज

- R.O सेवा केन्द्र
- किसान सेवा केन्द्र
- पटवार घर
- ग्राम पंचायत

स्वामित्व योजना-

- शुरुआत- २५ अप्रैल २०२०
- क्रियान्वयन- पंचायती राज विभाग, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, राजस्व विभाग।
- भारतीय सर्वेक्षण विभाग ► राज्य के सभी गाँवों के आबादी क्षेत्रों का 'डिजिटल मानचित्र' ड्रोन के माध्यम से तैयार करेगा एवं संबंधित ग्राम पंचायत को प्रस्तुत करेगा।
- ग्राम पंचायत ► मानचित्र के आधार पर "राजस्थान पंचायती राज अधिनियम-1996 के तहत संबंधित व्यक्ति को पट्टा जारी करेगी।
- वर्तमान में राजस्थान के 7 जिलों में 'ड्रोन सर्वे' का कार्य पूर्ण हो गया है तथा शेष जिलों में ड्रोन सर्वेक्षण कार्य प्रगतिरत है।

RUDA (ग्रामीण गैर कृषि विकास अभिकरण) -

- स्थापना - Nov. 1995
- उद्देश्य - ग्रामीण गैर कृषि को बढ़ाना
- GI - Tag दिलवाने में सहायता करती है।

(राजस्थान में २१ वस्तुओं को GI - Tag प्राप्त है →
1st - बीकानेरी भुजिया
16th - सोजत मेहँदी (पाली)
17th - पिछवाई कला (नाथद्वारा)
18th - जोधपुरी बंधेज (जोधपुर)
19th - कोफ्तगिरी (उदयपुर)
20th - उस्ता कला (बीकानेर)
21st - कशीदाकारी क्राफ्ट (बीकानेर)

- RUDA 3 उपक्षेत्रों के अन्तर्गत अपनी गतिविधियाँ संचालित करता है

I st – चमड़ा
II nd – ऊन व वस्त्र
III rd – लघु खनिज

जल ग्रहण विकास

(1) CM जल स्वावलंबन योजना-

I^{st} Phase ► 2015-2018
- 27 जनवरी 2016
  ↓
  गर्दन खेड़ी गाँव (झालावाड़)

II^{nd} Phase ► 2024-25
- अगले 4 वर्षों में 349 पंचायत समितियों के 20,000 गाँवों में जल संग्रहण एवं संरक्षण कार्य।
- इसके प्रथम चरण में 349 पंचायत समितियों के 5135 गाँव

(2) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वाटरशेड कम्पोनेंट 2.0) - (संसाधन विभाग, भारत सरकार)
- II^{nd} चरण- 1 अप्रैल 2022-2026
- केन्द्र प्रवर्तित योजना- 75:25
- हर खेत को पानी
- भूमि संसाधन विभाग, भारत सरकार

ग्रामीण आधारभूत संरचना

ग्रामीण सड़कें
- कुल लम्बाई- 19,1547.59 कि.मी. (31 मार्च 2023 तक)

ग्रामीण विद्युतीकरण
- 100%
- मार्च, 2024 तक 43,965 गाँव

विकसित भारत संकल्प यात्रा-
- शुरुआत- 16 दिसम्बर 2023 से 26 जनवरी 2024 तक
  "हमारा संकल्प विकसित भारत" → राष्ट्रीय अभियान
- उद्देश्य - पूरे देश में भारत सरकार की योजनाओं की जागरुकता बढ़ाना,
  (i) वंचितो तक पहुँचना।
  (ii) योजनाओं का प्रचार-प्रसार
  (iii) नागरिकों से सीखना - योजना लाभार्थी का अनुभव जानना।
  (iv) संभावित लाभार्थियों का नामांकन।

• इस योजना के तहत 16 Feb, 2024 को सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में आयोजन किया गया।

• सम्पूर्ण भारत में ➜ राजस्थान Ist राज्य

16 फरवरी, 2024 ➜ "विकसित भारत- विकसित राजस्थान" का लोकार्पण।

• लाभ-
1. चिकित्सा विभाग ➜ स्वास्थ्य जाँच एवं आयुष्मान भारत कार्ड e-KYC
2. गैस कम्पनियाँ ➜ पी.एम. उज्ज्वला योजना
3. राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति
   - ➜ PM सुरक्षा बीमा योजना
   - ➜ जीवन ज्योति बीमा योजना
   - ➜ किसान क्रेडिट कार्ड (KCC)
4. खेल विभाग ➜ माई भारत वॉलंटियर
5. पंचायती राज विभाग ➜ प्रश्नोत्तरी

हर घर तिरंगा-

➤ शुरुआत- 13-15 अगस्त, 2023

➤ नोडल संस्था - पंचायती राज विभाग

Springboard ACADEMY

अध्याय-4 "औद्योगिक विकास"

"उद्योग का संबंध आर्थिक गतिविधि से है, जिसमें कच्चे माल को लोगों के लिए अधिक मूल्य के उत्पादों के रूप में परिवर्तित किया जाता है।"

e.g.- लुगदी कागज → कागज → पुस्तक

राजस्थान में उद्योग-

राजस्थान में उद्योग की स्थिति → अर्थव्यवस्था में योगदान

	स्थिर कीमतो पर	प्रचलित कीमतो पर
उद्योग क्षेत्र GDP	2.33 लाख करोड़	4.03 लाख करोड़
उद्योग क्षेत्र GSVA	29.84%	28.21%
वृद्धि	12.43%	15.06%
CAGR वृद्धि (वर्ष 2011-12 से 2022-23 के बीच वार्षिक वृद्धि	4.57%	9.45%

उद्योग के उपक्षेत्र	प्रचलित कीमतो पर
विनिर्माण	42.27% (सर्वाधिक वृद्धि 19.57%)
निर्माण	35.26%
खनन	11.99%
विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य	10.48%

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) –

- एक निश्चित अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादों की गणना के लिए 'उद्योग उत्पादन सूचकांक' को देखा जाता है।
- आधार वर्ष – २०११-१२
- जारीकर्ता – CSO
- संकलन – मासिक आधार पर
- यह सूचकांक तीन वृहद् समूहों पर आधारित है।

विनिर्माण	खनन	विद्युत
भारांश – 77%	14%	8%

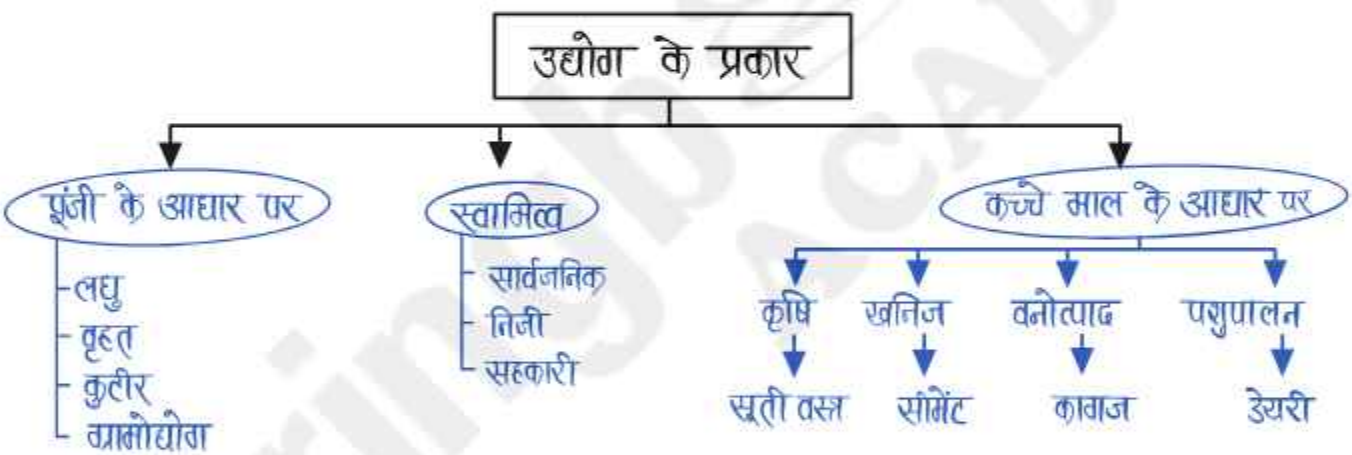

कोर सेक्टर इंडस्ट्रीज –

भारत में 8 Core Industries – इनका कुल भारांश – 40.27%

- आठ प्रमुख क्षेत्र के उद्योग उनके भारांश के घटते क्रम में –

  रिफाइनरी उत्पाद > विद्युत > स्टील > कोयला > क्रूड ऑयल > प्राकृतिक गैस > सीमेंट > उर्वरक

  ↳ वर्ष २०२३-२४ में सामान्य सूचकांक – 153.77 (क्रमिक वृद्धि नहीं)

सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम (MSME)

– नई परिभाषा (1 जुलाई, 2020 से)

	सूक्ष्म	लघु	मध्यम
निवेश	1 करोड़	10 करोड़	50 करोड़
टर्नओवर	5 करोड़	50 करोड़	250 करोड़

MSME के प्रोत्साहन के लिए योजनाएँ

A. MSME उद्यमी रजिस्ट्रेशन हेतु–

- 1 जुलाई 2020 को उद्यम पंजीकरण पोर्टल
  - ↳ https:// udyamregistration.gov.in

B. मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना –

- ↳ 13 दिसम्बर, 2019
- ↳ उद्देश्य
  - उद्यम
    - स्थापित
    - विविधिकरण
    - विस्तार
    - आधुनिकिकरण

    → 10 करोड़ ₹ तक का ऋण

ऋण	अनुदान
25 लाख ₹	8% ब्याज पर
5 करोड़ ₹	6% ब्याज पर
10 करोड़ ₹	5% ब्याज पर

(C) MSME (फैसिलिटेशन ऑफ एस्टेबलिश एण्ड ऑपरेशन) अधिनियम 2019 –

- ↳ 17 जुलाई 2019 से लागू
- ↳ MSME इकाई को नोडल एजेंसी (BIP) को डिक्लेरेशन ऑफ इन्टेंट प्रस्तुत करने पर 'पावती प्रमाण पत्र' जारी किया जाता है।
  - ↳ 5 साल तक राज्य के सभी कानूनो के तहत अनुमोदन और निरीक्षण से छूट
- ↳ वेब पोर्टल – राज उद्योग मित्र (https://rajudyogmitra.rajasthan.gov.in)

(D) MSME नीति - 2022

- ↳ 17 सितम्बर, 2022

निर्यात

- राज्य के आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है।

- विशेषताएँ-
  1. रोजगार सृजन
  2. विदेशी मुद्रा अर्जित
  3. बाजार अवसरों का विस्तार
  4. उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार
  5. तकनीकी उन्नयन < मशीनरी / विनिर्माण

- शीर्ष 5 निर्यात वस्तुएँ :-
  1. Engineering Goods
  2. Gems & Jewellery
  3. धातुएँ
  4. कपड़ा
  5. हस्तशिल्प वस्तुएँ

  } इन 5 वस्तुओं का योगदान 65% से अधिक है।

राजस्थान से कुल निर्यात-

- वर्ष 2023-24 - ₹ 83,704.24 Cr.
- सर्वाधिक - Engineering Goods (अभियांत्रिकी वस्तुएँ) - 16,592.51 Cr.

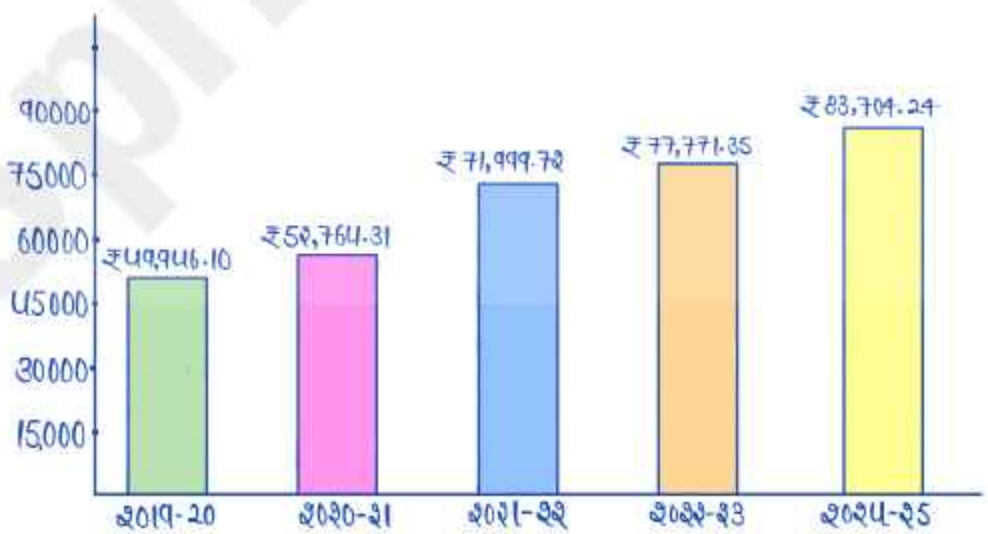

निर्यात बढ़ाने के प्रयास-

A. मिशन निर्यातक बनो –

- प्रारम्भ – 29 जुलाई, 2021
- उद्योग विभाग (राजस्थान सरकार) + RIICO

दूसरा चरण ⟶ 5 दिसम्बर, 2022 → राजस्थान निर्यात संवर्द्धन परिषद् (REPC) द्वारा

B. निर्यात प्रशिक्षण कार्यक्रम

→ प्रोत्साहन
→ प्रक्रिया
→ दस्तावेजीकरण

- वर्ष 2012 से
- वर्तमान में REPC द्वारा संचालित
- उद्देश्य- बिचौलिये की भूमिका समाप्त करना।

REPC की स्थापना
↓
8 Nov. 2019 को
• निर्यात समस्या निवारण हेतु

(C) राज्य स्तरीय निर्यात पुरस्कार योजना –

- 2019 से
- अधिकतम 33 पुरस्कार (17 सितम्बर = MSME दिवस पर)

↓ 32 पुरस्कार (15 श्रेणियों में)
↓ 1- लाइफटाइम एक्सपोर्ट रत्न अवॉर्ड

(D) अन्तरराष्ट्रीय विदेशी व्यापार मेलों में भाग लेने पर सहायता योजना –

- शुरूआत - 2012-13
- विस्तारित- मार्च, 2025 तक
- क्रियान्वन – REPC
- विदेशों में मेले आयोजन पर भाग लेने हेतु

↓ भूमि किराये पर 50% तक पुनर्भरण (अधिकतम 1 लाख ₹)
↓ राज्य प्रतिनिधिमण्डल को 10 लाख ₹ का आवंटन

Singh ACADEMY

E. एक जिला - एक उत्पाद -

- उद्देश्य - प्रत्येक जिले में निर्यात क्षमता वाले उत्पाद और सेवाओं की पहचान करना एवं उन्हे बढ़ावा देना ।
- सभी जिलों में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन समितियों (DEPC) का गठन किया है।

क्र.सं.	जिला	उत्पाद का नाम
1.	अजमेर	ग्रेनाइट एवं मार्बल सलेक्स और टाइल्स और सामग्री
2.	अलवर	ऑटोमोबाइल पार्टस, मिल्क केन
3.	बांसवाड़ा	सिन्थेटिक यार्न, ग्रेनाइट एवं मार्बल सलेक्स और टाइल्स
4.	बारां	सोयाबीन
5.	बाड़मेर	कशीदाकारी, ब्लॉक प्रिंटिंग वस्तुएँ
6.	भरतपुर	शहद, खाद्य तेल
7.	भीलवाड़ा	वस्त्र
8.	बीकानेर	सिरेमिक, बीकानेरी नमकीन, ऊनी कारपेट यार्न
9.	बूँदी	चावल
10.	चितौड़गढ़	ग्रेनाइट/मार्बल
11.	चुरू	वूड प्रोडक्ट्स
12.	दौसा	पत्थर उत्पाद/ दरी-तालीचा
13.	धौलपुर	मिल्क पाउडर - स्कीम्ड स्टोन टाइल्स- स्लेब
14.	डूंगरपुर	ग्रेनाइट/मार्बल - स्लेब
15.	श्रीगंगानगर	किन्नू
16.	हनुमानगढ़	चावल, कपास आदि
17.	जयपुर	जैम्स एण्ड ज्वैलरी, गारमेन्ट्स खिलौने एवं अभियांत्रिकी वस्तुएँ
18.	जैसलमेर	यैलो मार्बल स्लेब
19.	जालोर	मौंजडी उद्योग, ग्रेनाइट सलेक्स और टाइल्स
20.	झालावाड़	संतरा

क्र.सं.	जिला	उत्पाद का नाम
28.	करौली	सैंडस्टोन आर्टिकल एण्ड सलेक्स- टाइल्स और सामग्री
29.	कोटा	- कोटा डोरिया
30.	नागौर	हाथ के उपकरण
31.	पाली	मेहन्दी
32.	राजसमन्द	टेराकोटा, ग्रेनाइट एवं मार्बल सलेक्स और टाइल्स
33.	सवाई-माधोपुर	टूरिज्म
34.	सीकर	फर्नीचर - एंटिक
35.	सिरोही	मार्बल-वस्तुएँ
36.	टोंक	स्लेट स्टोन टाइल्स
37.	उदयपुर	ग्रेनाइट/मार्बल सलेक्स और टाइल्स
38.	प्रतापगढ़	लहसुन तथा शेवा कला
39	अनूपगढ़	कॉटन बॉल्स
40	बालोतरा	वस्त्र
41.	ब्यावर	क्वार्टज एवं फेल्सपार पाउडर
42.	डीडवाना-कुचामन	मकराना मार्बल एवं ग्रेनाइट
43.	डीग	पत्थर संबंधी उत्पाद

२१.	झुन्झुनूं	काष्ठ हस्तकला
२२.	जोधपुर	फर्नीचर - हस्तशिल्प उत्पाद
२३.	जयपुर ग्रामीण	ब्लॉक प्रिंटिंग वस्तुएँ एवं कृषि उपकरण
२४.	जोधपुर ग्रामीण	बलुआ पत्थर नक्काशी उत्पाद
२५.	केकड़ी	ग्रेनाइट एवं मार्बल-सलेब्स और टाइल्स
२६.	खैरथल-तिजारा	अभियांत्रिकी उत्पाद (ऑटोमोबाइल पार्ट्स) इत्यादि
२७.	कोटपुतली-बहरोड़	अभियांत्रिकी उत्पाद (ऑटोमोबाइल पार्ट्स) इत्यादि

44.	दूदू	ब्ल्यू पॉटरी
45.	गंगापुर-सिटी	भारतीय मिष्ठान (खीरमोहन आदि)
46.	नीम का थाना	फेल्सपार खनिज और उत्पाद
47.	फलौदी	नमक, सेन्धा/ सोनामुखी उत्पाद
48.	सलुम्बर	मार्बल- सलेब्स और टाइल्स
49.	शाहपुरा	फड़ चित्रकला
50.	सांचौर	मसाले

साझा (कॉमन) उत्पाद -

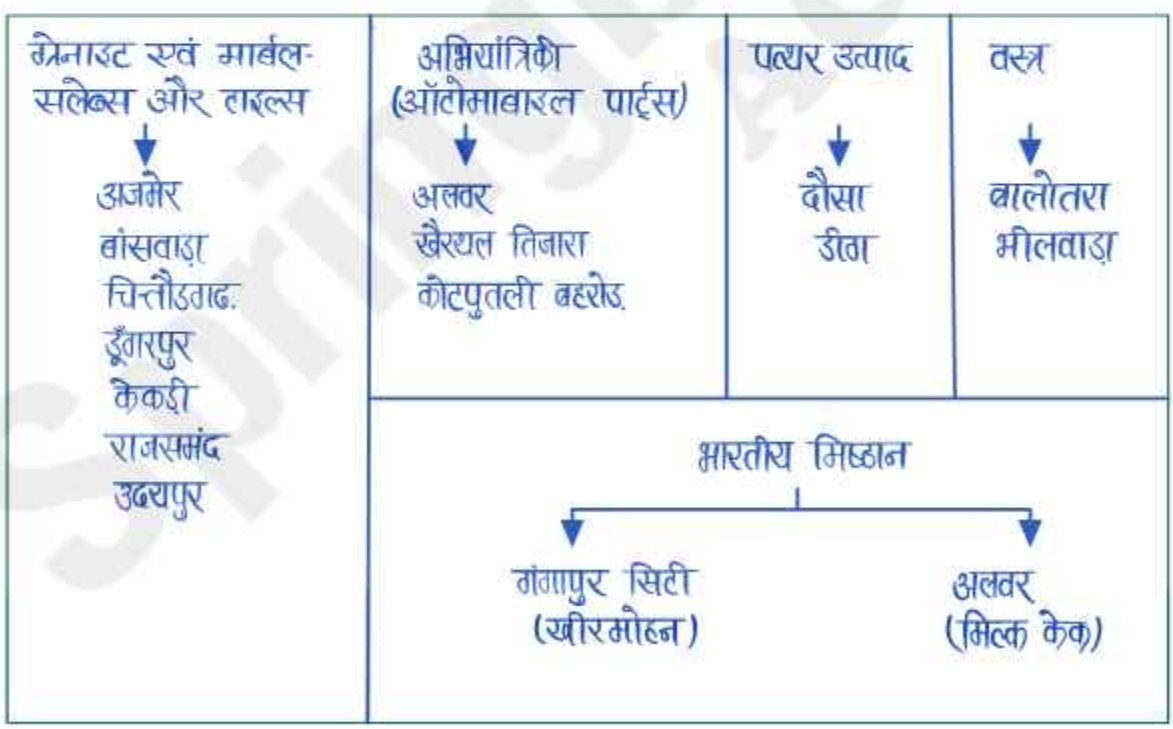

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग

- उद्योग विभाग- 1949
- नाम परिवर्तित - उद्योग एवं वाणिज्य विभाग (19 Aug. 2019 को)
- इस नोडल विभाग के नेतृत्व में कई संस्थाओं के माध्यम से राज्य में उद्योग, हस्तशिल्प को मार्गदर्शन सहायता व सुविधाएँ प्रदान की जाती है।

उद्यमियों की सुविधा हेतु स्थापित किए गए है-

1. 36 जिला उद्योग केन्द्र व वाणिज्य केन्द्र, 8 उप केन्द्र
2. MSME निवेशक सुविधा केन्द्र - सभी जिला उद्योग व केन्द्रों में
3. DRM - विवाद एवं निवारण तंत्र
   - ➜ राज्य तंत्र - अध्यक्ष - मुख्य सचिव
   - ➜ जिला स्तर - अध्यक्ष - जिला कलेक्टर
4. MSME Act 2006 के तहत विलम्बित भुगतान निस्तारण हेतु 10 की जगह 14 सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषदों का गठन।

उपलब्धियाँ-

(1.) PM रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP)-

➜ ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अनुदान केन्द्र सरकार द्वारा।

(2) · मुख्यमंत्री लघु वाणिज्यिक वाहन स्वरोजगार योजना -

➜ 11 अक्टूबर, 2022

➜ 18 से 45 वर्ष के आवेदकों हेतु

➜ 15 लाख तक के वाणिज्यिक वाहन की खरीद पर 10% अथवा 60,000 ₹ का अनुदान।

(3) डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना - 2022 -

➜ प्रारम्भ - 8 सितम्बर, 2022 को

➜ उद्देश्य - SC/ST वर्गों को गैर कृषि क्षेत्रों में उद्यम हेतु ऋण पर ब्याज अनुदान।

ऋण राशि	ब्याज अनुदान	
>25 लाख ₹	9%	उद्यम लागत का 25% या 25 लाख ₹ अनुदान राशि देय होगी।
25 लाख - 5 करोड़ ₹	7%	
5 करोड़ - 10 करोड़ ₹	6%	

(4) मुख्यमंत्री युवा उद्यम प्रोत्साहन योजना-

- अधिसूचित- 19 मई 2023
- लागू- 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024
- विस्तारित- 31 जुलाई 2024
- उद्देश्य- नए उद्यम हेतु ऋण पर ब्याज अनुदान
- योग्यता- 18-35 वर्ष, न्यूनतम स्नातक शिक्षित

राशि	ब्याज अनुदान
25 लाख तक	8%
25 लाख - 1 करोड़	6%

(5) औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर-

- जिला व पंचायत समिति स्तर पर औद्योगिक इकाई स्थापित करने की प्रक्रिया की जानकारी देना।

(6) चर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम-

- चमड़े की वस्तुएँ एवं नागरा जूती हेतु।

(7) दस्तकार परिचय पत्र-

- जिला उद्योग व वाणिज्य केन्द्रों द्वारा हस्तकला से जुड़े 18 वर्ष से अधिक आयु के कारीगरों को पहचान पत्र।

8. राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS)-

2003 → 2010 → 2014 → 2019 → 2022 → 7 अक्टूबर, 2022

उद्देश्य (Mains)

- विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों का 15% की वार्षिक वृद्धि दर से विकास ।
- वर्ष 2021 तक 10 लाख व्यक्तियों के लिए रोजगार का सृजन ।
- सन्तुलित और समावेशी क्षेत्रीय विकास ।
- हरित हाइड्रोजन, वैकल्पिक ऊर्जा, चिकित्सा उपकरण आदि को प्रोत्साहन ।
- पर्यावरण संरक्षण प्रयासो को प्रोत्साहित करना ।

प्रावधान (Mains) -

- 50 करोड़ से अधिक निवेश पर प्रोत्साहन पैकेज ।
- प्राथमिक 8 श्रेणियों के लिए कस्टमाइज्ड परिलाभ ।
- ब्याज अनुदान ।
- छूट - भूमि कर में 7 वर्षों के लिए शत प्रतिशत छूट ।
  - स्टाम्प ड्यूटी में 75% एवं 25% राशि का पुनर्भरण ।
  - रूपान्तरण शुल्क में शत प्रतिशत छूट
  - 7 वर्षों तक SGST का 75% पुनर्भरण ।

→ कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) -

- उद्देश्य- सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देना ।
- कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा – 135
- कुल सम्पति – 500 करोड ₹ या अधिक
  या टर्नओवर – 1000 करोड ₹ या अधिक
  या शुद्ध लाभ – 5 करोड ₹ या अधिक
  } इन कम्पनियो पर लागू
- विगत 3 वर्षों के शुद्ध लाभ का औसत 2% अनुसूची VII में वर्णित गतिविधियो पर व्यय किये जाने का प्रावधान है।
- CSR प्राधिकरण – 5 NOV. 2019 को गठन

व्यवसाय सरलीकरण (ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस)

- नोडल विभाग- उद्योग एवं वाणिज्य विभाग
- राज्य सरकार द्वारा उद्योगों एवं व्यवसायों की स्थापना व निरन्तरता के लिए नियामक प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए निरन्तर प्रयास किए गए है।

Smart Board ACADEMY

जैसे- समय समय पर औद्योगिक नीति निर्माण।

राजस्थान औद्योगिक विकास नीति - 2019

प्रथम नीति	2nd	3rd	4th	5th	6th	7th
24 जून 1978	1990	1994	1998	2010	2015	1 July 2019 को लागू

संस्थाएँ-

निवेश संवर्धन ब्यूरो (B.I.P) -

- 1991 में स्थापना
- बड़े निवेश प्रस्तावों की सुविधा हेतु
- BIP निम्न के सचिवालय के रूप में कार्य करता है-
  - बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट (अध्यक्ष- CM)
  - स्टेट एम्पावर्ड कमेटी (अध्यक्ष- मुख्य सचिव) (10 करोड़ से अधिक निवेश)

(i) सिंगल विंडो क्लीयरेंस :- 16 विभागो की 135 सेवाएँ

• उद्देश्य- समयबद्ध
- लाइसेंस
- अनुमोदन
- अनुमति

(ii) वन स्टॉप शॉप प्रणाली :-

- इसी के तहत "बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेन्ट" (अध्यक्ष - मुख्यमंत्री) की स्थापना।
- क्लीयरेंस प्रदान करने के लिए 'राज निवेश' ऑनलाइन पोर्टल।

(iii) इनवेस्ट राजस्थान समिट :-

- आयोजन- 7-8 अक्टूबर 2022 को JECC सीतापुरा, जयपुर
- 6 गणमान्य व्यक्तियों को राजस्थान रत्न पुरस्कार से सम्मानित।

Springboard Academy

(iv) इन्वेस्टर कनेक्ट प्रोग्राम-

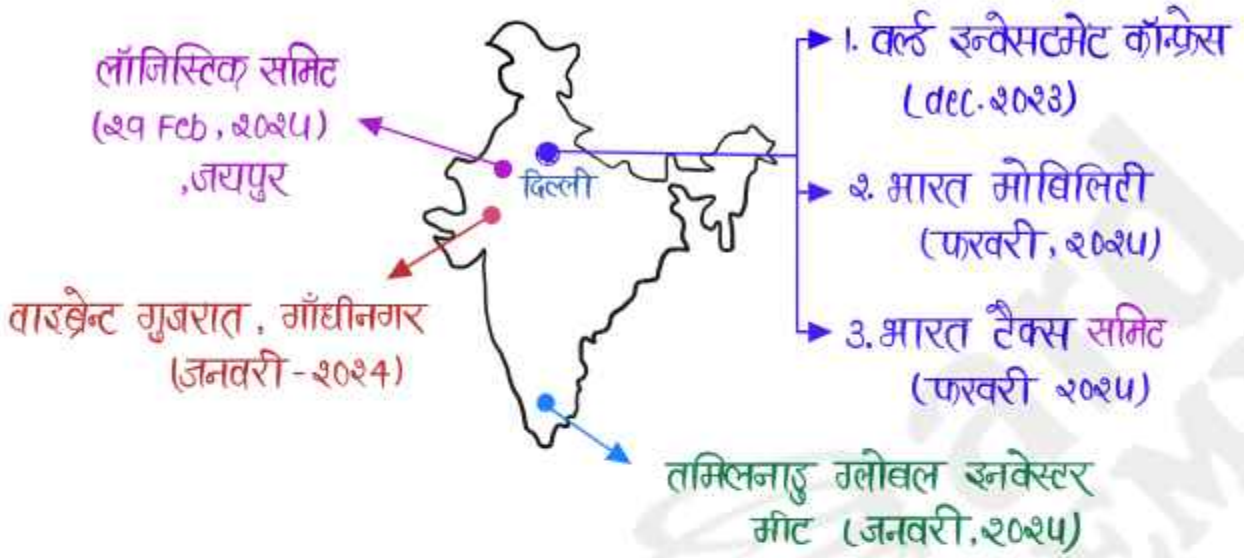

(2) RIICO :- (राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड)

- 1980 में स्थापना
- राज्य के औद्योगिक विकास को गति देने वाली शीर्ष संस्था है।

उद्देश्य

वित्तीय सहायता	तकनीकी/प्रबंधकीय सहायता	आधारभूत विकास
लघु, मध्यम व वृहद उद्योगों को रियायते व प्रोत्साहन		वर्ष 2023-24 में 10 नये औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना

केन्द्र प्रवर्तित योजनाएँ-

1. माइक्रो स्मॉल एन्टरप्राईजेज - कलस्टर डवलपमेंट प्रोग्राम योजनाएँ (MSE-CDP) -
   - ग्रामीण व अविकसित क्षेत्रों में लघु उद्योगों के विकास के लिए एकीकृत संरचना प्रदान करना।
2. विशेष सहायता पूंजी -
   - भारत सरकार द्वारा RIICO, भिवाड़ी के औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली के उन्नयन हेतु सहायता।

रीको के विकास कार्य-

1. विशेष पार्क & जोन-

2. एग्रो फूड पार्क- (4)

3. अग्निशमन केन्द्र - 5

तिवरी (जोधपुर) में "कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र"

(4). विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) -

(i) जेम्स एण्ड ज्वैलरी सीतापुरा, जयपुर

(ii) महिन्द्रा वर्ल्ड सिटी (जयपुर)

↳ संयुक्त उद्यम - रीको + महिन्द्रा ग्रुप

(5) जेम्स बोर्स-

जेम्स एंड ज्वैलरी को प्रोत्साहन देने के लिए सीतापुरा, जयपुर में स्थापना।

(6) इंडिया स्टोन मार्ट - २०२४

↳ अन्तर्राष्ट्रीय पत्थर उद्योग प्रदर्शनी।

↳ 1-4 फरवरी २०२४ तक (१२ वां संस्करण)

↳ जयपुर एक्जीबिशन एवं कन्वेंशन सेंटर, सीतापुरा

↳ आयोजन – CDOS (सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ स्टॉनस्) और FICCI के द्वारा

③ RAJSICO (राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड) –

↳ जून, 1961, मुख्यालय - जयपुर

उद्देश्य →
- हस्तशिल्प उत्थान एवं बढ़ावा
- तकनीकी सुविधा
- लघु उद्योगों को ऋण
- विपणन सहायता

कार्य – A. शुष्क बन्दरगाह (इनलैण्ड कंटेनर डिपो) → जयपुर, जोधपुर } आयात-निर्यात सुविधा
भीलवाड़ा

B. राजस्थली विक्रय केन्द्र – जयपुर, उदयपुर, दिल्ली, कोलकाता

C. एयर कार्गो कॉम्पलेक्स – सांगानेर (जयपुर)

D. PM गति शक्ति के तहत बासनी (जोधपुर) से सालावास (जोधपुर) तक विस्तारीकरण।

↓

मानसरोवर (जयपुर) में – एयर कार्गो कॉम्पलेक्स का निर्माण

↓

(भारत सरकार की ट्रेड इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज स्कीम के तहत)

(4) राजस्थान वित्त निगम (RFC) –

↳ स्थापना – 1955

↳ उद्देश्य- MSME इकाईयों को वित्तीय सहायता (२० करोड़ ₹) प्रदान।

↳ कार्य- निगम द्वारा उद्यम आवश्यकता अनुसार ऋण वितरण

योजनाएँ- • सरल योजना
• स्विच ओवर ऋण योजना

↳ गुड बॉरोअर्स ऋण योजनाएँ

- गोल्ड कार्ड ऋण योजना
- प्लेटिनम कार्ड ऋण योजना
- फ्लैक्सी ऋण योजना

युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना-

- 2013-14 में प्रारम्भ
- 45 वर्ष तक के युवा को लाभ
- 1.5 करोड़ ₹ तक की ऋण सीमा पर 6 % ब्याज अनुदान

→ दिल्ली मुम्बई - इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर -

☞ वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडॉर-

- 1504 कि.मी.
- दादरी (U.P) से JLN पोर्ट (मुम्बई)
- 38% राजस्थान से गुजरता है (कुल 6 राज्य व U.T से)
- सहायता - जापान

☞ दिल्ली मुम्बई - इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर - इसके दोनों तरफ 150 कि.मी की पट्टी को DMIC के रूप में विकसित किया जायेगा, जिसमें राजस्थान में-

निवेश क्षेत्र

(i) अजमेर - किशनगढ़
(ii) खुशखेड़ा - भिवाड़ी - नीमराना

28 Dec. 2020 को 'विशेष निवेश क्षेत्र' के रूप मे अधिसूचित

औद्योगिक क्षेत्र

(i) जयपुर - दौसा औद्योगिक क्षेत्र
(ii) राजसमंद - भीलवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र
(iii) जोधपुर - पाली - मारवाड़ (RIICO की जिम्मेदारी)

12 Oct. 2020 को 'विशेष निवेश क्षेत्र' के रूप मे अधिसूचित

राजस्थान मे DMIC का प्रथम चरण-

(a) खुशखेड़ा - भिवाड़ी - नीमराना (165 कि.मी.²)

(b) जोधपुर - पाली - मारवाड़ (154 कि.मी.²)

इनके विकास हेतु एक संयुक्त "स्पेशल पर्पज व्हीकल कंपनी" - राजस्थान इंडस्ट्रीयल डवलपमेंट कॉरपोरेशन (RIDCO) की स्थापना - 15 मार्च, 2022

राजस्थान विशेष निवेश क्षेत्र अधिनियम - 2016

अधिसूचित - (22 अप्रैल 2016)

- उद्देश्य- राज्य भर एवं DMIC क्षेत्र में नियोजित एवं व्यवस्थित विकास।
- गठन → राजस्थान विशेष निवेश क्षेत्र बोर्ड
  → भिवाड़ी एकीकृत विकास प्राधिकरण - 22 Feb.2018
- घोषित → भिवाड़ी इंटीग्रेटेड टाउनशिप (BIT) - अलवर जिले की 5 तहसील - 363 गाँव
  - बहरोड़
  - मुण्डावर
  - नीमराणा
  - तिजारा
  - कोटकासिम

खादी एवं ग्रामोद्योग

- महत्व
- चुनौतियाँ
- विकास
  - संगठन
  - योजना

महत्व-

- कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ती।
- कम लागत ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार
- असंगठित क्षेत्र के कारीगरों को रोजगार।
- आत्म निर्भरता की भावना जागृत करना।
- कृषि पर रोजगार निर्भरता को कम करना।
- स्थानीय स्तर पर साधनों का प्रयोग।
- निर्यात को प्रोत्साहन व आयात पर निर्भरता को कम करना।

चुनौतियाँ-

खादी एवं ग्रामोद्योग के विकास हेतु संगठन एवं योजनाएँ-

(1) खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड-

- स्थापना- 1955 (खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड अधिनियम- 1955 के तहत)
- संरचना - अध्यक्ष + 12 सदस्य
- उद्देश्य →
  - रोजगार सृजन - असंगठित क्षेत्र में
  - उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादन
  - प्रशिक्षण
  - ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करना।

(A). 3 प्रशिक्षण केन्द्र — (i) पुष्कर, अजमेर
(ii) मानसरोवर संकुल, जयपुर
(iii) माउंट आबू (सिरोही)

(B) व्यावसायिक केन्द्र -
(i) ग्राम्य खादी हैण्डीक्राफ्ट एम्पोरियम, जयपुर
(ii) ऊन अनुभाग, बाड़मेर
(iii) ऊन उत्पति केन्द्र, बीकानेर

(C) खादी लॉउज — खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित केन्द्र (शोरूम), जयपुर

(D) प्रधानमंत्री ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम -
↳ भारत सरकार के अन्तर्गत खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित

Springboard ACADEMY

(६) बजट २०२२-२३ की घोषणा अनुसार बुनकरो हेतु कोटा, जोधपुर, भरतपुर एवं बीकानेर संभाग में प्रशिक्षण केन्द्र प्रारम्भ किए जाने हैं।

राजस्थान एकीकृत कलस्टर विकास योजना

- दौसा एवं टोंक → चमड़े के उत्पाद
- बीकानेर / चुरू → बंधेज
- बाड़मेर → कशीदाकारी
- ब्लू पॉटरी हेतु जयपुर में Centre of excellence
- अलवर एवं पुष्कर (अजमेर) में ग्रामीण हाट की स्थापना

खादी विकास बोर्ड + BSF → जैसलमेर → मरुस्थलीकरण एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था हेतु कार्यक्रम

बजट २०२५-२६

(i) माटीकला (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस)

- प्रस्तावित
- लागत - 5 करोड़

(ii) कलाकारों को उपलब्ध करवाए जायेंगे-

- मिट्टी गूंथने की मशीने
- 1000 इलेक्ट्रिक व्हीकल

Springboard ACADEMY

राजस्थान में खनन क्षेत्र

राज्य में खनिज संसाधन

- भण्डारण- 81 प्रकार
- खनन- 58 प्रकार

राजस्थान

एकमात्र उत्पादक	लगभग पूरा उत्पादन	प्रमुख उत्पादक	अग्रणी
• सीसा एवं जस्ता अयस्क • सेलेनाइट • वॉलेस्टोनाइट	• चांदी • कैल्साइट • जिप्सम	• बॉल क्ले • फॉस्फोराइट • ओकर (गेरू • स्टेटाइट • फेल्सपार • फायर क्ले	सीमेन्ट ग्रेड एवं स्टील ग्रेड लाइमस्टोन में

राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड (RSMML) –

- स्थापना – 30 अक्टूबर 1974 को
- राज्य का सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम
- उद्देश्य- खनिज सम्पदा का आधुनिक तकनीकी से दोहन
- कार्य- औद्योगिक खनिजों का खनन व विपणन।
- कंपनी की मुख्य गतिविधियों को चार भागो में बांटा गया है जिसे स्ट्रेटजिक बिजनेस यूनिट एवं प्रोफिट सैन्टर (SBU & PC) कहा जाता हैं।

1. SBU & PC – रॉक फॉस्फेट – झामरकोटड़ा, उदयपुर
2. SBU & PC – जिप्सम – बीकानेर
3. SBU & PC – लिग्नाइट – जयपुर
4. SBU & PC – लाइमस्टोन – जोधपुर

राजस्थान राज्य खनिज अन्वेषण न्यास, जयपुर –

- Sep 2020
- कार्य- खान एवं भू-विज्ञान विभाग को तकनीकी परामर्श देना।

डिस्ट्रिकट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) –

- गैर लाभकारी निकाय के रूप में स्थापित ट्रस्ट
- कार्य – खनन प्रभावित क्षेत्रों व लोगों के हितों की रक्षा।
- अधिसूचना - २016
- स्थापना - प्रत्येक जिले में DMFT (31 मई 2016) → राज्य में 33 DMFT

राजस्थान सिलकोसिस नीति –

↳ 3 अक्टूबर, 2019

एम सेण्ड नीति - २०२० –

↳ 25 जनवरी, २०२१

↳ एम सैंड इकाई को उद्योग का दर्जा

तेल एवं प्राकृतिक गैस

↳ अमेरिका एवं चीन के बाद भारत विश्व में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

↳ देश में विश्व का लगभग 5.3 % कच्चा तेल खपत होता है।

↳ भारत – कच्चा तेल → स्वयं उत्पादित = 12.6 %; → आयात = 87.4 %

↳ राजस्थान भारत के कच्चे तेल के कुल उत्पादन (२९.36 मिलियन मैट्रिक टन प्रति वर्ष / MMTPA का लगभग 14.95 % (4.39 MMTPA) उत्पादित करता है।

↳ राज्य में पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र → 4 पेट्रोलीफेरस बेसिन ↓ विस्तृत = 15 जिले → लगभग (1.50 लाख वर्ग किमी

1. बाड़मेर – सांचौर बेसिन → बाड़मेर एवं सांचौर, जालोर जिला
2. जैसलमेर बेसिन → जैसलमेर जिला
3. बीकानेर - नागौर बेसिन → बीकानेर, नागौर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं चूरू जिले।
4. विन्ध्यन बेसिन → कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़ जिले एवं भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ जिले का कुछ भाग

↳ वित्तीय वर्ष २०२३-२४ के दौरान राज्य को 3425 करोड़ ₹ के राजस्व की प्राप्ति हुई।

राजस्थान रिफाइनरी परियोजना, बाड़मेर

- परियोजना = सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्पलैक्स रिफाइनरी
- शुभारम्भ = 16 जनवरी 2018 (पचपदरा, जिला बालोतरा)
- क्षमता = 9 मिलियन टन वार्षिक
- संयुक्त उद्यम = हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन : राजस्थान सरकार
  74% (17,991 करोड़ रु) : 26% (632 करोड़ रु)

• H.R.R.L. (HPCL Rajasthan Refinery Limited)

- यह 2:1 के ऋण इक्विटी अनुपात पर वित्त पोषित है।
- परियोजना की लागत 72,937 करोड़ रु है।
- देश की प्रथम रिफाइनरी
- यह रिफाइनरी BS-6 मानक के उत्पादों का उत्पादन करेगी अर्थात् जिसमें रिफाइनरी पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स का सम्मिश्रण है।

कच्चा तेल एवं प्राकृतिक गैस

दोहन क्षेत्र	कम्पनी
1. बाड़मेर – सांचोर बेसिन ↓ 16 क्षेत्र * मंगला (29 Aug. 2009) भाग्यम, ऐश्वर्या, सरस्वती, रागेश्वरी, कामेश्वरी	कैर्यन इण्डिया
2. जैसलमेर बेसिन ↓ • बाघेवाला क्षेत्र	वेदांता, ONGC
• घोटारू क्षेत्र (केवल प्राकृतिक गैस) (पुनः प्रारम्भ)	ONGC

NOTE– जैसलमेर बेसिन में दो नए ब्लॉक तेल व गैस अन्वेषण हेतु आवंटित।

कारखाना एवं बायलर्स विभाग–

उद्देश्य
- औद्योगिक दुर्घटना रोकना
- सुरक्षा के प्रति श्रमिकों में जागरुकता
- कारखानों में सुरक्षित एवं स्वास्थ्य वातावरण - औद्योगिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला

श्रम

उद्देश्य
- उच्च औद्योगिक उत्पाद उत्पादन
- समय पर वेतन भत्तों का भुगतान
- श्रम व रोजगार नियमों का प्रवर्तन

↳ न्यूनतम मजदूरी (1 जुलाई 2021 से) → अकुशल - 259 ₹
(अधिसूचित- 24 जून 2022)
- अर्द्धकुशल - 271 ₹
- कुशल - 283 ₹
- उच्च कुशल - 333 ₹

निर्माण श्रमिकों से संबंधित योजनाएँ

संचालन → भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण मण्डल

स्वयं

1. सामान्य एवं दुर्घटना मे मृत्यु / घायल सहायता योजना–

- सामान्य मृत्यु - 2 लाख ₹
- दुर्घटना से मृत्यु - 5 लाख ₹
- पूर्ण स्थायी विकलांगता - 3 लाख ₹
- आंशिक स्थायी विकलांगता - 1 लाख ₹
- घायल होने पर - 5000-20,000 ₹

बच्चों के लिए

1. शिक्षा व कौशल विकास योजना-

कक्षा-6 से उच्चतर अध्ययन हेतु

छात्रवृत्ति - 8000-25,000 ₹ तक

प्रोत्साहन राशि - 4000-35,000 ₹

2. IIT और IIM में प्रवेश पर ट्यूशन फीस पुनर्भरण योजना

↳ कुल ट्यूशन फीस का पुनर्भरण

२. औजार / टूलकिट सहायता योजना-

- औजार / टूलकिट की खरीद पर २००० ₹ या वास्तविक लागत (जो भी कम)

३. सुलभ आवास योजना-

- स्वयं का आवास निर्माण एवं घर क्रय हेतु - 1.50 लाख ₹ का अनुदान

4. जीवन व भविष्य सुरक्षा योजना-

- हितधारी द्वारा जमा करवाए गए अंशदान पर 50-100% तक बोर्ड द्वारा सहायता

5. व्यवसायिक ऋण पर ब्याज पुनर्भरण योजना-

5 लाख ₹ तक के व्यवसायीकरण पर।

6. विदेश में रोजगार हेतु किए गए वीजा व्यय की प्रतिपूर्ति-

5,000 ₹ तक की राशि का पुनर्भरण

7. सिलिकोसिस पीड़ित हेतु -

- पीड़ित होने पर → 3 लाख ₹
- मृत्यु पर → २ लाख ₹ (आश्रित को)

3. IAS/RAS प्रारंभिक परीक्षा पास करने पर-

- IAS= 1 लाख ₹
- RAS= 50,000 ₹ की सहायता

4. अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं हेतु प्रोत्साहित करने की योजना-

प्रतियोगिता में भाग	कांस्य पदक	रजत पदक	स्वर्ण पदक
२ लाख ₹	5 लाख ₹	8 लाख ₹	11 लाख ₹

शुभ शक्ति योजना -

↳ पंजीकृत हितधारकों की वयस्क अविवाहित पुत्रियों को आत्मनिर्भरता के द्वारा सशक्तिकरण हेतु 55,000 ₹ की प्रोत्साहन राशि।

अन्य योजनाएँ-

प्रसूति सहायता योजना - श्रमिक दंपति के लड़के के जन्म पर २०,००० ₹ तथा लड़की के जन्म पर २१,००० ₹

प्रसूति + टीकाकरण + 5 वर्ष आयु + स्कूल में प्रवेश → २०,०००/२१,०००

- प्रसूति: 5000 ₹
- टीकाकरण: 5000 ₹
- 5 वर्ष आयु + स्कूल में प्रवेश: 10000/11,000 (पुत्र/पुत्री)

ई-श्रम पोर्टल –

- 26 अगस्त 2021 को लॉन्च
- असंगठित श्रमिकों का राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए विकसित किया गया है।
- आयु 16-59 वर्ष के मध्य
- आयकर दाता नहीं
- EPFO / ESIC / NPS का सदस्य नहीं।

रोजगार विभाग

रोजगार तलाश वालों को तथा रोजगार नियोजकों को क्रमशः रोजगार व कार्यबल प्राप्त करने में सहायता करना।

कार्य-
- बेरोजगारों का पंजीयन
- रोजगार सहायता शिविरों का आयोजन
- रिक्तियों, छात्रवृत्ति अन्य की जानकारी प्रसारित करना।
- रोजगार निदेशालय द्वारा समाचार पत्र पाक्षिक (माह में दो बार)
  - "राजस्थान रोजगार संदेश"

1. मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजना-

- 1 फरवरी 2019 से प्रारम्भ
- राज्य के युवाओं की सहायता व रोजगार क्षमता वृद्धि के लिए।
- Revised – 1 जनवरी 2022

- अधिकतम २ वर्ष तक
- न्यूनतम ३ माह का कौशल प्रशिक्षण एवं प्रतिदिन 4 घंटे की इंटर्नशिप अनिवार्य ।
- योग्यता
  - स्नातक बेरोजगार
  - कम से कम तीन माह कौशल प्रशिक्षण
  - प्रतिदिन 4 घन्टे राजकीय विभागों में इन्टर्नशिप

मॉडल कॅरियर सेंटर-

- 16 जिलों में सूचना प्रौद्योगिकी से सक्षम रोजगार कार्यालय प्रारम्भ किए

राज कौशल पोर्टल :-

- 5 जून २०२० को शुरू
- प्रवासी श्रमिकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना ।

RSLDC-

- उद्देश्य-
  - राज्य में कौशल और उद्यमिता विकास की योजनाओं का क्रियान्वयन
  - आजीविका वृद्धि

(A) राजस्थान मिशन ऑन लाइवलिहुड (RMOL) -

- 17 Aug. २०10 को गैर लाभकारी कंपनी के रूप में शुरुआत की गई।
- उद्देश्य- आजीविका वृद्धि
- भारत का पहला राज्य → आजीविका मिशन शुरू करने वाला।

  परिवर्तित → RMOL को राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) (मई, २०१२) के रूप में।

(B) RSLDC द्वारा संचालित कार्यक्रम -

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना (अम्ब्रेला स्कीम)

(राज्य प्रायोजित योजनाएँ)

(i) रोजगार आधारित जन कौशल विकास कार्यक्रम (राजक्विक) -

(ii) स्वरोजगार आधारित कौशल शिक्षा महाअभियान (सक्षम) -

(iii) समर्थ :-

↳ उद्देश्य – बेरोजगार युवाओं को रोजगारोन्मुख कौशल प्रशिक्षण

मॉडल → रिक्रूट - ट्रेन - डिप्लॉय
(भर्ती - प्रशिक्षण - नियोजन)

↳ उद्देश्य - युवाओं एवं महिलाओं को उपयुक्त प्रशिक्षण

- स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर

↳ उद्देश्य - प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना।

- हाशिये पर मौजूद समुदायों/वर्गों, भिक्षावृति में लिप्त, कच्ची बस्तियो के निवासी, दलितों, आदिवासियो, नारी-निकेतन, बालगृह के निवासियों कारागार बन्दियों को

मुख्यमंत्री युवा कौशल योजना (MMYKY) -

- 7 नवम्बर 2019 को शुरू
- उद्देश्य – शैक्षणिक महाविद्यालयों में कौशल विकास को एकीकृत करना।
  - कॉलेजो में छात्रों को सॉफ्ट स्किल और कौशल आधारित रोजगार प्रदान करना।
  - प्रशिक्षण के बाद मजदूरी या स्वरोजगार के अवसरो को बढ़ाना।
- संचालन – RSLDC + कॉलेज शिक्षा विभाग
- पाठ्यक्रम
  - सॉफ्ट स्किल/लाईफ स्किल
  - 45 विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
  - अधिकतम अवधि - 350 घन्टे
  - 90 घन्टे सॉफ्ट स्किल

RSLDC द्वारा क्रियान्वित केन्द्र पोषित योजनाएँ-

I. दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (DDU-GKY) -

- यह ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार का कौशल प्रशिक्षण एवं नियोजन कार्यक्रम है।
- इसके तहत ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाता है।
- भारत के प्रथम कौशल विकास केन्द्र के रूप में 16 अगस्त 2014 को उदयपुर में किया गया।
- लाइफ MNREGA को भी इसी योजना में समाहित किया गया है।

२. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना २.० (PMKVY) –

- भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।
- वित्तीय वर्ष २०२०-२१ के लिए PMKVY ३.० लॉन्च की गई है।

संकल्प (SANKALP – Skill Acquisition and Knowledge Awareness for Livelihood promotion)

- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा
- उद्देश्य – राष्ट्रीय एवं राज्य दोनों ही स्तरों पर संस्थागत तंत्र को मजबूत करना।
  – गुणवत्ता युक्त-प्रशिक्षकों एवं मूल्यांकनकर्ताओं का पूल बनाना।
- संकल्प परियोजना के अन्तर्गत उपलब्ध करवाया गया अनुदान RSLDC को जिला स्तर पर संस्थागत तंत्र को मजबूत करने में सक्षम बनाएगा।
- यह कार्यक्रम कौशल विकास पहलों की गुणवत्ता एवं बाजार प्रासंगिकता में सुधार करेगा तथा कौशल विकास कार्यक्रमों में महिलाओं, SC/ST, दिव्यांग प्रतिभागियो व समाज के अन्य वंचित समूहों की भागीदारी में भी वृद्धि करेगा।

प्रवासन सहायता केन्द्र :-

- संकल्प प्रोजेक्ट द्वारा प्रशिक्षित युवाओ को गृह नगर से बाहर नौकरी बनाए रखने हेतु 90 दिनों के लिए निःशुल्क आवासीय सुविधा
- 5 प्रवासन सहायता केन्द्र की स्थापना

विशेष योजनाएँ–

१. भिक्षुक अभिविन्यास एवं पुनर्वास (भोर) कार्यक्रम - भिक्षुक मुक्त शहर :-

- समन्वय – RSLDC + पुलिस आयुक्तालय, जयपुर
- भिक्षुकों प्रशिक्षण → पुनर्वास
  → रोजगार / स्वरोजगार

२. आई एम शक्ति (I M Shakti) - (Indira Mahila Shakti)-

- RSLDC + आयुक्त महिला अधिकारिता निदेशालय
- वर्ष २०२०-२१
- "इन्दिरा महिला शक्ति - कौशल समृद्धि योजना (I M शक्ति)"
- उद्देश्य - महिलाओं एवं बालिकाओं का कौशल विकास

वर्ल्डस्किल्स इंटरनेशनल चैम्पियनशिप -

- हर दो साल में एक बार
- कार्यस्थल कौशल को बढ़ावा देने के लिए
- चार्मी सेन ने फिनलैंड में एवं जयकिशन सुथार ने स्विट्जरलैण्ड में भाग लिया।

अभिसरण पहल-

नोडल एजेंसी - RSLDC

कार्य- • राज्य के विभिन्न विभागों की सभी कौशल योजनाओं का अभिसरण।
- 10 विभागों का समन्वय
- मार्च २०२५ तक ४२००० युवा प्रशिक्षित

कौशल पूर्ण राजस्थान हेतु नवाचार-

CSR पार्टनरशिप → RSLDC द्वारा एक समर्पित CSR सैल का गठन।

स्किल्ड-ट्रेन-डिप्लॉय (RTD)

पर्यटन प्रशिक्षण के लिए उत्कृष्टता केन्द्र - उदयपुर
(ITEES सिंगापुर की सहायता से)

तृतीय पक्ष मूल्यांकन एवं प्रमाणन-
प्रशिक्षण का निष्पक्ष मूल्यांकन अन्य संस्था द्वारा।

ऑवरसीज प्लेसमेंट ब्यूरो एवं राजस्थान प्रवासी श्रमिक कल्याण प्रकोष्ठ : ↳ विदेश में नौकरी हेतु।

प्रस्थान पूर्व दिशा-निर्देश प्रशिक्षण कार्यक्रम (P.D.O.T)-

RSLDC ➜ जयपुर, सीकर, नागौर मे PDOT केन्द्रों की स्थापना।

जेल कैदियों, किशोरो एवं दिव्यांगजनों हेतु प्रशिक्षण-

➜ (i) जयपुर केन्द्रीय कारागृह
(ii) भीलवाड़ा जेल बालिका सुधार गृह

विश्व युवा कौशल दिवस- 15 जुलाई (पुरस्कार वितरण)

स्किल आईकन ऑफ दी मंथ- एक प्रमाण पत्र + 11,000 ₹ नकद + ट्राफी

जिला स्तरीय कौशल एवं आजीविका विकास (DLSDC)-

➜ जिला कलेक्टर की अध्यक्षता

बजट २०२५-२५

1. Investor Summit के साथ ही 'Non-Resident Rajasthani Conclave' का आयोजन (घोषणा)
2. विश्व के प्रमुख शहरों में Rajasthan foundation की स्थापना (घोषणा)
3. बालोतरा में 'Rajasthan Petro Zone (पचपदरा रिफाइनरी के अवशिष्ट पदार्थों को Reuse बनाने के लिए)

Springboard ACADEMY

अध्याय-5 "आधारभूत संरचना का विकास"

"किसी समाज या उद्योग के सुचारू रूप से काम करने के लिए जरूरी मूलभूत भौतिक व संगठनात्मक संरचना।"

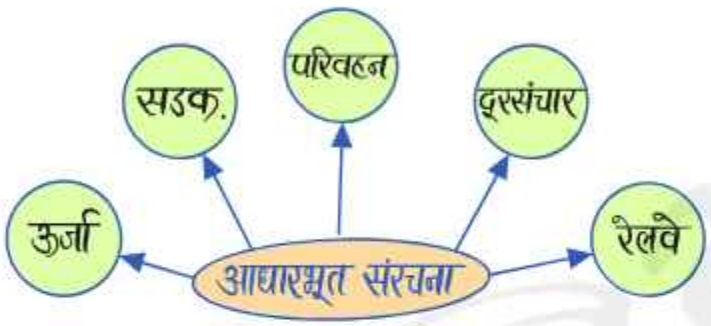

ऊर्जा क्षमता–

↳ अधिष्ठापित क्षमता – २५७८३.१५ मेगावाट, (मार्च २०२५ तक)

↳ सर्वाधिक क्षमता– तापीय ऊर्जा

ऊर्जा प्रसारण–

राज्य में कुल ई·एच·वी· प्रसारण नेटवर्क– ५५२३२ सर्किट Km

मार्च २०१७	मार्च, २०२५	वृद्धि
३६,०७९ सर्किट Km	५५२३२ सर्किट Km	३२.६०%

ऊर्जा की उपलब्धता–

मार्च २०१७	मार्च.२०२५	वृद्धि
६९२२ करोड़ यूनिट	११२०५ करोड़ यूनिट	६१.८६%

राज्य में ऊर्जा का उपभोग

↳ कुल शुद्ध उर्जा उपभोग में ६५.५१% की वृद्धि

वितरण प्रणाली

- उपभोक्ताओं की संख्या – १९०.६१ लाख (मार्च २०२५ तक)
- ग्रामीण विद्युतीकरण – 43965 गाँवो (मार्च २०२५ तक)
- कृषि कनेक्शन – १,२५,५२७ (वर्ष २०२३-२४)

राज्य में निजी सहभागिता–

(a) प्रसारण तंत्र – PPM मॉडल – अलवर व डीडवाना
(२) → 400 KV के GSS

(b) विद्युत उत्पादन में २४८६ मेगावाट क्षमता विकसित

योजनाएँ

पी.एम. कुसुम योजना :- "किसान ऊर्जा सुरक्षा और उत्थान महाभियान (कुसुम)"

उद्देश्य– सोलर पम्प और ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रो को स्थापित करना।

मंत्रालय– नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, GOI

(1) कुसुम घटक - ए –

- स्थापना - 0.5MW से २MW क्षमता तक के विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र
- स्थान - 33/11 किलोवाट सबस्टेशनो के 5 किमी. की परिधि में स्थित किसानों की बंजर भूमि पर
- द्वारा - राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम

(2) कुसुम घटक - बी :- 7.5 H.P. तक की क्षमता वाले कृषि पम्प सेटों को सौर ऊर्जाकृत हेतु 12,500 पम्प सेटो का लक्ष्य रखा गया है।

(3) कुसुम घटक - सी :- (फीडर लेवल सोलराइजेशन)

↳ लक्ष्य- 2,00,000 पम्प सेटो को सॉलराइजेशन

↳ किसान / भूमि मालिको और डवलपर्स के सहयोग और आवश्यक भूमि की व्यवस्था करने के लिए सौर कृषि आजीविका योजना (Skay) पोर्टल (WWW. Skayrajasthan.org.in)

PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना-

- शुरुआत- 13 फरवरी 2024
- बजट - 75,000 करोड़ ₹
- उद्देश्य - हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध करवाने के लिए एक करोड़ घरों पर सौर संयंत्र स्थापित करना।
- विशेषताएँ- 1. अधिकतम अनुदान = 78,000 ₹ (3KW या उससे अधिक पर)
  2. लक्ष्य- राजस्थान सरकार ने 5 लाख घरों में सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने का लक्ष्य रखा है।
  3. सरलीकरण प्रक्रिया - पंजीकरण, स्वीकृति तथा अनुदान की ऑनलाइन व्यवस्था व रियायती दरों पर बैंक ब्याज
  4. प्रचार - प्रसार, सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, डोर-टू-डोर अभियान (दूरस्थ स्थानों के लिए)

मुख्यमंत्री निः शुल्क बिजली योजना (कृषि अनुदान)-

- बजट 2023-24 में
- मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना (कृषि उपभोक्ता को 1000 ₹/माह, 1-वर्ष में अधिकतम 12000 ₹) को इस योजना के साथ मिला दिया गया है।
- वर्तमान
  - 2000 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली (कृषि उपभोक्ताओं को)
  - 2000 यूनिट प्रतिमाह से अधिक - मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना के तहत उस माह विशेष में 1000 ₹ सब्सिडी
- लाभ प्रारम्भ- June, 2023

मुख्यमंत्री निः शुल्क बिजली योजना (घरेलू अनुदान)- लाभ प्रारम्भ- June,2023

विद्युत उपभोग	रियायत
• 100 यूनिट तक	मुफ्त बिजली
• 200 यूनिट तक	पहले 100 यूनिट के विद्युत शुल्क, फिक्स चार्ज और नगरीय उपकर के बिल में छूट
• 200 यूनिट से अधिक	पहली 100 यूनिट मुफ्त लेकिन अन्य शुल्क उपभोक्ता द्वारा।

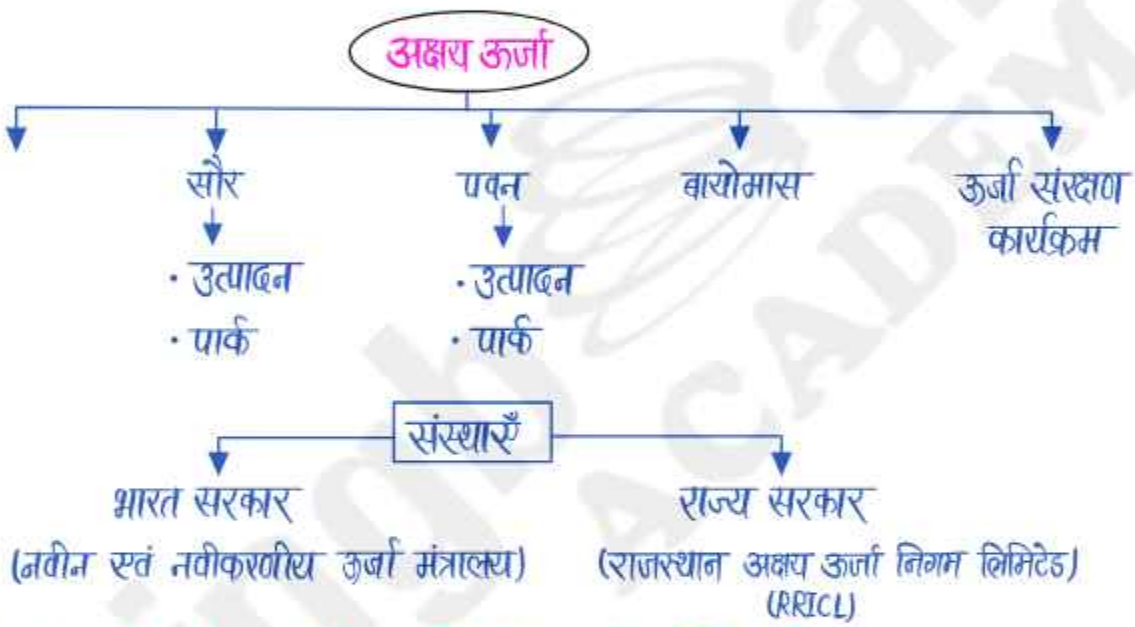

★ ऊर्जा संक्षरण हेतु नोडल एजेंसी - ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी

सौर ऊर्जा उत्पादन

सौर ऊर्जा के अवसर -

- 6-7 किलोवाट घण्टे/वर्गमीटर/प्रतिदिन सौर विकिरण
- अधिकतम सौर दिवस (1 वर्ष में 325 दिन से अधिक)
- बंजर भूमि की उपलब्धता
- कम औसत ऊर्जा

राज्य में सौर ऊर्जा

क्षमता	स्थापित
142 गिगावट (GW)	19,459 MW (रूफटॉप संयंत्रों के अतिरिक्त) (मार्च,2024 तक)

☞ राजस्थान अक्षय ऊर्जा नीति २०२३ ➤ 6 अक्टूबर, २०२३

☞ हाइड्रोजन नीति = २१ Sep. २०२३

☞ रिन्यूबल एनर्जी सर्विस कम्पनी (रेस्को) मोड सोलर रूफ टॉप योजना
= 1.२ MW क्षमता संयंत्र (राजकीय भवनों पर)

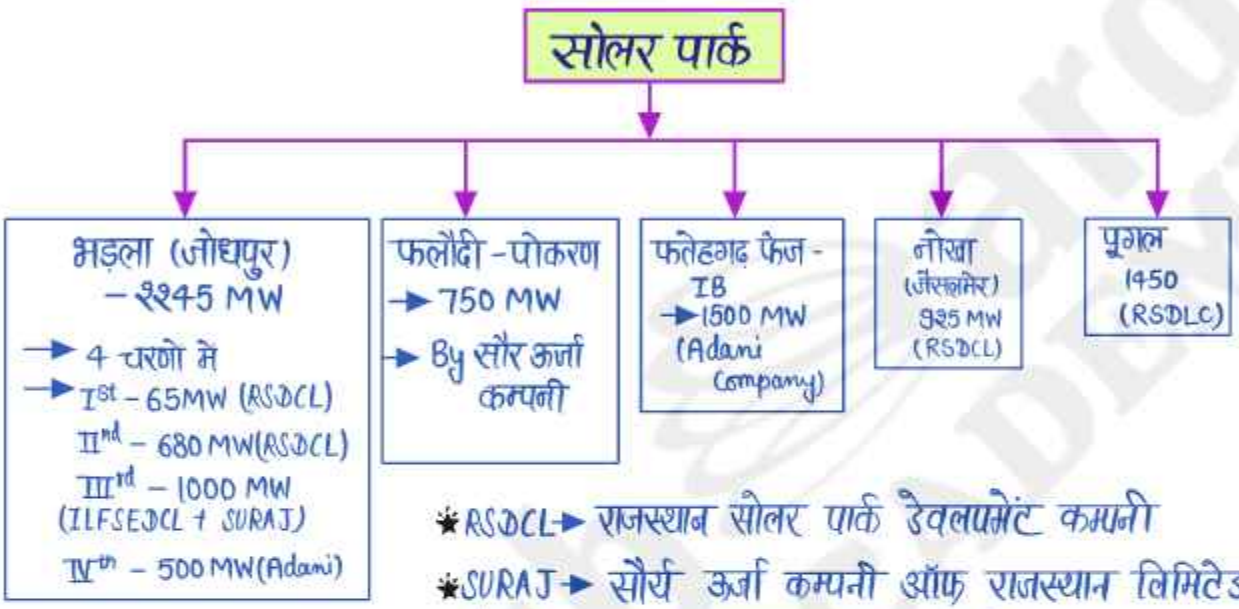

* RSDCL ➤ राजस्थान सोलर पार्क डेवलपमेंट कम्पनी
* SURAJ ➤ सौर्य ऊर्जा कम्पनी ऑफ़ राजस्थान लिमिटेड
* मैसर्स अडानी रिन्युएबल एनर्जी पार्क
* IL&FS एनर्जी डेवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड

→ प्रथम फेज = RRECL द्वारा स्वयं
→ II nd , III rd , IV th फेज = नवीन & नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

रिन्युबल एनर्जी सर्विस कम्पनी (रेस्को)- मोड - सोलर रूफटॉप योजना

- इसके तहत राजकीय भवनों पर रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।
- मार्च, २०२५ तक - 1.२ मेगावाट क्षमता स्थापित
- क्रियान्वयन - RREC

सौर नीतियाँ

- २०11
- २०14
- ★ 18 दिसम्बर, २०19
  - लक्ष्य 30 GW (२०२४-२५ तक)
  - [24 GW सोलर पार्क
    4 GW Distributed unit
    1 GW सोलर रूफटॉफ
    1 GW सोलर पम्प]
- ★ 6 अक्टूबर, २०२३
  - [राज. अक्षय ऊर्जा नीति, २०२३]
  - ★ (२९ सित. २०२३)
    - हाइड्रोजन नीति
    - बायोमास वेस्ट टू एनर्जी नीति, २०२३

पवन ऊर्जा

(नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय)

→ नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ विंड एनर्जी (NIWE) के अध्ययन के अनुसार राज्य में पवन ऊर्जा की 150 मीटर की ऊँचाई पर अनुमानित—

- क्षमता – २८४ GW
- स्थापित 5209 MW (मार्च, २०२४)

→ राजस्थान पवन एवं हाईब्रिड ऊर्जा नीति २०19 = 18 Dec. २०19

→ Wind power plant -

- अमरसागर – जैसलमेर (I[st])
- देवगढ़ – प्रतापगढ़
- फलौदी – जोधपुर
- बड़ाबाग – जैसलमेर (पहला निजी)
- सोढ़ा बांधन – जैसलमेर
- आकल – जैसलमेर

बायोमास / जैविक द्रव्य ऊर्जा

→ प्रमुख स्रोत – सरसों की तूड़ी व विलायती बबूल

→ स्थापित – 128.45 MW (मार्च, २०२४)
= 14 बायोमास संयंत्र

→ नीति
- "२९ सितम्बर २०२३"
- बायोमास वेस्ट टू एनर्जी नीति, २०२३

Springboard Academy

ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रम -

- ऊर्जा संरक्षण दिवस – 14 दिसम्बर (२००१ से)
  {राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम (RREC) द्वारा}

राजस्थान सरकार ने मई, २०२३ में राजस्थान ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता (RECBC) एवं RECBC नियम अधिसूचित किए

सड़के

"देश के विकास का आंकलन करने के लिए पक्की सड़क एक महत्वपूर्ण मापदण्ड माना जाता है"

फायदे
- स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएँ
- वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति
- शिक्षा व सामाजिक गतिशीलता
- परिवहन लागत कम होना

- राजस्थान को एक्सप्रेस-वे राजधानी बनाने के लिए टास्क फोर्स का गठन।
  - 5 फरवरी, २०२४

ग्रामीण विकास मंत्रालय की योजनाएँ

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-III

8,662 कि.मी

प्रधानमंत्री जन-मन योजना

38 कि.मी.

(बारां जिले की सभी 38 कच्ची बस्ती)

- 1949 = 13553 Km.
- मार्च २०२३ = 3,01,810 Km.
- सड़क घनत्व = 88.18 Km (राष्ट्रीय – 165.24 Km.)

III[rd]
- राष्ट्रीय राजमार्ग – 10781 Km.
- राज्य राजमार्ग – 17348 Km.

IInd [मुख्य जिला सड़क – 14000 Km.
अन्य जिला सड़क – 68000 Km.] (क्रम महत्वपूर्ण, ना कि Km.)
Ist [ग्रामीण सड़क – 1,91,000 Km.]

↳ सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 99% सड़क कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 1% शहरी क्षेत्रों में किए जा रहे हैं।

* लगभग 90% गाँव सड़क से जुड़ चुके है।

राज्यस्थान राज्य राजमार्ग निवेश कार्यक्रम–

↳ ट्रेंच I = 980 कि.मी.
↳ ट्रेंच II = 754 कि.मी. } By ADB
↳ ट्रेंच III = 293 कि.मी.

राजस्थान राज्य राजमार्ग विकास परियोजना–

↳ ट्रेंच I = 801 कि.मी. } By World Bank
↳ ट्रेंच II = 528 कि.मी.

परिवहन

राजस्थान इलेक्ट्रीकल व्हीकल नीति - 2022

- अधिसूचना – 31 अगस्त, 2022
  – 1 सितम्बर, 2022 से 5 वर्षों के लिए प्रभावी

निम्नलिखित उद्देश्य –

क. व्यक्तिगत गतिशीलता और सार्वजनिक परिवहन दोनों क्षेत्रों में EV को अपनाने को समर्थन करना।

ख. स्वच्छ ऊर्जा स्त्रोतों पर ध्यान देने के साथ सभी प्रकार के ईवी को पूरा करने वाले ईवी चार्जिंग स्टेशन और बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों के एक मजबूत नेटवर्क के निर्माण को सक्षम करना।

ग. राज्य के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी स्पेस में अनुसंधान एवं विकास और कौशल विकास को बढ़ावा देना।

घ. रिप्स - 2019 के तहत उचित प्रोत्साहन देकर राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों और बैट्रियों के निर्माण का बढ़ावा देना।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना :- 25 Dec. 2000

(60:40)

- 500 से अधिक जनसंख्या - मैदानी क्षेत्र में
- 250 से अधिक जनसंख्या - पहाड़ी या रेगिस्तानी
- Phase III → 2019-20 से 2024-25 तक

भारतमाला :-

- 24800 Km + 10,000 Km. = 34,800 Km.
- NHAI - 1974 Km. के 45 कार्य प्रारम्भ किए हैं।
- दिल्ली वड़ोदरा ग्रीनफिल्ड एक्सप्रेस वे - कुल 374 Km.
- सांगरिया - सांचौर - संथालपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे - 637 Km.

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (RSRTC) :-

- 1 अक्टूबर 1964 को सड़क परिवहन निगम अधिनियम 1950 के तहत स्थापित
- Rajasthan state highway Authority - 2 जून 2015

रेलवे

- मार्च 2022 तक 6046 Km.
- भारत के कुल रेलमार्ग (68,043 Km) का 8.89%

डाक एवं दूरसंचार सेवाएँ

- मार्च 2024 तक 11,041 डाकघर
- टेलीकॉम उपभोक्ता - 6.70 Cr.

- राज्य आपदा मोचन निधि → भारत सरकार का अंशदान - 75%
  राजस्थान सरकार का अंशदान - 25%.

बजट २०२५-२६

ऊर्जा-

- वर्ष २०३१-३२ तक लक्ष्य -
  - परम्परागत स्त्रोत - २४,५०० MW
  - अक्षय ऊर्जा - ३३,६०० MW → सोलर (२२,२०० MW)
    - पवन (८,१०० MW)
    - हाइड्रो (३३०० MW)
- PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना -
  - प्रत्येक जिले में आदर्श सौर ग्राम
  - प्रत्येक ग्राम में २MW क्षमता के Decentralized Solar Power Plant (अनुदान - 40%)
- राजकीय कार्यक्रम को सौर ऊर्जा से जोड़ेंगे → क्रियान्वयन → RRECL (Hybrid Annuity Model)
- विद्युत लीकेज को रोकने के लिए → २५ लाख से अधिक Smart Meters

सड़क –

- 9 – ग्रीनफिल्ड एक्सप्रेस-वे → लम्बाई 2,750 कि.मी

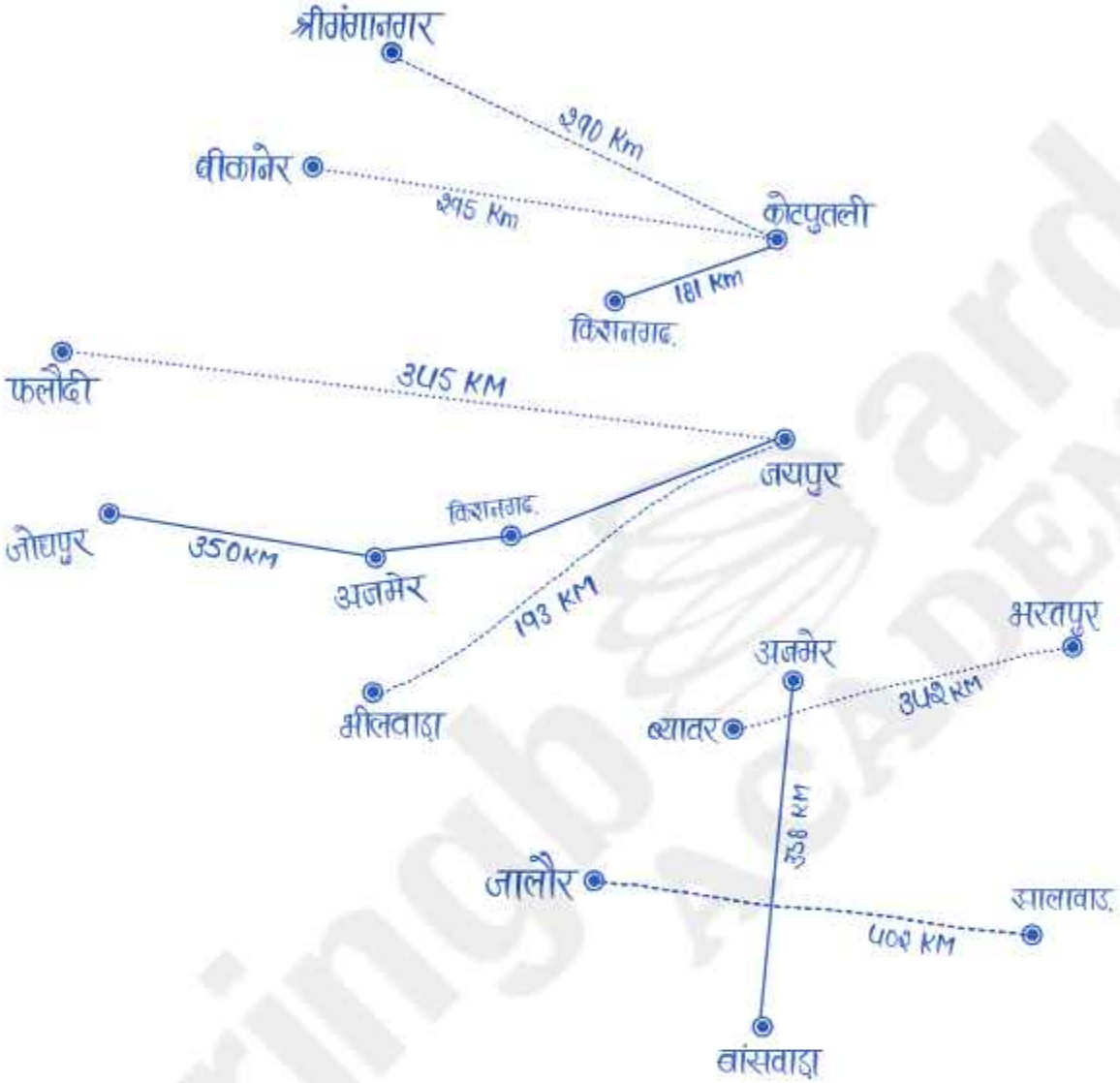

सड़क सुरक्षा – संभाग स्तर पर Road Safety Task force

- सड़क दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले Good Samaritan की राशि 5000 ₹ से बढ़ाकर 10,000 ₹
- PM गतिशक्ति योजना के अन्तर्गत (ITMS) Intelligent Traffic Management System) लागू
  - जयपुर-दिल्ली (NH-48)
  - जयपुर-भरतपुर (NH-21)
  - 4 State Highway

Springboard ACADEMY

मोटर वाहन पंजीयन

वर्ष २०२३-२४ में वाहन पंजीकृत = 15,74,956

1 अप्रैल २०१९ से पूर्व के पंजीकृत वाहनों पर अतिसुरक्षा रजिस्ट्रेशन प्लेट की सुविधा।

ई- लाइसेंस एवं ई- रेजीस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, वाहन फिटनेस जाँच, सड़क सुरक्षा वेब पोर्टल सुविधा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र, जिओ टैगिंग और वीडियोग्राफी इत्यादी की सुविधा।

RSRTC

- बसों में वाहन ट्रेकिंग सिस्टम
- महिला सुरक्षा के लिए पैनिक बटन
- शिकायत सुंबधन प्रणाली
- राष्ट्रीय सार्वजनिक बस परिवहन उत्कृष्टता पुरस्कार
- वरिष्ठ नागरिक 60-80 वर्ष किराया छूट = 30-50%

↳ सड़क सुरक्षा पोर्टल- 14 Feb २०२५

आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा-

1. खरीफ सम्वत् २०80 के अन्तर्गत 13 जिले तथा 48 तहसिलों को सूखा अभाव ग्रस्त घोषित
2. आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली-112
   टोल फ्री न.-112 तथा राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र, जयपुर में

अध्याय-6. " सेवा क्षेत्र "

★ **सेवा क्षेत्र**– यह तृतीयक क्षेत्रक आर्थिक गतिविधियाँ है जो उत्पादन प्रक्रिया में सहयोग करती है।

सेवा क्षेत्र का परिदृश्य :-

	स्थिर कीमतों पर	प्रचलित कीमतों पर
GSVA में सेवा क्षेत्र	43.95 %	45.07 %
सेवा क्षेत्र की GSDP	3.43 लाख करोड़	6.44 लाख करोड़
वृद्धि दर	6.37 %	11.26 %

सेवा क्षेत्र का प्रचलित मूल्यों पर उपक्षेत्रवार वितरण –

(1) व्यापार, होटल और जलपान गृह	28.01 %
(2) स्थावर सम्पदा, आवासीय गृहों का स्वामित्व और पेशेवर सेवाएँ	23.59 %
(3) परिवहन, भंडारण एवं संचार क्षेत्र	10.92 %
(4) अन्य सेवाएँ	20.66 %
(5) लोक प्रशासन	6.93 %
(6) वित्तीय सेवाएँ - (सर्वाधिक वृद्धि - 8.40 %)	9.89 %

Trick :- HERO H - Hotel, ER-(RE) - Real State, O - other service

पर्यटन

- वर्ष 2023 के दौरान = 1807.52 लाख पर्यटक
  - 1790.52 लाख स्वदेशी
  - 17 लाख विदेशी

राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति 2022 :-

- 18 अप्रैल, 2022 → लागू
- फिल्म डेस्टिनेशन / शूटिंग को बढ़ावा देने हेतु
- कुल उत्पादन लागत का 15% अनुदान या 2 करोड़ ₹

राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना, 2022 :-

- ग्रामीण क्षेत्रों मे पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु।
- 30 नवम्बर, 2022 को लागू ।
- 25 लाख ₹ तक का ऋण 9% ब्याज सब्सिडी
- न्यूनतम ₹ 1 करोड़ निवेश करने वाली ग्रामीण पर्यटन इकाईयों को 10 वर्ष SGST का 100% पुनर्भरण ।

पर्यटन क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य :-

(A) पर्यटन विकास कोष की राशि ₹ 500 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 1000 करोड़
- 600 करोड़ ₹ पर्यटन
- 400 करोड़ ₹ मार्केटिंग / ब्रांडिंग

Note :- बजट 2023-24 में यह राशि 1500 करोड़ ₹

- बेणेश्वर धाम, मीटिंग इन्सेंटिव कान्फ्रेंस एंड एक्जीबिशन (MICE), जोधपुर
- आमेर को आइकॉनिक डेस्टीनेशन,
- डीग संग्रहालय निर्माण
- नेवटा बाँध, कानोता बाँध वाटर बेस्ट टूरिज्म

(B) जयपुर →
- GITB (ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार) 23-25 अप्रैल, 2023
- RDTM (राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट) 14-16 जुलाई 2024
- इंडियन रेस्पोन्सीबल टूरिज्म स्टेट समिट & अवार्ड्स - 26 Feb, 2024
- 2 मास्टर विज्ञापन फिल्में
  - (i) राजस्थान लगे कुछ अपना सा
  - (ii) रोमांस ऑफ राजस्थान

  (4 Aug 2023)

↳ प्रधानमंत्री द्वारा सांवलिया सेठ मन्दिर में लेजर वाटर शो का लोकार्पण एवं केशोरायपाटन (बूँदी) व करणीमाता मन्दिर (देशनोक) के पर्यटन विकास कार्यों का शिलान्यास → 7 मार्च, 2024

↳ फ्रांस के राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान जयपुर में राज्य की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन - 25 जनवरी, 2024

↳ वित्तीय वर्ष 2023-24 में लगभग 70 मेलों, उत्सवों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन। (राजस्थान भूगोल में विस्तार से)

↳ राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट का आयोजन → जयपुर में

↳ जैसलमेर - मरू महोत्सव के दौरान राजस्थानी फूड फेस्टीवल (22-24 फरवरी, 2024)

(C) बजट 2022-23 में -

- वागड़ पर्यटक सर्किट - डूंगरपुर / बांसवाड़ा में
- रामगढ़ क्रेटर (बारां) - जियो हेरिटेज पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु स्वीकृत

राजस्थान पर्यटन एप :-

- 27 Sept. 2021 (पर्यटन दिवस) लॉन्च (केरल प्रथम राज्य, राज. IInd)

↳ राजस्थान पर्यटन नीति - 9 Sept 2020

↳ मुख्यमंत्री पर्यटन उद्योग संबल योजना → 22 Sept. 2021 को प्रारम्भ
→ 25 लाख ₹ तक ऋण अनुदान 3%

↳ 16 अप्रैल 2021 → गेस्ट हाउस योजना

↳ 21 अक्टूबर 2021 → पेइंग गेस्ट योजना

वित्तीय वर्ष २०२३-२४ में प्राप्त महत्वपूर्ण अवार्ड-

- बेस्ट डेकोरेशन अवार्ड – इंडिया ट्रेवल एंड टूरिज्म फेयर, कोलकाता
- कल्चरल टूरिज्म डेस्टीनेशन ऑफ द ईयर अवार्ड – इंडिया इन्टरनेशनल ट्रेवल मार्ट, बैंगलुरू
- बेस्ट हैरिटेज डेस्टीनेशन ऑफ द ईयर अवार्ड – इंडिया इन्टरनेशनल ट्रेवल मार्ट, चेन्नई
- एक्सीलेंस फॉर ग्रुप पार्टिसिपेशन अवार्ड – ट्रेवल टूरिज्म फेयर, गाँधीनगर (गुजरात)
- डेकोरेशन एंड डिजाइन अवार्ड, OTM मुम्बई
- फेवरेट इंडियन स्टेट फॉर रोड ट्रिप्स अवार्ड – राजस्थान पर्यटन
- फेवरेट लीजर डेस्टीनेशन इन इंडिया अवार्ड - राजस्थान पर्यटन

देवस्थान विभाग

- मन्दिर संस्कृति के संवर्द्धन एवं संरक्षण हेतु
  - ७१० राज्य प्रत्यक्ष प्रभार
  - २०३ राज्य आत्म निर्भर

→ **वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-**

- कई धार्मिक स्थानों के लिए मुफ्त रेल यात्रा (३३,००० लोग) तथा पशुपतिनाथ, काठमांडू (नेपाल) – (६००० लोग) की हवाई मार्ग के माध्यम से मुफ्त यात्रा।

→ **मोक्ष कलश योजना-** (कार्यकारी संस्था - RSRTC)

- अस्थि विसर्जन हेतु एक अस्थि कलश के साथ परिवार के दो सदस्यों को रोडवेज बसों के द्वारा हरिद्वार की निःशुल्क यात्रा।

→ **सिन्धु दर्शन योजना -** लद्दाख स्थित सिन्धू दर्शन की यात्रा

आर्थिक सहायता → व्यय का ५०%, अधिकतम १०,०००₹

वित्तीय सेवाएँ

बैंकिंग	भारत	राजस्थान
जमावृद्धि	१३.४०%	१२.४४%
साख जमा	७९.०५%	४६.६६%
ऋण वितरण	१८.४२%	१९.९१%

राजस्थान में औसतन ९,०१५ व्यक्तियों पर एक बैंक
४०.५१ वर्ग Km

राजस्थान अनुमानित जनसंख्या = ८१८.३१ लाख

डिजिटल भुगतान

नीति आयोग ने डिजिटल भुगतान के 5 प्रकार सुझाये है -

(i) USSD (बैंकिंग)
(ii) आधार सक्षम भुगतान
(iii) वॉलेट
(iv) UPI
(v) Rupay, Credit, debit, Prepaid Card

(A) अगस्त 2023, राज्य के सभी जिलों को 100% डिजिटाइजेशन के लिए चयनित किया गया है।

(B) PM जनधन योजना अन्तर्गत 3.54 करोड़ खाते खोले जा चुके एवं 81% खाते आधार से लिंक

(C) अटल पेंशन योजना - असंगठित कामगारों के लिए

आयु - • न्यूनतम 18 वर्ष
• अधिकतम 40 वर्ष
• 60 वर्ष पूर्ण होने पर प्रतिमाह [₹ 1000 / ₹ 5000] - पेंशन

योजनाएँ -

(1) स्टैण्डअप इंडिया योजना :-

- लाभार्थी - SC, ST, महिला उद्यमी
- 10 लाख ₹ से 1 करोड़ की ऋण सुविधा
- 7 वर्षों हेतु
- गैर कृषि क्षेत्रो में हरित क्षेत्र के उद्यमों की स्थापना हेतु।
- 'पृष्ठताछ हेतु पोर्टल' - "भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा विकसित" (http://www.Standupmitra.in)

(2) प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) योजना -

- राज्य DBT सलाहकार बोर्ड → अध्यक्ष → मुख्य सचिव
  → 5 अक्टूबर 2021 से प्रभावी
- DBT भारत मिशन पोर्टल - 101 राज्य व 15 CSS DBT योजनाएँ

(3) बीजनेस कोरस्पोन्डेंट (व्यवसायिक संवाददाता)

- 31 दिसम्बर, 2023 तक → 82,540 व्यवसायिक संवाददाता कार्यरत

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार

(1) जन सूचना पोर्टल :-

- RTI, 2005 की धारा 4(2) के अनुसार विकसित
- योजनाओं की जानकारी सुलभ, पारदर्शी तरीके से उपलब्ध करवाने हेतु।
- 117 विभागो की 345 योजनाएं।

(2) U.I.D. आधार :-

- भारत के सभी निवासियों को जनसांख्यिकी एवं बायोमैट्रिक पहचान प्रदान करने के लिए अनिवार्य
- 12 अंको की संख्या (विशिष्ट पहचान संख्या)
- राज्य में 8 करोड़ आधार ID जारी

(3) राजस्थान सम्पर्क पोर्टल :-

- केन्द्रीयकृत शिकायत निवारण मंच
- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन टोल फ्री नं. 181

(4) फाइबर टू होम :-

- BSNL के साथ समझौता
- राजस्थान की ग्राम पंचायतों में प्रति 5 FTTH कनेक्शन ग्रामीण राजकीय कार्यालयों विद्यालयो, महाविद्यालयो चिकित्सालयों में स्थापित किए जाएंगे।

(5) GWMS :- PWD के सिविल कार्यों की प्रक्रिया एवं मॉनिटरिंग को ऑनलाइन करने हेतु।

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग - 710 स्टूडियो)

(6) राजनेट एवं राजस्वान :-

- राजस्थान स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (RAJSWAN) के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर तक कनेक्टिविटी

(7) वीडियो वॉल और आईपी फोन :-

- सरकारी योजनाओं, समारोह के ऑडियो एवं वीडियो प्रसारण सरल

(8) ई-मित्र सेवा वितरण :-

- राजस्थान ने 2002 में सबसे बड़ा एकल एकीकृत सेवा वितरण प्लेटफॉर्म ई-मित्र लॉन्च किया।

(9) ई-मित्र प्लस स्वयं सेवा कियोस्क :-

14,891 मानव रहित सेवा कियोस्क
ई-मित्र प्लस (ग्रामीण- 9831, शहरी- 5000)

→ राज्य के सभी ग्राम पंचायत मुख्यालय व शहरी स्थानीय निकायों में स्थापित

→ लाभ- ई-मित्र सेवाओं, वीडियो कान्फ्रेंसिंग, सोशल ऑडिट

(10) ई-मित्र :- (ई-मित्र संख्या - 80 हजार)

- 19 दिसम्बर 2021 को ई-मित्र होम सर्विस शुरू।
- जयपुर, जोधपुर में 5 सेवाओं के साथ ई मित्र @ होम का शुभारंभ।

(11) राज-ई-साइन :-

- इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज + हस्ताक्षर
- यह कार्य RISL के माध्यम से शुरू किया है।
- राजकॉम्प ने इसके लिए कार्य करने का लाइसेंस लिया है।

(12) ई-संचार :-

- नागरिकों एवं विभाग के अधिकारियों को SMS के माध्यम से सूचना भिजवाना आसान

(13) आई -फैक्ट :-

- रियलिटी चेक मॉड्यूल का उपयोग IVRS आधारित कॉलो के माध्यम से किसी भी विभागीय सेवा के सर्वे करने हेतु किया जाता है।

(14) RKCL (राजस्थान नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड)-

उद्देश्य- राज्य के दुरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा उपलब्ध करवाना।

↳ राजकीय कार्मिकों की शुल्क पुनर्भरण

(15) राजस्थान स्टेट डाटा सेंटर (RSDC) :- जयपुर में 4 स्थापित

• RSDC-DR (Disaster Recovery) सेंटर - जोधपुर

(16) डाटा एनालिटिक्स - करवंचन की पहचान कर तथा 'कर' आधार में वृद्धि कर, 'कर राजस्व' को बढ़ाना।

(17) राजस्थान स्टार्ट-अप-

- आई स्टार्ट पोर्टल (सिंगल विंडो)
- क्यू-रेट रैंकिंग सिस्टम, इन्क्यूबेटर इनोवेशन चैलेंज
- इनोवेशन हब (जयपुर, जोधपुर, कोटा)
- आई स्टार्ट नेस्ट (जयपुर, भरतपुर, बीकानेर, उदयपुर)

↳ स्टार्टअप कार्यक्रम के विस्तार के लिए- स्कूल स्टार्ट अप, ग्रामीण आई स्टार्ट

(18) सिंगल साइन ऑन (SSO) :-

- समस्त उपयोगकर्ताओं द्वारा केवल एक बार साईन इन करने के उपरान्त विभिन्न एप्लीकेशन पर कार्य किया जा सकता है।

(19) राज-काज :-

- केन्द्रीयकृत आई. टी. प्लेटफॉर्म
- इसके तहत सरकारी कर्मचारियों के सेवा संबंधी सभी कार्य SSO के साथ लागू किए जा रहे हैं।
- ई-फाइल प्रणाली का उपयोग

(20) कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर (अभय) -

- GPS तथा CCTV कैमरा आधारित सुरक्षा के एकीकृत समाधान हेतु 7 संभागीय मुख्यालयों और 26 जिलो में अभय सेंटर स्थापित किए गए हैं।

(स्थापित कुल कैमरे- 11,057)

(i) वीडियो निगरानी तंत्र
(ii) फोन नम्बर 100 डायल नियंत्रण तंत्र
(iii) फॉरेंसिक अनुसंधान प्रणाली
(iv) दक्ष यातायात प्रबंधन तंत्र
(v) वाहन ट्रैकिंग तंत्र
(vi) भौगोलिक सूचना तंत्र

(२१) राजस्थान सेंटर ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (R-CAT) :-

- उद्घाटन – २० अगस्त २०२२ – जयपुर, जोधपुर में
- उद्देश्य – राज्य के परास्नातक / स्नातक / स्नातकोत्तर के लिए रोजगार के अवसरों को समृद्ध करना।
- R-CAT इंटर्नशिप ट्रेक (RIT) शुरु

(२२) राजस्थान अनुप्रयोग विकास केन्द्र (राज कैड)–

Raj CAD → (Rajasthan Center for Application Development)

राज कैड क्षेत्र– (i) बिजनैस एनालिसिस
(ii) डॉटनेट
(iii) PHP
(iv) JAVA
(v) मोबाइल एप्लीकेशन डेवलपमेंट
(vi) UI/UX डिजाइन
(vii) Power BI आदि के क्षेत्र में
(viii) सिक्योरिटी ऑडिट
(ix) RDBMS
↓
(Relational database Management System)

(२३) राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल संस्थान :- जोधपुर में

- उद्देश्य → बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा क्षेत्र में जनशक्ति की आवश्यकताओं को पूरा करना।

(२४) राज ई- वॉल्ट -

→ दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली, जिसमें विभिन्न सरकारी विभागों और नागरिकों के दस्तावेजों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से रखने की सुविधा प्रदान की जाती है।

Springboard Academy

राजस्थान जन आधार योजना-

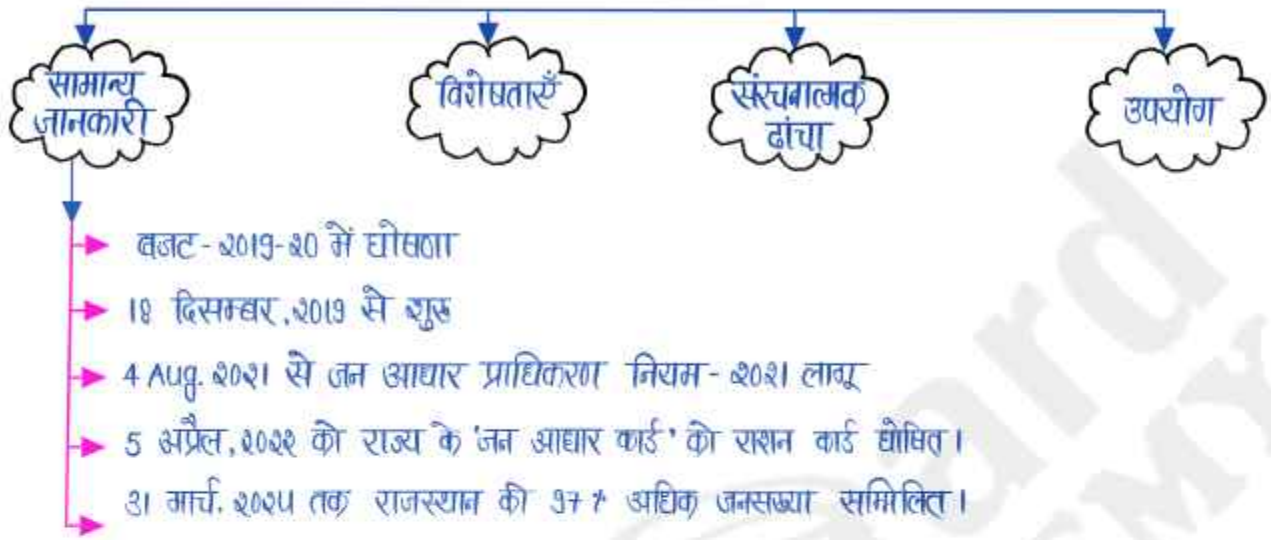

2. विशेषताएँ-

(i) भारत सरकार ने 'जन आधार कार्ड' को परिवार एवं उसके सदस्यों की पहचान तथा पते के दस्तावेज के रूप में मान्यता दी है।

(ii) राज्य के सभी निवासी 'जन आधार' पंजीयन हेतु पात्र है।

(iii) • नामांकित परिवार ➡ 10 अंकीय पहचान संख्या

• मुखिया सहित प्रत्येक सदस्य ➡ 11 अंकीय पहचान संख्या

(iv) मुखिया ➡ परिवार द्वारा निर्धारित 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिला

➡ 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिला नहीं होने पर 21 वर्ष या उससे अधिक आयु का पुरुष मुखिया हो सकता है।

(v) सभी महिला मुखिया का बैंक खाता होना अनिवार्य, क्योंकि परिवार के समस्त नकद लाभ केवल महिला मुखिया के बैंक खाते में स्थानांतरित होंगे।

(vi) विभिन्न योजनाओं के लाभ सरलता, सुगमता एवं पारदर्शी रूप से आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से "एक नम्बर-एक कार्ड-एक पहचान" के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक स्वतंत्र प्राधिकरण का गठन।

(vii) राजस्थान एकमात्र ऐसा राज्य है जिसके पास निवासियों को नकद एवं गैर नकद सेवा वितरण के लिए "एकल बहुउद्देशीय डेटाबेस" है।

3. उपयोग-

(i) प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (वित्तीय समावेशन व महिला सशक्तिकरण)

(ii) दोहरे लाभार्थी/ फर्जी लाभार्थी तथा अपात्र लाभार्थी की समस्या से छुटकारा।

(iii) विभिन्न विभागों की योजनाओं के लाभ।

(iv) व्यापक जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक डेटाबेस, जो परिवार के 60 से अधिक मापदण्डों को कवर करता है।

(v) जन आधार प्लेटफॉर्म को पहचान पोर्टल (जन्म, मृत्यु एवं विवाह को पंजीकृत करने के लिए राज्य पोर्टल) के साथ एकीकृत किया गया है। जिससे राज्य वास्तविक समय जनगणना के लक्ष्य की ओर बढ़ने में सक्षम हो गया है।

(vi) ई- मित्र को प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में लाया गया है। (धारा-20)

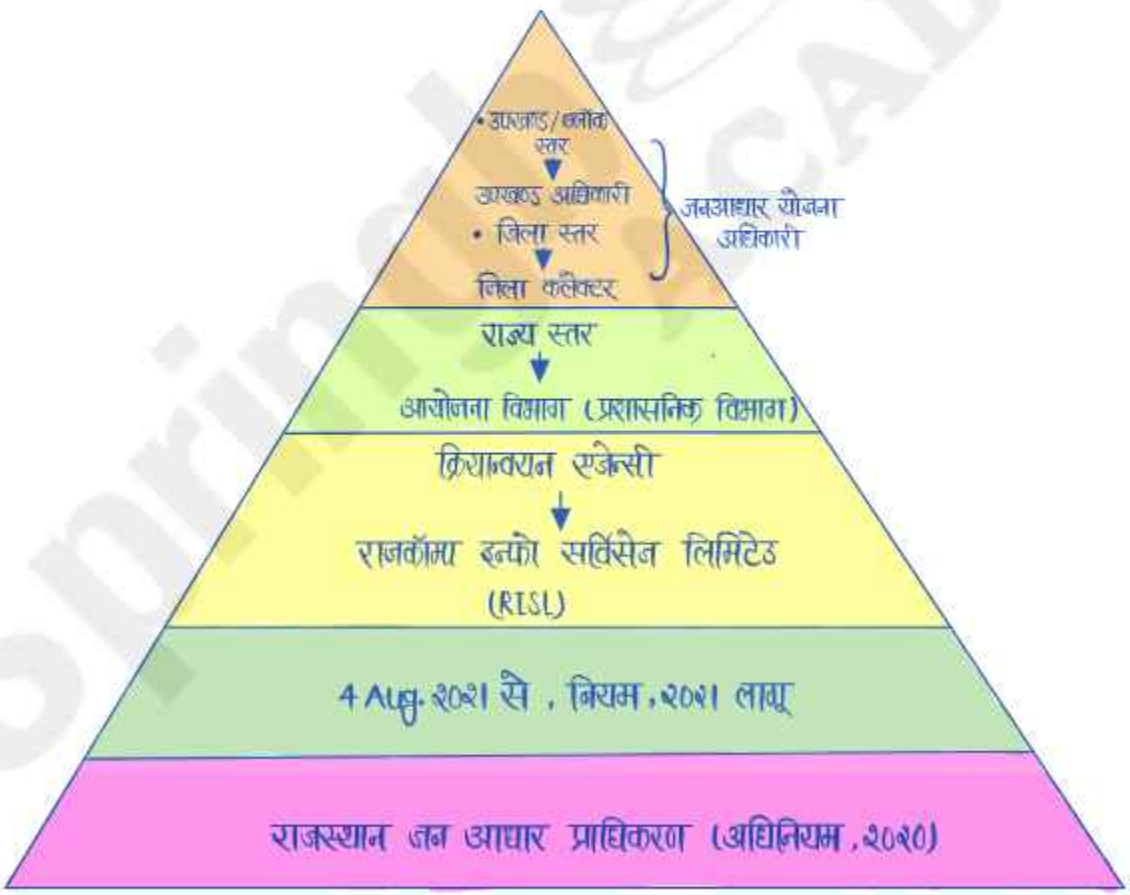

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

- विभाग (DST) की स्थापना – 1983 में
- मुख्यालय – जयपुर
- राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केन्द्र (SRSAC) – जोधपुर
- उद्देश्य
  - जिज्ञासा जागृत करना
  - वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना
  - सामाजिक विकास के लिए वैज्ञानिक ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग को बढ़ावा देना।
- 28 फरवरी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
- राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस - 2024, कोटा
- जयपुर के साइंस पार्क में 'न्यूक्लियर पावर गैलेरी' स्थापना → विभाग + नेहरू विज्ञान केन्द्र, मुम्बई
- जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग = APJ अब्दुल कलाम संस्थान, छितरोली (जयपुर)

✡ पेटेन्ट सूचना केन्द्र :- IPR के प्रति जागरूकता के लिए 1998 में परियोजना शुरू की गई।
↳ जयपुर

राजस्थान फाउण्डेशन

- अध्यक्ष – मुख्यमंत्री

↳ 7 अक्टूबर 2022 को राजस्थान की पहली NRI नीति जारी की।

उद्देश्य
- प्रवासियो की राज्य के विकास मे भागीदार बढाने हेतु
- अपनी मातृभूमि के साथ अपनी जड़ो को जोड़े रखने हेतु प्रेरित करने के लिए उनसे लगातार संचार और वार्तालाप बनाये रखने की सुविधा प्रदान करना।

आयोजना (जनशक्ति विभाग) - चरणबद्ध रूप से जिला गजेटियर्स का प्रकाशन

मूल्यांकन विभाग- विकास कार्यक्रमों का क्रियान्वयन

बजट २०२४-२५

★ **पर्यटन** ➜ GSDP में 5.6% की हिस्सेदारी

➜ राज्य के २० लाख परिवार पर्यटन क्षेत्र से आय/रोजगार के लिए जुड़े है।

पर्यटन विकास

- Greenfield Airport, कोटा
- Fund - Rajasthan Tourism Infrastructure & Capacity Building Fund (RTICF)
- सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए- Rajasthan Heritage Conservation & Development Authority
- खाटू श्याम जी मंदिर-
  - 100 करोड़ ₹
  - आयोध्या व काशी विश्वनाथ की तर्ज पर
- Flying Training
  - किशनगढ़ - अजमेर
  - हमीरगढ़ - भीलवाड़ा
- जयपुर
  - Jaipur Walled City Heritage Development Plan (100 Cr ₹)
  - MICE (Meetings, Incentive, Confrences Exhibition) Tourism के लिए - 'भारत मण्डपम' की तर्ज पर - "राजस्थान मण्डपम"
- खाभा पोर्ट (जैसलमेर)
  - Fossil Park
  - Open Rocks Museum

युवाओं को प्रोत्साहन देने के लिए :-

1. **Atal Enterpreneurship Programme-**
   - देश-विदेश के विभिन्न CEO की मेंटरशिप
   - इसके अन्तर्गत 10 करोड़ ₹ का 'i-Start Fund' प्रस्तावित है।

     [i-Start के अन्तर्गत LEAP (Learn, Earn, Progress) प्रोग्राम]

2. **Funds Of Funds** ➜
   - 100 करोड़ ₹
   - Startups को Equity funding के द्वारा वित्तीय सहायता

3. **Atal Innovation Studios & Accelerators-**
   - इसके अन्तर्गत Agricuture Accelerator Mission प्रस्तावित है।

4. **Business Innovation Progamme-**
   - युवावस्था (स्कूल, कॉलेज) में उद्यमशीलता विकास के लिए २० करोड़ ₹ व्यय।

अध्याय - 7 "शहरीकरण और शहरी विकास"

"शहरीकरण का तात्पर्य - जनसंख्या का ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर स्थानांतरण।"

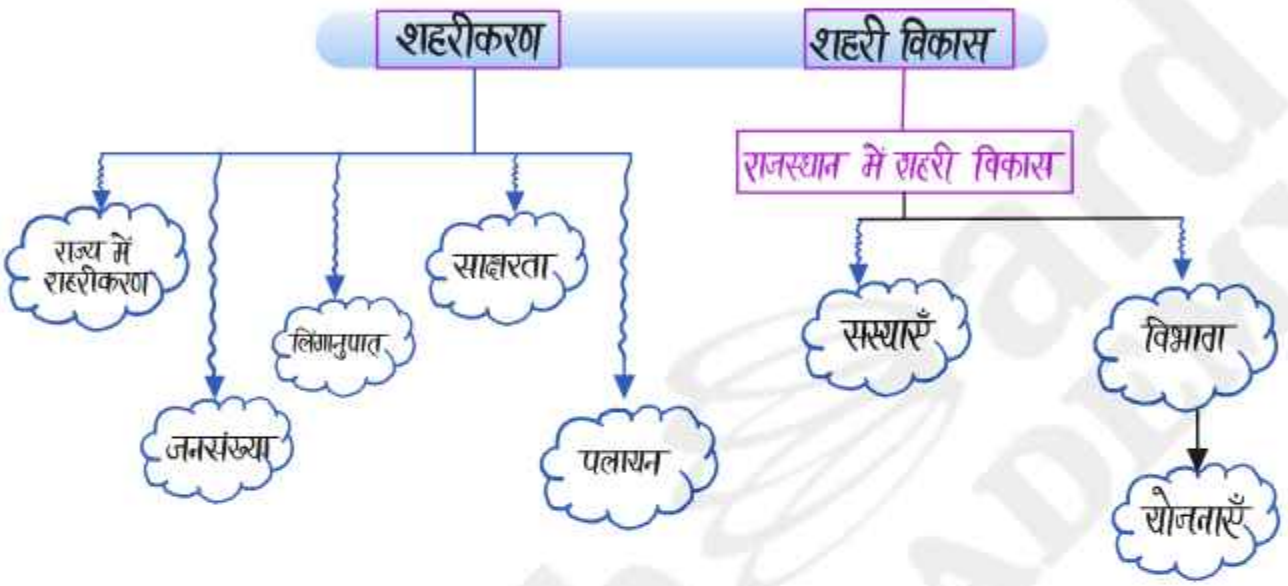

- संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल सतत् विकास रिपोर्ट, २०२३
  - विश्व की आधी से अधिक आबादी शहरों में निवास कर रही है।
  - इसकी हिस्सेदारी वर्ष २०५० तक ६८.६६% तक होने का अनुमान है।
  - शहरों और महानगरीय क्षेत्रों का वैश्विक GDP में ८०% योगदान है।

राजस्थान में शहरीकरण

- भारत और राजस्थान में शहरी जनसंख्या की हिस्सेदारी –

	भारत	राजस्थान
वर्ष 1961	17.97%	16.28%
वर्ष २०११	31.14%	२४.८७%
२०२१ (अनुमानित)	34.43%	२६.३३%
२०३१ (अनुमानित)	37.55 %	२७.७५ %

राजस्थान की जनसंख्या (करोड़ में) –

(2001 में 5.65 करोड़)

	2011
कुल जनसंख्या	6·85
पुरुष जनसंख्या	3·55
महिला जनसंख्या	3·30

राजस्थान की शहरी जनसंख्या (लाख में) –

(2001 में 132 लाख)

	2011	2021
महिला	81	100
पुरुष	89	109
कुल	170	209

लिंगानुपात :-

• प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या

वर्ष	शहरी क्षेत्र	ग्रामीण क्षेत्र
2001	890	930
2011	914	933

स्वाधिक शहरी लिंगानुपात वाले जिले		
क्र.सं.	जिले	लिंगानुपात
1.	टोंक	985
2.	बांसवाड़ा	964
3.	प्रतापगढ़	963
4.	डूंगरपुर	951
5.	राजसमंद	948

न्यूनतम शहरी लिंगानुपात वाले जिलें		
क्र.सं.	जिले	लिंगानुपात
1.	जैसलमेर	807
2.	धौलपुर	864
3.	अलवर	872
4.	गंगानगर	878
5.	भरतपुर	887

बाल लिंगानुपात

(0-6)

वर्ष	शहरी क्षेत्र	ग्रामीण क्षेत्र
2001	887	914
2011	874	892

स्वाधिक शहरी बाल लिंगानुपात वाले जिलें		
क्र.सं.	जिले	लिंगानुपात
1.	नागौर	907
2.	बीकानेर	906
3.	भीलवाड़ा	904
4.	बारां	901
5.	चुरू	899

न्यूनतम शहरी बाल लिंगानुपात वाले जिलें		
क्र.सं.	जिले	लिंगानुपात
1.	धौलपुर	841
2.	गंगानगर	842
3.	दौसा	847
4.	अलवर	851
5.	भरतपुर,	852

साक्षरता दर

- वर्ष २००१ में राजस्थान में साक्षरता दर 60·40% थी, जो बढ़कर वर्ष २०११ में 66·11 % हो गई।
- राजस्थान के शहरी क्षेत्र के लिए साक्षरता दर वर्ष २०११ में 79·70% थी, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में 61·40% थी।
- जयपुर 30·46 लाख की आबादी के साथ जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा शहर है।

नोट :- बांसवाड़ा (1·01 लाख) सबसे कम शहरी जनसंख्या वाला शहर है।

⇒ जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान के सबसे बड़े शहर –

1· जयपुर
२· जोधपुर
3· कोटा
4· बीकानेर

↳ राजस्थान में सबसे अधिक शहरीकृत जिले (% के अनुसार सर्वाधिक शहरी क्षेत्र) –

क्र·स·	राज· के सबसे कम शहरीकृत जिले (% के आधार पर)
1·	डूंगरपुर (6·39%)
२·	बाड़मेर (6·98%)
3·	बांसवाड़ा (7·10%)
4·	प्रतापगढ़ (8·27%)
5·	जालौर (8·30%)

क्र·स·	राज· के सबसे बड़े शहरीकृत जिले (% के आधार पर)
1·	कोटा (60·31%)
२·	जयपुर (52·40%)
3·	अजमेर (40·08%)
4·	जोधपुर (34·30%)
5·	बीकानेर (33·86%)

⇒ राजस्थान में ग्रामीण से शहरी पलायन (राष्ट्रीय स्तर पर ७५४ लाख)

कारण – (राजस्थान में ३२ लाख)

	पुरुष काम रोजगार	महिला विवाह
भारत	45·06%	51·80%
राजस्थान	49·16%	59·11%

↳ भारत के कुल पलायन का = राजस्थान 4%

➡ राजस्थान में शहरी आवासों की स्थिति -

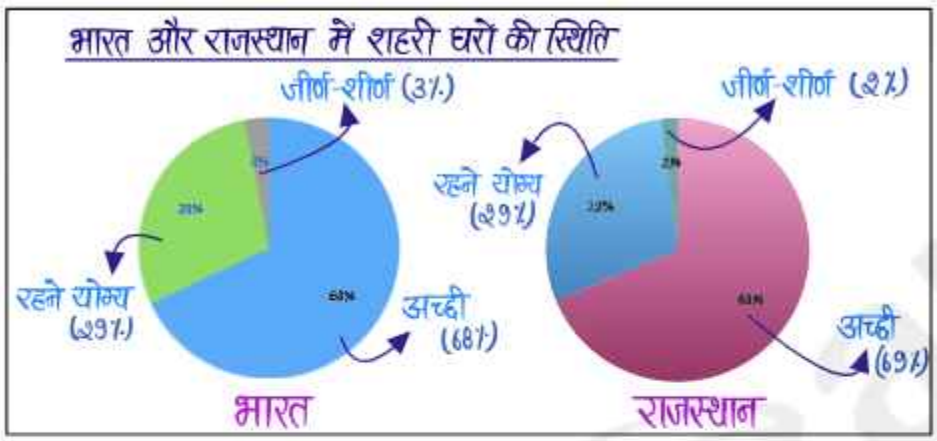

↳ राजस्थान में झुग्गी बस्ती के निवासी -

- कारण- शहरी प्रवास, उच्च बेरोजगारी, गरीबी, आर्थिक ठहराव, खराब नियोजन
- कुल आबादी – २०,६८,००० (कुल शहरी आबादी का १२.13%)

सर्वाधिक – जयपुर, कोटा, जोधपुर

% के अनुसार – (i) पीलीबंगा (74.53%) (ii) जहाजपुर (iii) केसरीसिंहपुर

राजस्थान में शहरी विकास

"राज्य में नागरिकों की सुविधाओं के व्यवस्थित और समन्वित शहरी विकास हेतु कार्यरत"

➡ 5 विकास प्राधिकरण → जयपुर, अजमेर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर

➡ १२ शहरी न्यास

➡ जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

➡ रियल एस्टेट रेग्युलेटरी ऑथोरिटी, राजस्थान (RERA)

➡ राजस्थान आवासन मण्डल

✸ जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन :-

1A = 3 जून 2015 (राज्य सरकार)

1B = 23 Sep. 2020 (ADB + राज्य सरकार)

1C = (DMRC द्वारा विस्तृत D.P.R)
↳ (राज्य सरकार)

1D = मानसरोवर से 200ft बायपास (अजमेर रोड.)
(राज्य सरकार)

Phase-II → 28.5 Km प्रस्तावित

रियल एस्टेट रेग्यूलेटरी ऑथोरिटी, राजस्थान (RERA) :-

- रियल एस्टेट रेग्यूलेशन एण्ड डवलेपमेंट एक्ट 2016, के सभी प्रावधान 1 मई 2017 से प्रभावी
- इसे राजस्थान रियल एस्टेट (रेग्यूलेशन एण्ड डवलपमेंट) नियम 2017 के नाम से अधिसूचित किया गया है।
- राज्य में स्वस्थ, पारदर्शी, कुशल और प्रतिस्पर्धी रियल एस्टेट क्षेत्र के विकास और संवर्धन हेतु राजस्थान सरकार द्वारा 6 मार्च 2018 को RERA एवं रियल एस्टेट अपीलेट ट्रिब्यूनल (REAT) का गठन किया गया।
- RERA का वेब पोर्टल rera.rajasthan.gov.in (1 जून 2017 से शुरू)

राजस्थान आवासन मण्डल :-

- स्थापना – 24 फरवरी 1970
- राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा किए गए नवाचार –
- बुधवार नीलामी उत्सव – ई-बिड द्वारा 50% तक की छूट के साथ 156 मासिक किस्तों में आवास क्रय करने की योजना।

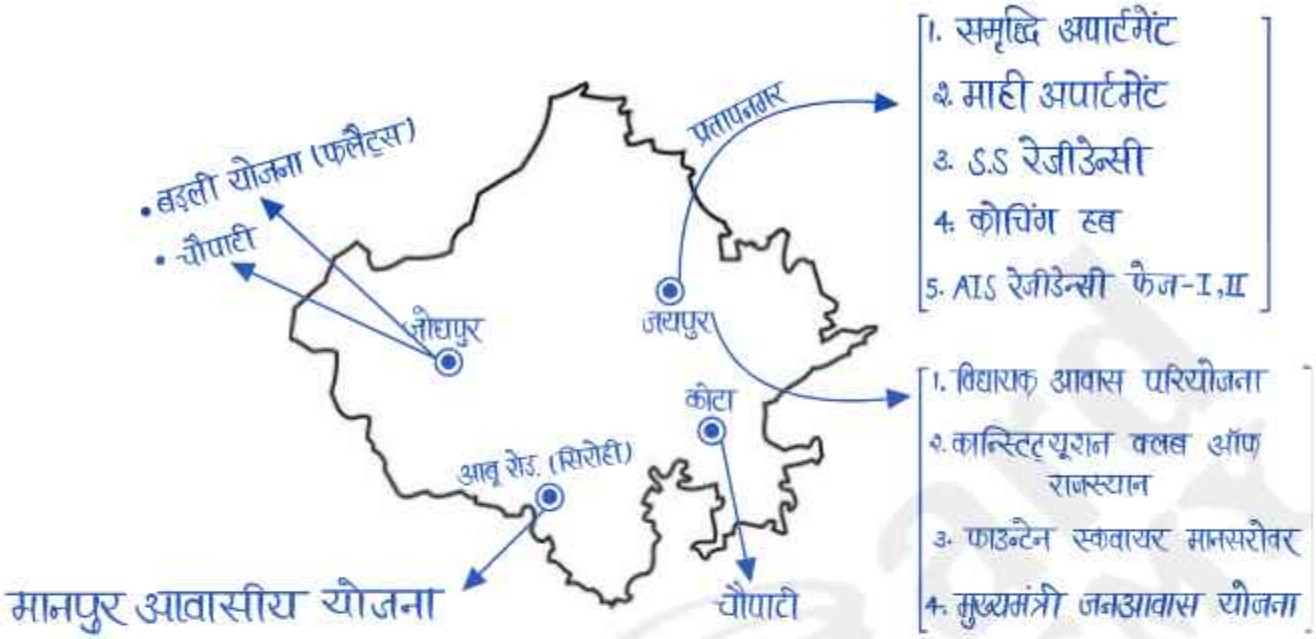

सजग मोबाइल App → आवासों के निर्माण की गुणवत्ता एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने हेतु।

नगर नियोजन विभाग

(1) मास्टर प्लान :-

- यह किसी भी शहर के लिए २० वर्षों के लिए कानूनी संरचनाओं के अन्तर्गत विकास का दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।
- इसके तहत कुल २७१ नगर पालिका शहरों/कस्बों में से १९। नगरपालिका शहरों/कस्बों के मास्टर प्लान राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित किए जा चुके है।

(२) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) :-

- NCR में भरतपुर, अलवर उपक्षेत्र सम्मिलित हैं।
- कोटा व जयपुर NCR के काउंटर मेगनेट शहर हैं।
- इन क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड संचालित हैं।

स्वायत शासन विभाग

(1) दीनदयाल अन्त्योदय योजना/ राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM)-

- स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना एवं राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन को पुनर्गठित किया गया है।
- 213 नगर निकायों में लागू।

(2) छोटे एवं मध्यम कस्बो में शहरी आधारभूत ढांचे की विकास योजना :-

- यह योजना जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन में चयनित शहरों/कस्बों को छोड़कर सभी शहरों/कस्बों में लागू की गई है।
- नोडल एजेंसी (RUDSICO)- राजस्थान शहरी पेयजल, सीवरेज एवं आधारभूत निगम
- शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा अमृत योजना के अनुसार इस योजना में प्रगति वाली 11 परियोजनाओं में हिस्सा राशि 40:20:20 (केन्द्र:राज्य: ULB) कर दी गई।

(3) राजीव आवास योजना (RAY) :-

- भारत सरकार के द्वारा 16 शहर के लिए 13 परियोजनाएँ स्वीकृत
- शहरों की स्लम (झुग्गी झोपड़ी) फ्री बनाने का प्रयास
- इसमें स्वीकृत परियोजनाओं को भारत सरकार द्वारा 'सबके लिए आवास' में शामिल किया जा चुका है।

(4) राजस्थान अर्बन डवलपमेंट फंड-IInd → गठन - 25 Aug. 2021

स्मार्ट सिटी मिशन

- शुरूआत - जून 2015
- मिशन में 5 वर्षों की अवधि में 100 शहरों को सम्मिलित किया गया है।
- भारत सरकार अनुदान के रूप में प्रत्येक शहर के लिए 100 करोड़ ₹ (प्रतिवर्ष) एवं इसके समान ही राशि राज्य सरकार/नगरीय निकाय द्वारा 5 वर्ष के लिए देने का प्रावधान है।

- जयपुर, उदयपुर, कोटा व अजमेर (KAJU) को इस सूची में शामिल किया गया है

अमृत (AMRUT) मिशन - (अटल मिशन रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफोर्मेशन)

- जून 2015 से शुरूआत (केन्द्र सरकार की योजना)
- इसके तहत स्वच्छ भारत मिशन से जुड़े हुए 500 शहरो में जलापूर्ति सुविधाएँ, सीवरेज नेटवर्क, स्टॉर्मवाटर, नालियाँ, शहरी परिवहन तथा खुले तथा हरे भरे स्थानो का विकास शामिल हैं।
- राजस्थान से इसमे कुल 29 शहरों का चयन किया गया हैं।

↳ अमृत 2.0 :-

- 1 अक्टूबर, 2021
- सीवरेज, जल निकायो के जीर्णोद्धार एवं जलापूर्ति के कार्य हेतु कार्यक्रम
- लक्ष्य- 2025-26 तक 'हर घर नल' द्वारा पेयजल उपलब्ध करवाना।

आबादी	केन्द्र सरकार का हिस्सा
1 लाख से कम	50%
1 से 10 लाख	33.33%
10 लाख से अधिक	25%

↳ LED लाईट परियोजना - 19 स्थानीय निकायों में कार्य पूर्ण।

↳ एनर्जी सेविंग प्रोजेक्ट → राजस्थान में स्ट्रीट लाईटिंग में ऊर्जा बचत करने के लिए।

↳ 31 मार्च, 2024 तक 12.02 लाख LED लाईटें लगाई जा चुकी है।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) - 2.0

- इसके अंतर्गत समस्त शहरी स्थानीय निकायों को ODF घोषित किया जा चुका हैं।
- शुभारंभ - अक्टूबर 2021 से स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0
  ↳ अवधि 2 अक्टूबर 2026 तक (5 वर्ष)

श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना :-

- पूर्व नाम- इन्दिरा रसोई योजना
- शुरूआत – २० Aug २०२०
- लक्ष्य - 'लक्ष्य अंत्योदय - प्रण अंत्योदय - पथ अंत्योदय"
- प्रदेश के सभी २५० नगरीय निकायों में १००० इंदिरा रसोई शुरू की जा चुकी हैं।
- इसके तहत 8 ₹ प्रति थाली में दोपहर व रात्रि में भोजन उपलब्ध करवाया जाता है। तथा इसके लिए राज्य सरकार द्वारा २२ ₹ प्रति थाली अनुदान दिया जाता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी):-

- उद्देश्य – बेघर व आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग (वार्षिक आय 3 लाख ₹) व अल्प आय वर्ग (वार्षिक आय 3 लाख से 6 लाख) के परिवारों को सस्ते आवास उपलब्ध करवाना है।

राजस्थान परिवहन आधारभूत विकास निधि :-

- उद्देश्य – २०११-१२ में गठित राज्य में सुरक्षित, प्रदूषण रहित, द्रुतगामी एवं सुगम शहरी यातायात प्रबन्धन हेतु।

"स्वायत्त शासन विभाग द्वारा किए गये नवाचार"

प्रशासन शहरों के संग अभियान :- २ अक्टूबर २०२१ से चलाया गया था।

→ आम नागरिकों की नगरीय निकायों से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए।

इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना :- इसके तहत शहरी क्षेत्र के 5 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को 50,000 ₹ तक का ब्याज मुक्त ऋण।

(शुरुआत- २०२१)

- उद्देश्य
  - रोजगार/ स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने हेतु।
  - रोजमर्रा की जरूरतों के लिए वित्तीय संसाधन उपलब्ध करवाने हेतु।

इंदिरा गाँधी शहरी रोजगार गारन्टी योजना – (3 सितम्बर, 2022)

उद्देश्य - 18 से 60 वर्ष आयु के शहरी व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाना।

➤ 100 + 25 = 125 दिवस का रोजगार उपलब्ध करवाना।

(2023-24 में)

बजट 2024-25

- पेरी अर्बन क्षेत्रों के सुनियोजित विकास के लिए
  - ➤ Rajasthan Regional & Urban Planning Bill - 2024 प्रस्तावित
- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना (घोषणा)
  - ➤ 500 करोड़
  - ➤ प्रत्येक जिले की आवश्यकताओं एवं समस्याओं का निस्तारण।
  - ➤ क्रियान्वयन हेतु – जिला स्तर पर विशेषज्ञों की मिशन टीम
- Bio/ Pink Toilet Complex –
  - ➤ नगरीय क्षेत्रों के बाजारों व सार्वजनिक स्थान पर महिलाओं के लिए
- मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना -
  - ➤ 'प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना' की तर्ज पर शहरी क्षेत्रों एवं कस्बों में स्ट्रीट वेंडर्स के साथ अन्य जरूरतमंद एवं असहाय परिवारों के उत्थान के लिए।
- प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना -
  - ➤ कमजोर वर्ग के लाभार्थी को ₹5,000 ₹ अतिरिक्त अनुदान।

अध्याय - 8 " शिक्षा एवं स्वास्थ्य "

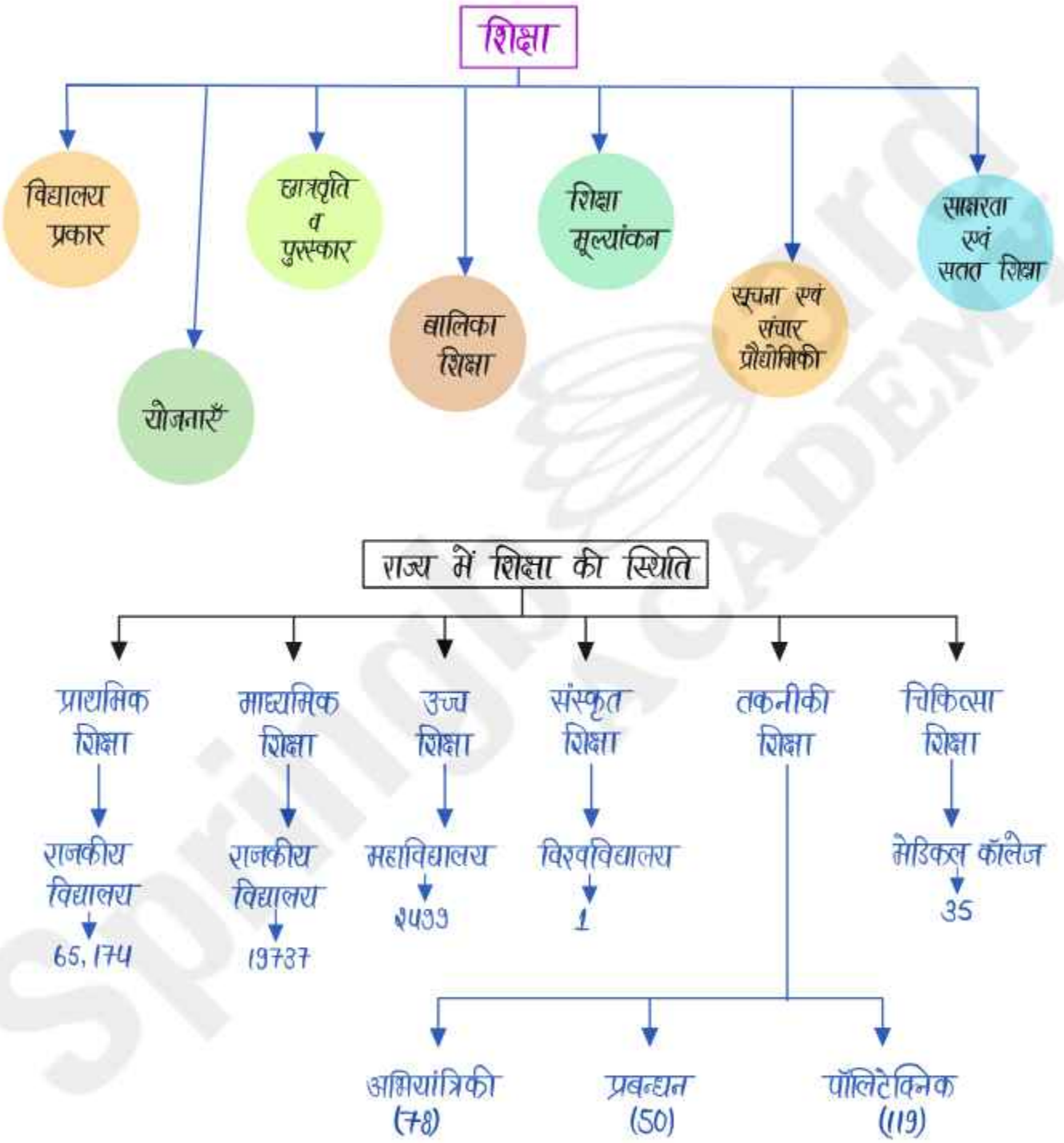

विद्यालयों के प्रकार

नाम	शुरुआत	कक्षा	विशेष
1. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय	2004-05 से	6-12	316 स्कूलों की संख्या
2. मेवात बालिका आवासीय विद्यालय	2015 से	6-8	मेवात क्षेत्र कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्रावास का निर्माण।
3. स्वामी विवेकानन्द सरकारी स्कूल	2016 से	6-12	अंग्रेजी माध्यम CBSE पैटर्न 55% सीटें बालिकाओं के लिए आरक्षण
4. महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल	2019-20 से	1-12	अंग्रेजी माध्यम RBSE पैटर्न
सैनिक स्कूल		6-12	CBSE पैटर्न • राजस्थान का प्रथम - चितौड़गढ़ 2nd - दौरासर (झुंझुनू) 3rd - हल्दीना (अलवर)
आदर्श विद्यालय योजना	2015	माध्यमिक उच्च माध्यमिक	प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर शहरो में भी लागू
PM श्री विद्यालय योजना (कुल - 402 स्कूल)	07 Sep. 2022	1- माध्यमिक 1- प्रारंभिक	राज्य के प्रत्येक ब्लॉक / ULB से दो विद्यालयों का ऑनलाइन पोर्टल से चयन।
लैब विद्यालय (प्रत्येक लैब विद्यालय को डाइट के किसी फैकल्टी द्वारा गोद)			प्रत्येक जिले के 3-आदर्श एवं 3- उत्कृष्ट विद्यालयों का चयन।
महिला शिक्षण विहार (झालावाड़ में संचालित) (100 महिला)		दसवीं तक	• आवासीय विद्यालय • 15-30 आयु वर्ग की तलाकशुदा, विधवा, आदिवासी महिलाओं हेतु
आदर्श वेद विद्यालय (संभाग स्तर पर)			• रैवासा (सीकर) में संचालित आदर्श वेद विद्यालय की तर्ज पर।

योजनाएं

(1) निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना :-

- राज्य पुस्तक मण्डल जयपुर के माध्यम से संचालित ।
- सभी राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8
- 9 से 12 वीं - SC/ST/लड़कियाँ
- वे छात्र जो कर जिनके माता-पिता भुगतान दायरे से बाहर है

→ को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण

(2) विद्यार्थी सुरक्षा दुर्घटना बीमा योजना :-

- सभी राजकीय स्कूल (कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थी)
- कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय
- मेवात बालिका विद्यालय + वैकल्पिक शिक्षा आवासीय विद्यालय

→ में अध्ययनरत विद्यार्थियों पर लागू

- वित्त वर्ष 2022-23 में राजस्थान चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में शामिल कर दिया।

(3) विधवा/परित्यक्ता महिलाओं हेतु मुख्यमंत्री संबल योजना :-

- निजी प्रशिक्षण संस्थानों में दो वर्षीय डिप्लोमा इन अर्ली एजुकेशन (DLED) का अध्ययन करने वाली महिला विधवा/परित्यक्ता को 3000 ₹ रिफंड ।

(4) भामाशाह सम्मान समारोह :- 1 जनवरी 1995 से

- उद्देश्य - स्कूल के शैक्षिक, सह-शैक्षिक और भौतिक विकास में योगदान करने के लिए दानदाताओं को प्रेरित करना ।

(5) स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम :-

- राजकीय/गैर राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्वास्थ्य परीक्षण
- UNICEF द्वारा किशोरी आयु की बालिकाओं (10-19 आयु वर्ग) के लिए एनिमिया नियंत्रण का एक अलग कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

(6.) ज्ञान संकल्प पोर्टल -

- उद्देश्य - सरकारी स्कूलों को भामाशाह की सहायता से वित्तीय सहायता प्रदान कर बुनियादी ढाँचे को मजबूत करना।
- इस पोर्टल के माध्यम से भामाशाह द्वारा दी गई राशि CSR (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) में सम्मिलित होगी।

➡ नेशनल अचीवमेंट सर्वे. 2021 :-

- NCERT दिल्ली द्वारा जारी कक्षावार सीखने के परिणामों मे राजस्थान की कक्षा- 3,5,8 में शैक्षिक गुणवत्ता का औसत स्कोर राष्ट्रीय स्कोर से भी अधिक रहा है।

(7) समग्र शिक्षा अभियान :-

- भारत सरकार का फ्लैगशिप कार्यक्रम
- राजस्थान में राज. स्कूली शिक्षा परिषद के माध्यम से संचालित
- केन्द्र : राज्य = 60:40
- समग्र शिक्षा अभियान 2.0 → 4 Aug 2021 से

➡ निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 :-

- राज्य में 1 अप्रैल 2010 से लागू
- निजी विद्यालयों में कमजोर वर्ग हेतु 25% सीटे आरक्षित।
- आयु सीमा 2.5 लाख ₹ (RTE 2009 की धारा 12(c) के अनुसार)

(8) बाल वाटिका :-

- 4 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए पूर्व प्राथमिक शिक्षा हेतु 1 वर्षीय अध्ययन
- प्रथम चरण में जहाँ आंगनबाड़ियों का समन्वय नहीं है, उन्हें चयनित किया गया। (1090 विद्यालय)
- NEP-2020 के अनुसार प्रावधान

➡ "एक भारत श्रेष्ठ-भारत कार्यक्रम" - 30 मार्च, 2025

↳ राजकीय विद्यालयों में 30 मार्च 2025 (राजस्थान दिवस) को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।

प्री मेट्रिक छात्रवृति–

- लाभार्थी- SC/ST/OBC/SBC/DNT सीमान्त क्षेत्र (OBC) के छात्रों के लिए।

(1) मुख्यमंत्री निःशुल्क यूनिफॉर्म फेब्रिक वितरण योजना :- (बजट 2023-24)

- समग्र शिक्षा केन्द्र : राज्य = 60:40
- अन्य राज्य सरकार (100%)

- 1 से 8 तक राजकीय विद्यालयों में फैब्रिक के 2 सेट

200 ₹ यूनिफॉर्म की सिलाई हेतु

(II) मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना :- 5 जून 2021

- वार्षिक आय 8 लाख ₹ से कम
- केवल 1 वर्ष तक लाभ मिल सकेगा ।
- min. 50% छात्राएँ
- 4 July 2022 को पोर्टल
- 30,000 विद्यार्थियों को लाभ मिल सकेगा (बजट 2023-24)

छात्रवृति एवं पुरस्कार योजना

(1) इन्दिरा प्रियदर्शिनी पुरस्कार - सत्र 2019-20 से प्रारम्भ

➤ OBC/SC/ST/MBC/EWS/दिव्यांग/BPL – 8/10/12 कक्षा (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय) में प्रत्येक जिले में प्रथम स्थान आने पर

- 8th – 40,000 ₹
- 10th – 75,000 ₹
- 12th – 1,00,000 + स्कूटी

➤ संस्कृत शिक्षा विभाग— कक्षा 8th, प्रवेशिका वरिष्ठ उपाध्याय की बोर्ड परीक्षा में राज्य स्तर पर प्रथम आने पर सम्मानित।

➤ 19 नवम्बर इंदिरा गांधी के जन्म दिवस पर

(२) कालीबाई मेधावी छात्रा स्कूटी योजना – उच्च शिक्षा विभाग द्वारा

- GEN/OBC/EWS/SC/ST अल्पसंख्यक छात्रा
- कक्षा 12th → RBSE 65% min.
  → CBSE 75% min.
- कक्षा 10th → ST वर्ग की छात्रा – min 65%
  → CBSE – 75%
- वार्षिक पारिवारिक आय 2.5 लाख से कम होनी चाहिए।

बजट २०२३-२४
- स्कूटी संख्या २०,००० से बढ़ाकर ३०,०००
- ई-स्कूटी का विकल्प

(3) देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना –

- उच्च शिक्षा विभाग द्वारा
- अति पिछड़े वर्ग (जैसे – बंजारा, गाड़िया लुहार, राईका, रेबारी, देवासी आदि)
- RBSE/CBSE – 12वीं परीक्षा - min 50% व प्रथम वर्ष में नियमित होना आवश्यक
- स्नातक के तीनों वर्षों में 10,000 ₹ वार्षिक
  स्नातकोत्तर के दो वर्षों में २० हजार वार्षिक
  – 50% marks आवश्यक
- वार्षिक पारिवारिक आय 2.5 लाख से कम होनी चाहिए।

- 1500 स्कूटी वितरण
- शेष को प्रोत्साहन राशि

(4) आपकी बेटी योजना :- 2004-05

- BPL
- माता-पिता में से एक की मृत्यु
- राजकीय स्कूलों में अध्ययनरत
- 1-8 कक्षा – 2100 ₹/year
  9-12 कक्षा – 2500 ₹/year

(5) मुख्यमंत्री हमारी बेटी योजना – 2015-16

- राजकीय विद्यालय
- BPL श्रेणी, अनाथ → जिले में 1st व 2nd
- न्यूनतम – 75% अंक
- कक्षा 11, 12 हेतु
- व्यावसायिक शिक्षा/प्रशिक्षण हेतु 1,15,000 ₹ तथा स्नातकोत्तर में 2,25,000 ₹ तक वित्तीय सहायता

(6) गार्गी पुरस्कार :- 1998

- 10th Class - 75% + all girls
- 6000 ₹ (3000 ₹ - 11th, 3000 ₹ - 12th)
- बसंत पंचमी को पुरस्कार वितरण
- विवेकानंद स्कूलों में 10 वीं में 8 से 10 CGPA पर भी ।

(7) राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस -

- प्रतिवर्ष 200 मेधावी छात्रों को
- विश्व के शीर्ष 150 महाविद्यालय में पढ़ने का मौका
- सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क - राज्य सरकार

बजट 2023-24 में 500 मेधावी छात्रो को

(8.) मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृति योजना -

- 12th प्रथम 1 लाख छात्र
- सामान्य छात्र - 500 ₹/month (वर्ष 5000 ₹)
- विकलांग छात्र - 1000 ₹/month (वर्ष 10,000 ₹)
- अल्पसंख्यक छात्र -1000 ₹/month (वर्ष 10,000 ₹)

शर्त - पारिवारिक आय 2.5 लाख से कम + अन्य कोई छात्रवृतियाँ लाभ नही

(9.) बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना -

- 24 Aug 2022 से
- VMOU/IGNU - दूरस्थ UG/PG/डिप्लोमा - छात्राओं को ट्यूशन फीस का पुनर्भरण

(10.) विधवा / परित्यक्ता मुख्यमंत्री (B.ed) सम्बल योजना -

- 17,880 ₹ की प्रतिपूर्ति
- सरकारी / निजी प्रशिक्षण संस्थान में

(11) निः शुल्क साइकिल वितरण योजना

➡ बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु कदम –

(1) बालिका शिक्षा फाउण्डेशन – स्थापना – 30 मार्च 1995
- मुख्यालय - जयपुर
- अध्यक्ष - मुख्यमंत्री
- उपाध्यक्ष – उपमुख्यमंत्री
- उच्च तकनीकी शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता

(2) मीना - राजू एवं गार्गी मंच :-
- सामाजिक मुद्दों जैसे बाल विवाह पर जागरूकता हेतु ।
- कक्षा 6 से 8 वी की बालिकाओं हेतु मीना राजू मंच ।
- कक्षा 9 से 12 की बालिकाओं हेतु गार्गी मंच ।

(3) शैक्षणिक किशोरी मेला :-
- विज्ञान और गणित पर विशेष ध्यान देने हेतु ।
- ब्लॉक, जिला, PEEO स्तर पर शैक्षणिक किशोरी मेला ।

- 11 अक्टूबर → अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस
- 24 जनवरी → राष्ट्रीय बालिका दिवस

(4) रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण - "सक्षम" –

सहयोग – राजस्थान पुलिस अकादमी जिला स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण
- नामांकन / ठहरात / सीखने में वृद्धि

(5) सुरक्षित विद्यालय सुरक्षित राजस्थान (SSSR) :-
- जेंडर संवेदी वातावरण एवं जागरूकता हेतु

(6) जेण्डर ऑडिट :-
- 5 आकांक्षी जिलों (बारां, धौलपुर, करौली, सिरोही, जैसलमेर) में बालिका शिक्षा हेतु ।

- 6 अधिक जेण्डर गेप वाले जिले (अलवर, बाड़मेर, भरतपुर, जालौर, जोधपुर, झालावाड़)

(7) आपणी लाडो :

- "बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ" कार्यक्रम → बालिका शिक्षा को बढ़ावा।
- नामांकन बढ़ाने हेतु राज्य के सभी 68,026 विद्यालयों में रैली का आयोजन।

शिक्षा मूल्यांकन हेतु

(A) एकीकृत शाला दर्पण :-

- स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान का लाईव डेटाबेस प्रबंधन जहाँ सभी सरकारी स्कूलों और शिक्षा कार्यालयों की जानकारी ऑनलाइन।

(B) शाला सिद्धि :- राष्ट्रीय योजना, स्कूल मूल्यांकन हेतु।

- प्रारम्भिक एवं माध्यमिक स्तरों पर विद्यालय सुधार हेतु।

(C) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम :-

- NEP-2020 + निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए कक्षा 1 से 5 में अध्ययन कराने वाले शिक्षकों का 6 दिवसीय प्रशिक्षण।

(D) STARS योजना (स्ट्रेंथिंग टीचिंग लर्निंग एण्ड रिजल्ट फॉर स्टेट) :-

- "समग्र शिक्षा" के माध्यम से वर्ष 2020-21 में STARS कार्यक्रम की शुरूआत की गई।
- उद्देश्य - भारत के 6 राज्यों में स्कूली गुणवत्ता एवं शासन में सुधार लाना।
- केन्द्र : राज्य = 60:40
- विश्व बैंक द्वारा वित पोषित।

- राज्य मॉडल संसाधन कक्ष :-
  - समग्र शिक्षा के अन्तर्गत जयपुर एवं उदयपुर में स्थापित ।
  - विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को शैक्षिक एवं चिकित्सकीय सेवाएँ ।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी

(1) Click योजना (कम्प्यूटर लिटरेसी इनिशिएटीव फॉर कॉम्प्रीहेंसीव नॉलेज) :-
- सरकारी स्कूलों के कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों को Computer प्रशिक्षण ।

(२) दीक्षा पोर्टल :-
- शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में
- ई-सामग्री वेब पोर्टल

(4) प्रोजेक्ट SMILE (Social Media Interface for learning Engagement) :-
- 13 अप्रैल २०२० को शुरू
- E-Learning को बढावा देने हेतु ।

(5) राजीव गांधी करियर पोर्टल :-
- 6 Feb 2019 को प्रारम्भ
- UNICEF का सहयोग
- जयपुर में देश का पहला केन्द्र
- करियर उन्मुख शिक्षा जागरूकता

(6) मिशन स्टार्ट– कक्षा 9-12 तक के विद्यार्थियों को शिक्षा विभाग के द्वारा डिजिटल कंटेट उपलब्ध करवाना ।

↳ "ब्लेंडेड मोड ऑफ़ लर्निंग" का उपयोग करके शिक्षा को प्रभावी बनाना

वैकल्पिक स्कूली शिक्षा एवं औपचारिक शिक्षा प्रकोष्ठ :-

आवासीय / गैर आवासीय विशेष प्रशिक्षण शिविर

↳ 7-14 आयु वर्ग के बच्चे
- जिन्होंने कभी नामांकन नहीं करवाया
- विद्यालय बीच में छोड़ चुके
- जिन्हें विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता है

↳ जिला/ब्लॉक एवं कलस्टर संसाधन केन्द्र स्तर पर आयोजित

सीजनल छात्रावावास-

↳ आजीविका व पलायन से प्रभावित छात्रों की समस्या समाधान हेतु प्रवासी अवधि के दौरान SMC द्वारा प्रवासी छात्रावास की स्थापना।

आवासीय विद्यालय/ छात्रावास-

↳ अलवर, बाड़मेर, भरतपुर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, जालौर। बेघर, गरीब, अनाथ छात्रों के लिए ग्रामीण क्षेत्र में 3 एवं शहरी क्षेत्र में 1 आवासीय छात्रावास सुविधा।

ट्रांसपोर्ट एस्कॉर्ट सुविधाएं :-

- कक्षा 1-5
  - 1-Km से दूर
- कक्षा 6-8
  - 2 Km से दूर हेतु
- कक्षा 9-12
  - 5Km से दूर हेतु
  - ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों
- उच्च शिक्षा
  - बजट 2023-24

राजकीय स्कूलों को अनुदान-

- पुस्तकालय अनुदान
  - पढ़े भारत-बढ़े भारत के तहत
- खेल अनुदान
  - खेले इंडिया- खिले इंडिया के तहत
- कम्पोजिट स्कूल अनुदान
- ब्लॉक सन्दर्भ केन्द्र (BRC)
- संकुल सन्दर्भ केन्द्र (CRC)

सपोर्ट टू S·C·P·C·R (बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए राज्य आयुक्त) :-

- RTE Act· 2009 के तहत शिकायत निवारण को मजबूत व बाल अधिकारों की रक्षा के लिए गतिविधि।
- नोडल एजेंसी – बाल संरक्षण हेतु राज्य व राष्ट्रीय आयोग।

युथ एवं ईको क्लब :-

- छात्रों में जीवन कौशल व पर्यावरण से जुड़ाव क्षमता हेतु।
- माध्यमिक शिक्षा विद्यालयों में गठन।

स्टूडेन्ट पुलिस कैडेट योजना :-

- पुलिस एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में संचालित
- उद्देश्य – विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना।
- योजना के संचालन के लिए प्रतिविद्यालय 50,000 राशि।
- केन्द्र : राज्य = 60:40

सपोर्ट फॉर एज ग्रुप 16-19–

औपचारिक शिक्षा पूर्ण नहीं कर चुके विद्यार्थियों को राजस्थान स्टेट ऑपन स्कूल (RSOS) एवं NIOS के माध्यम से 10 वी-12वीं के शिक्षण व परीक्षा का आयोजन।

साक्षरता एवं सतत शिक्षा

(1) उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम :-

- भारत सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2022 से लागू
- राज्य के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के व्यक्तियो को साक्षर बनाने का अभियान
- स्वयंसेवक आधारित जन अभियान
- केन्द्र : राज्य = 60:40

(२) ई-कक्षाएँ-

शुरुआत- 8 सित. 2023 (अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस)

- संचालन - साक्षरता विभाग
- मिशन ज्ञान के सहयोग से 2 youtube चैनल (ई-साक्षरता व साक्षर राजस्थान) प्रारंभ किए गए।

(३) महात्मा गांधी पुस्तकालय एवं अध्ययन कक्ष :-

- बजट 2021-22 में साक्षर भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत घोषणा
- संख्या- 14,970
- गांधी जी के जीवन दर्शन को जन-जन तक पहुँचाने व पढ़ने में रूचि बढ़ाने हेतु।
- प्रभारी - प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, ग्राम पंचायत स्तर पर ।

संस्कृत शिक्षा :-

- 1958 में पृथक संस्कृत निदेशालय व 1998 में पहला संस्कृत विश्वविद्यालय की शुरुआत।
- राजस्थान में कुल 2250 संस्कृत संस्थान हैं।
- महापुरा, जयपुर में 'राजस्थान राज्य संस्कृत शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (SSIERT) संचालित है।

सावित्री बाई फुले वाचनालय -

- सभी जिला पुस्तकालयों में स्थापित किए गए।
- प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए विशेष सुविधा ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु-

◎ विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु गतिविधियाँ (CWSN)-

- CWSN को मुख्य धारा में लाना और सामाजिक बनाना एवं नामांकन, प्रतिधारण व एकीकरण में सुधार करना ।

समुदाय जागृति दिवस-

SMC- SDMC की प्रत्येक माह आयोजित बैठकों को उद्देश्यपरक सफल संचालन एवं मॉनिटरिंग हेतु विद्यालय विकास प्रबन्धन समिति की तीन बैठके निर्धारित दिन को आयोजित कर 'समुदाय जागृति दिवस' के रूप में राज्य के सभी विद्यालयों में आयोजित।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

- स्थिति
- योजनाएँ / मिशन / अभियान / कार्यक्रम

राज्य में स्थिति - 31 मार्च, 2024 तक

मेडिकल कॉलेज - 35
- 6- राजकीय
- 1- RUHS
- 17- राजमेस
- 1- ESI कॉलेज, अलवर
- 1- AIIMS, जोधपुर
- 3- निजी

चिकित्सालय
• 43- जिला
• 71 - उपजिला
• 16 - सैटेलाइट
• 47 - अन्य

निरोगी राजस्थान अभियान :-

- 18 Dec. 2019
- उद्देश्य - राजस्थान के समस्त नागरिकों की स्वास्थ्य समस्याओ और रोकथाम
- यह एक जागरूकता कार्यक्रम है।

गतिविधियाँ-

1. जनसंख्या नियंत्रण (परिवार कल्याण कार्यक्रम)
2. वृद्धावस्था में स्वास्थ्य देखभाल
3. खाद्य पदार्थ एवं मिलावट

4. गैर संचारी रोग
5. टीकाकरण एवं व्यस्क टीकाकरण (सम्पूर्ण टीकाकरण)

स्वास्थ्य मित्र :-

- राज्य के प्रत्येक राजस्व ग्राम वार्ड में एक स्वास्थ्य मित्र (महिला व पुरुष) का चयन कर प्रशिक्षण दिया गया।
- बिना पारिश्रमिक के कार्य करेंगे।
- जनता को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु।

मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना :- 1 अप्रैल, २०२२ से

- निःशुल्क दवा एवं निःशुल्क जाँच योजना का विस्तार है।
- मेडिकल कॉलेज से जुड़े विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों पर इनडोर और आउटडोर मरीजो को निःशुल्क आवश्यक दवाएं एवं जांच सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।
- १२५२ औषधियाँ + ५२१ सर्जिकल आइटम + १५१ सूचर्स आइटम सूचीबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना :-

- २ अक्टूबर २०१। से प्रारम्भ।
- चिकित्सकों व स्वास्थ्य केन्द्रों के सभी रोगियों की आवश्यक दवाइयाँ (निःशुल्क)
- आउटडोर व इनडोर मरीज
- राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (RMSC) - खरीद हेतु नोडल एजेंसी
- सभी जिलों में 'जिला ड्रग वेयर हाउस'

मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना :-

- 7 अप्रैल २०13 से प्रारम्भ (7 April - World health day)

शुद्ध के लिए युद्ध अभियान :-

- २6 अक्टूबर २०२०
- उद्देश्य :- राज्य के सभी उपभोक्ताओं को शुद्ध खाद्य वस्तु उपलब्ध कराना।
- 15 फरवरी, २०२५ से निरंतर "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान चलाया जा रहा है।

→ सूचना की सही जानकारी देने पर 51,000₹ का ईनाम।

राजस्थान जननी शिशु सुरक्षा योजना –

→ 108 टोल फ्री निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा योजना सितम्बर, 2008 में।
→ गर्भवती महिलाओं व शिशुओं को निःशुल्क चिकित्सा व अन्य सुविधा।
→ 104 = जननी एक्सप्रेस सेवाएँ।
→ N.F.H.S-5 के अनुसार राज्य में कुल प्रजनन दर (T.F.R) 2.0 के राष्ट्रीय स्तर की बराबरी कर ली है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना :- 1 May 2021

→ पूर्व नाम- "मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना"

→ उद्देश्य –
- चिकित्सा सेवाओं के लिए सरकारी + निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार
- स्वास्थ्य देखभाल हेतु परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना

- NFSA
- SECC
- छोटे सीमांत किसान
- संविदा कर्मी
- COVID अनुग्रह योजना
- EWS

} → निःशुल्क एवं शेष 850₹ प्रतिवर्ष (प्रति परिवार)

[प्रीमियम की शेष राशि का भुगतान सरकार द्वारा किया जायेगा (₹1115)]

→ प्रतिवर्ष परिवार बीमा राशि 25 लाख ₹
- बीमा मोड- 5 लाख ₹
- ट्रस्ट मोड- 20 लाख ₹

→ इस योजना में कुल 1806 उपचार पैकेज शामिल हैं। (सर्वे 2023-24 के अनुसार)
→ चिकित्सालयों में भर्ती होने के 5 दिन पूर्व तथा 15 दिन पश्चात का खर्च शामिल।
→ सरकारी निजी चिकित्सालयों में कैशलेस सुविधा।
→ इसी के साथ प्रदेश निःशुल्क यूनिवर्सल हेल्थ केयर उपलब्ध करवाने वाला एकमात्र राज्य बन गया है।

- बजट घोषणा २०२४ के अनुसार कैंसर के 73 Day केयर पैकेज योजना में शामिल है।
- नया चरण → 30 जनवरी २०२३ से शुरू, प्रीमियम राशि - 1965 ₹/परिवार

मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना :-

- 1 may २०२२ में
- चिरंजीवी परिवारों का 5 लाख ₹/परिवार का निःशुल्क दुर्घटना बीमा।
- 7 प्रकार की दुर्घटना को शामिल किया गया है।
- मृत्यु पर 5 लाख ₹, हाथ-पैर या आंख में से कोई अंग नष्ट हो जाने पर 3 लाख ₹, इनमें से 1 अंग नष्ट होने पर 1.5 लाख ₹।

चिरंजीवी जीवन रक्षक योजना :-

- सभी प्रकार के यातायात सड़क दुर्घटना पीड़ितों को ७२ घंटे तक निःशुल्क आपातकालीन उपचार
- जीवन बचाने वाले को 5000 ₹ व प्रशस्ति पत्र। (बजट-२०२४-२५ = 10,000 ₹)

RGHS (राज. सरकार स्वास्थ्य योजना) :- (CGHS की तर्ज पर)

- 1 जुलाई २०२१ से शुरू
- राज्य के मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक, अखिल भारतीय सेवाओं के सेवारत व सेवानिवृत्त अधिकारी, राज्य सरकार के सेवारत कर्मचारी व पेंशनभोगी व उनके व्याश्रित, राज्य स्वायत निकाय सेवारत कर्मचारी और पेंशनभोगी शामिल है।
- कैशलेस ईलाज
- सरकारी/सूचीबद्ध निजी अस्पताल/राज्य से बाहर 10 से अधिक निजी अस्पतालों में सुविधा उपलब्ध
- पंजीकरण जन आधार के माध्यम से किया जा सकता है।
- ऐलोपेथी के अलावा AYUSH भी शामिल।
- यह पूर्ण रूप से ऑनलाइन स्वचालित, पेपरलेस योजना
- मोबाइल App – RGHS कनेक्ट

राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम :-

- सभी जिले फ्लोरोसिस से प्रभावित है।
- वर्तमान में 30 जिलो में योजना संचालित ।
- भारत में फ्लोरोसिस से प्रभावित क्षेत्र का लगभग 50% राजस्थान से है।

राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम :-

- केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2014-15 में शुरू
- उद्देश्य - मुख स्वास्थ्य मे सुधार एवं ग्रामीण एवं शहरी आबादी में मुख स्वास्थ्य की सेवाओ में उपलब्ध असमानता को कम करना ।

आदर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र / मॉडल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र :-

- उद्देश्य - ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना ।
- वर्तमान में कुल 685 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को आदर्श-प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो के रूप में विकसित किया गया है।

आयुर्वेद एवं अन्य चिकित्सा पद्धतियाँ :-

- 123 आयुर्वेद चिकित्सालय, 83 ब्लॉक आयुष चिकित्सालय, 3 योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय
- अजमेर में राजस्थान आयुष अनुसंधान केन्द्र की स्थापना ।
- राजस्थान राज्य आयुष सोसाइटी का गठन – मार्च, 2015

कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ESI) :-

- निजी क्षेत्र के कर्मचारियों व उनके आश्रितो हेतु ।
- 10 कर्मचारियों वाली संस्थान पर लागू जिनका वेतन 21 हजार प्रतिमाह तक हो ।
- विशिष्ट प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजना
- कर्मचारी के साथ-साथ उनके पति/पत्नी, आश्रित पुत्र (21 वर्ष तक) आश्रित अविवाहित पुत्री शारीरिक एवं मानसिक रूप से विकलांग बच्चे व आश्रित, माता-पिता को चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती है।
- वर्ष 2023-24 के दौरान 50 बैड वाले 3 चिकित्सालय (जोधपुर, पाली, भीलवाड़ा) और 74 औषधालयों द्वारा चिकित्सा सेवा प्रदान ।

खसरा - रूबेला अभियान :- भारत सरकार द्वारा

↳ २२ जुलाई २०१३ से प्रारम्भ

↳ उद्देश्य - २०२३ तक खसरा/रूबेला (जन्मजात) उन्मूलन ।

↳ ९ माह से १५ वर्ष के बच्चों का टीकाकरण ।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन :-

↳ राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (NRHM) व राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (NUHM) इसके उपमिशन हैं।

- आशा सहयोगिनी :- मान्यता प्राप्त सामाजिक कार्यकर्ता जिसका कार्य स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना है।

- ऊषा :- शहरों में आशा सहयोगिनी का नाम । (चयन → ग्रामसभा द्वारा)

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) :-

↳ इसके तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों, राजकीय विद्यालयों तथा मदरसों पर १८ वर्ष तक के सभी बच्चो की Four D's Defects at birth Disease, Deficiencies, Developmental delays Disabilities की जाँच एक समर्पित मोबाइल स्वास्थ्य दल के माध्यम से की जा रही है।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम :-

(१२ उच्च प्राथमिकता वाले जिलो में)

↳ शुरूआत = ७ जनवरी, २०१५

↳ राज्य के १२ जिलों में ३३२ सुविधाओं में किशोर अनुकूल स्वास्थ्य क्लिनिक "उजाला क्लिनिक" स्थापित किए गए है।

आयुष्मान आरोग्य मन्दिर-

↳ आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी उप-स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को 'आयुष्मान आरोग्य मन्दिर' (SHC-AAM) के रूप में क्रियाशील करने का निर्णय लिया गया है।

↳ राज्य में १३१। आयुष्मान आरोग्य मन्दिर कार्यरत है।

↳ राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति - २०१७ के तहत ।

शहरी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर -

↳ उद्देश्य - राजस्थान की शहरी गरीब और कमजोर आबादी को उच्च गुणवत्ता वाली प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना, जहाँ कोई स्वास्थ्य सुविधा नहीं है।

↳ पहले इसे "जनता क्लिनिक" के नाम से जाना जाता था।

↳ प्रत्येक आयुष्मान मन्दिर लगभग २०,००० जनसंख्या को कवर करेगा।

↳ वर्तमान में राज्य में ३५६ शहरी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर संचालित है।

ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति (VHSC) :- संयोजक - आशा सहयोगिनी

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम -

इसके अन्तर्गत शिविर आयोजित कर रोगियों का उपचार किया जाता है।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम -

↳ राज्य में ३५५ Blood Bank
- → 58 राज्य सरकार
- → 7 केन्द्र सरकार
- → 179 निजी क्षेत्र

राष्ट्रीय आयुष्मान मिशन -

↳ आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

↳ राज्य में आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के सर्वांगीण विकास हेतु राजस्थान राज्य आयुष सोसायटी और राष्ट्रीय आयुष मिशन कार्यालय की स्थापना।

राजस्थान जननी शिशु सुरक्षा योजना -

↳ गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध करवाना।

↳ सहयोग - भारत सरकार

☞ जननी एक्सप्रेस → कॉल नम्बर - 104, 108

☞ एम्बुलेंस सेवा योजना → कॉल नम्बर - 108

ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण समिति-

↳ सरपंच / वार्डपंच की अध्यक्षता में 43,440 ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समितियों का गठन।

टेलीकन्सलटेशन (ई-संजीवनी):-

↳ इसे केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, सी-डैक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा डिजाइन व विकास

↳ 1 May 2020 - E-Sanjeevani opd पोर्टल → पेसेन्ट टू डॉक्टर

↳ esanjeevanihwc पोर्टल लॉन्च → इसे हब & स्पोक मॉडल भी कहते है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

1. आयोडिन अल्पता विकार नियंत्रण कार्यक्रम-

↳ प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को राज्य के समस्त जिलों में "Global Iodine Deficiency Day" के रूप में मनाया जाता है।

2. तम्बाकू मुक्त युवा अभियान-

↳ 31 मई से 31 जुलाई, 2023 तक पूरे भारत में "राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम" के अन्तर्गत संचालित हुआ।

↳ तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों में राजस्थान प्रथम (तंबाकू नियंत्रण उत्कृष्टता पुरस्कार)

3. 9 वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस थीम - (वसुधैव कुटुंबकम)

4. राज्य स्तरीय आरोग्य मेला - दूदू

राजस्थान स्वास्थ्य संकेतक प्रवृतियाँ

संकेतक	राजस्थान		भारत	
	NFHS-4 (2015-16)	NFHS-5 (2020-21)	NFHS-4 (2015-16)	NFHS-5 (2020-21)
1. नवजात मृत्यु दर (NNMR) (प्रति 1000 जीवित जन्म)	29.8	20.2	29.5	24.9
2. शिशु मृत्यु दर (IMR) (प्रति 1000 जीवित जन्म)	41.3	30.3	40.7	35.2
3. 5 वर्ष से कम आयु की मृत्यु दर (U5MR) (प्रति 1000 जीवित जन्म)	50.7	37.6	49.7	41.9
4. कुल प्रजनन दर (TFR) (प्रति महिला बच्चे)	2.4	2.0	2.2	2.0
5. संस्थागत जन्म प्रतिशत	84.0	94.9	78.9	88.6
6. पूर्ण टीकाकरण प्रतिशत	54.8	80.4	62.0	76.4

बजट 2024-25

1. बीकानेर, अजमेर, भरतपुर के इंजिनियरिंग कॉलेजों का उन्नयन कर राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (RIT) स्थापित करना।
2. विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को 'कुलगुरू' की पदवी।
3. राजकीय विद्यालयों में कक्षा-8, 10, 12 में राज्य तथा जिला स्तर पर मेरिट में आने वाले 33,000 विद्यार्थियों को-
   "3 साल इंटरनेट कनेक्शन के साथ टेबलेट"
4. महाराजा आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर-
   - 10 करोड़ की लागत से उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में
   - उद्देश्य- ज्योतिष एवं वास्तु विद्या के अध्ययन एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना।

राजस्थान डिजिटल हेल्थ मिशन- प्रदेशवासियों को बेहतर Medical Consultancy और स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध करवाने के लिए 'e-Health Record' प्रस्तावित।

- बजट का 8.26% – चिकित्सा व स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए
- MAA Yojna (मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना)
- MAA वाउचर योजना- गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच के लिए
  - प्राईवेट सेंटरों पर निः शुल्क सोनोग्राफी की सुविधा।
  - महिलाओं को QR-आर कोड आधारित ई- वाउचर मिलेगा।
  - 3 लाख गर्भवतियों को लाभ।
- प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में- आयुष्मान मॉडल CHC
- MAA Health Infrastructure मिशन – चिकित्सा सुविधाओं के उन्नयन के लिए

- आयुष्मान टावर - SMS चिकित्सा महाविद्यालय, जयपुर
- Center of Excellence for Medical Genetics → जे.के लोन अस्पताल, जयपुर में Rare diseases के निदान एवं उपचार हेतु।

- प्रत्येक विधानसभा में 5 नयी आंगनवाड़ी

बच्चों को सप्ताह में तीन दिन दूध

2000 केन्द्रों का आदर्श आंगनवाड़ी के रूप में उन्नयन

250 माँ - वाड़ी केन्द्रों की स्थापना

* Rare disease fund- 50 cr.₹

Spring Board ACADEMY

अध्याय - 9 " सामाजिक सेवाएँ "

" सरकार द्वारा व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण को बढ़ाने, समुदायों में समानता और अवसर को बढ़ावा देने में मदद करना है।"

जलापूर्ति

जल जीवन मिशन :-

- 15 अगस्त 2019 से शुरूआत
- लक्ष्य - वर्ष 2024 तक कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर पानी की आपूर्ति करना है।
- केन्द्र : राज्य = 50 : 50
- जलशक्ति मंत्रालय द्वारा
- राज्य में क्रियान्वयन

- भारत के संविधान में 73 वें संशोधन में पेयजल विषय को 11 वीं अनुसूची में रखा गया है। इसलिए JJM के तहत ग्राम पंचायते और स्थानीय समुदायों की अहम भूमिका है।

खाद्य आपूर्ति

(1) PM पोषण योजना (मिड-डे- मील योजना)-

उद्देश्य →
- नामांकन बढ़ाना
- बच्चों को पोषण सम्बन्धी सहायता प्रदान
- विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित करना।

- कक्षा 1 से 8 के बच्चों को →
  - सरकारी स्कूल
  - मदरसे
  - सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल
  - विशेष प्रशिक्षण केन्द्र

  } पर पोषण सुविधा

कक्षा 1 से 5 = 100 ग्राम / प्रतिदिन (गेहूं / चावल) न्यूनतम 450 कैलोरी + 12 gm प्रोटीन
कक्षा 6 से 8 = 150 ग्राम / प्रतिदिन (गेहूं / चावल) न्यूनतम 700 कैलोरी + 20 gm प्रोटीन

- 1995 में प्रारम्भ — कक्षा 1 से 5 तक → 2007 — कक्षा 1 से 8 (शिक्षा मंत्रालय द्वारा)
- केन्द्र प्रायोजित योजना

* मिड डे मील में 'तिथि भोज / उत्सव भोज' योजना :-

- लोगों के जन्म दिवस जैसे उत्सव पर योगदान को प्रेरित करने हेतु ।

* मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना :-

- MDM केन्द्र पर
- कक्षा 1 से 5 - 15 gm मिल्क पाउडर से तैयार 150 ml दूध (चीनी 8.4 gm)
  कक्षा 6 से 8 - 20 gm मिल्क पाउडर से तैयार 200 ml दूध (चीनी 10.2 gm)
- राजस्थान कॉपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड द्वारा 400 ₹/Kg, 1 Kg मिल्क पाउडर पैकिंग उपलब्ध करवाई जा रही है।
- सप्ताह में 6 दिन (वित्तीय वर्ष 2023-24 से)

(२) समेकित बाल विकास सेवाएँ (I.C.D.S) :-

- २ अक्टूबर, 1975 से बांसवाड़ा की गढ़ी पंचायत समिति से शुरूआत
- आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सेवाएँ –

1. पूरक पोषाहार – 6 माह से अधिक तथा 6 वर्ष की आयु के बच्चे, गर्भवती धात्री महिलाएं, 6-14 वर्ष की किशोरी बालिकाएं
२. बचपन और शाला पूर्व शिक्षा – 3-6 वर्ष की आयु के बच्चे
3. पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा — 15-45 वर्ष की महिलाएं व किशोरी बालिकाएं
4. टीकाकरण – 0-6 वर्ष के बच्चे एवं गर्भवती महिलाएँ
5. स्वास्थ्य जाँच – 0-6 वर्ष के बच्चे, गर्भवती, किशोरी
6. रेफरल सेवाएँ

↳ नन्द घर योजना :- ICDS में जनसहभागिता बढ़ाने के लिए

प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना :-

- गर्भवती महिला, नन्हे शिशु (0 से 6 माह) के स्वास्थ्य/पोषण में सुधार हेतु
- 5000 ₹ → दो किश्तों में (3000, 2000) → 1 अप्रेल २०२३ से
- दूसरे बच्चे के जन्म पर (यदि लड़की) एक मुश्त राशि = 6000 ₹

किशोरी बालिका योजना :-

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा
- परन्तु 1 अप्रैल २०२२ से राज्य के पाँच आकांक्षी जिलो (बारां, करौली, जैसलमेर, धौलपुर, सिरोही) में आयु वर्ग 14-18 वर्ष की किशोरी बालिकाओं के आत्मविकास के लिए सहयोगात्मक वातावरण निर्माण हेतु ।

बाल अधिकारिता – २०13 में विभाग की स्थापना

मिशन वात्सल्य योजना :- व्यापक योजना है जिसका उद्देश्य बालकों/बालिकाओ हेतु संरक्षित परिवेश तैयार करना है।

↳ केन्द्र प्रवर्तित योजना (60:40)

खाद्य उपभोक्ता मामलात -

राजस्थान राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति लिमिटेड (RSFCSCL) :-

- 27 दिसम्बर, 2010 से कार्यरत
- कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत स्थापित
- अंत्योदय परिवारों को 1Kg चीनी वितरण
- RSFCSCL का उद्देश्य राज्य में PDS का प्रभावी क्रियान्वन है।
  चीनी वितरण के लिए नोडल एजेंसी ।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (NFSA) :-

- शुरूआत - 10 सितम्बर 2013 से
- स्टेट BPL 5 Kg/प्रति व्यक्ति/प्रतिमाह ⇒ 1₹/Kg { भारत सरकार - 2₹, राजस्थान सरकार - 1₹ (1 मार्च 2013 से)
  AAY 35 Kg/परिवार
- उद्देश्य - देश की 67% आबादी को भोजन उपलब्ध करवाना।
  - ग्रामीण 75%
  - शहरी 50%
- राशन डीलर की कोरोना से मृत्यु होने पर 50 लाख ₹ की घोषणा।
- बारां जिले की सहरिया, उदयपुर - कथौड़ी/खैरवा → प्रतिमाह/प्रति सदस्य → 950 ml घी, 500 ml खाद्य तेल, 500 gm दाल — निःशुल्क

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अन्तर्गत जनवरी, 2024 से आगामी पाँच वर्षों तक अन्त्योदय राशन कार्ड धारी परिवारों को प्रति राशन कार्ड पर 35 Kg गेहूँ और अन्य पात्र लाभार्थियों को प्रति इकाई प्रतिमाह 5Kg उपलब्ध करवाया जा रहा है।"

वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना :-

- 4.10 करोड़ लाभार्थियों की आधार सीडिंग की चुकी है।
- वर्तमान में राज्य स्तरीय पोर्टेबिलिटी तथा अन्तर्राज्यीय पोर्टेबिलिटी लागू है।

रसोई गैस सिलेण्डर सब्सिडी योजना-

- शुरुआत- 1 जनवरी, २०२4
- लाभार्थी- BPL तथा PM उज्ज्वला योजना में शामिल निम्न आय वर्ग के परिवार
- लाभ - 450 ₹ में कुल-12 गैस सिलेण्डर (एक माह में एक)

रूट ऑप्टिमाइजेशन- राज्य की उचित मूल्य की दुकान एवं भारतीय खाद्य निगम (FCI) के गोदामों के बीच "जियो टैगिंग" के माध्यम से रूट ऑप्टिमाइजेशन करना।

योगदान - • केन्द्र सरकार
• राज्य सरकार
• वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (WFP)

↳ खाद्यान्न परिवहनकर्ता वाहनों की रियल टाइम मॉनिटरिंग हेतु GPS सोफ्टवेयर प्रयोग करेंगे।

उपभोक्ता मामलात विभाग -

- उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम २०19 के प्रावधानो के तहत राज्य/जिला स्तर पर उपभोक्ता विवाद निवारण मंच बनाए गए ।
- कुल = 37 जिला आयोग (सभी जिलों में 1, जयपुर-4, जोधपुर-२) एवं 6 क्षेत्रीय शाखाएँ (बीकानेर, कोटा, अजमेर, भरतपुर, उदयपुर, जोधपुर)
- हेल्पलाइन नं. 15 मार्च २०11 से
- ई-तुलामान रूप से वजन और माप की मरम्मत सम्बन्धी 12 सेवाएँ

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

"राज्य, समाज के वंचित वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों की देखभाल और सामाजिक अन्याय और सभी प्रकार के शोषण से रक्षा करेगा।"

विद्यार्थियां हेतु

(1) उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्तियां :- ST/SC/OBC/EWS/MBC

- शर्तें – अभिभावकों की वार्षिक आय 2.5 लाख से कम
  – मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा विद्यार्थियों के अभिभावकों की आय 5 लाख ₹ तक

(2) छात्रावास सुविधा :- ST/SC/OBC/EWS/MBC को छात्रावास सुविधा

- इन छात्रावासो में आवास/भोजन, पोशाक, कोचिंग आदि निःशुल्क

(3) अम्बेडकर DBT वाउचर योजना :- वर्ष 2021-22 में प्रारम्भ

लाभार्थी → • ST/SC/OBC/EWS/MBC → जिला मुख्यालयों पर संचालित समस्त स्नातक/स्नातकोत्तर (केवल शैक्षणिक पाठ्यक्रमो कला, विज्ञान, वाणिज्य)

- राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी
- जो घर से दूर रहकर अध्ययन – 2000 ₹ प्रतिमाह (अधिकतम 10 माह तक)
  ↳ 500 अल्प संख्यक छात्रों को शामिल कर योजना का तिस्तार।

(4) आवासीय विद्यालय :- ST/SC/OBC/EWS/MBC

- पारिवारिक आय 8 लाख ₹ से कम
- आवास/भोजन/पोशाक/लेखन सामग्री/चिकित्सा निःशुल्क
- विभाग द्वारा ऐसे 37 आवासीय विद्यालय स्थापित

(1) मुख्यमंत्री कन्यादान योजना :-

- सहयोग एवं उपहार योजना का नाम परिवर्तित करके।
- [SC, ST, अल्पसंख्यक] BPL परिवार → 18+ आयु की पुत्री के विवाह पर 31,000 ₹
- अन्य वर्ग → BPL, विधवा, आस्था कार्ड धारक, महिला खिलाड़ी (स्वयं की शादी) → आदि को 21,000 ₹ अधिकतम 2 पुत्रियों तक

- यदि लड़की 10 वीं पास — 10,000 ₹] अतिरिक्त
  स्नातक पास — 20,000 ₹]

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएँ

केन्द्र सरकार द्वारा

योजना	शुरूआत, सरकार	लाभार्थी	
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना	19 Nov 2007 से केन्द्र सरकार	(BPL परिवार के 60+ आयु)	पेंशन - 1000 ₹ आयु / केन्द्र / राज्य <80 / 200 ₹ / 800 ₹ >80 / 500 ₹ / 500 ₹
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना	7 Oct 2009 केन्द्र सरकार	(BPL परिवार की 40+ आयु)	पेंशन - 1000 ₹/माह (40-79) 1500 ₹/माह (+79) आयु / केन्द्र / राज्य <80 / 300 ₹ / 700 ₹ >80 / 500 ₹ / 1000 ₹
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना	24 Nov 2009 केन्द्र सरकार	BPL परिवार 18+ निःशक्तता	पेंशन - 1000 ₹/ (आयु - 18 से 79 वर्ष) 1250 ₹ / (>79 वर्ष) आयु / केन्द्र / राज्य <80 / 300 ₹ / 700 ₹ >80 / 500 ₹ / 750 ₹

राज्य सरकार द्वारा

नोट :- 75 वर्ष की आयु तक न्यूनतम 1000 ₹ पेंशन तथा प्रतिवर्ष 15% की स्वतः वृद्धि की घोषणा बजट 2023-24 में की गई है।

मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन	old age < Female 55+ / male 58+ वार्षिक आय - < 48000 ₹	1000 ₹ (सभी आयु वर्ग)
मुख्यमंत्री एकलनारी सम्मान पेंशन	विधवा, तलाकशुदा परित्यक्ता वार्षिक आय - < 48000 ₹	75 वर्ष तक — 1000 ₹ > प्रतिमाह 75+ — 1500 ₹
मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन	वार्षिक आय - < 60,000 ₹	75 वर्ष — 1000 ₹ 75+ — 1250 ₹ कुष्ठ / सिलिकोसिस — 1500 ₹
छोटे / सीमांत किसान वृद्ध सम्मान पेंशन	Age = Female 55+ Male 58+	1000 ₹

नोट:- सरकार द्वारा न्यूनतम पेंशन राशि 1000 ₹ से बढ़ाकर 1150 कर दी गई है।

पालनहार योजना :-

- ऐसे बच्चे जिनके माता पिता की मृत्यु (दोनो या दोनो में से एक) / आजीवन कारावास / कुष्ठ रोग / HIV से संक्रमित / दिव्यांग / परित्यक्ता / तलाकशुदा महिला के बच्चे
- सभी अनाथ श्रेणियों के लिए

योजनान्तर्गत

0-6 वर्ष आयु
- → आँगनबाड़ी जाने वाले अनाथ बच्चे – 1500 ₹ / माह
- → अन्य श्रेणी = 750 ₹ / माह (बजट 23-24)

6-18 वर्ष आयु
- → स्कूल जाने वाले अनाथ बच्चे – 2500 ₹ / प्रतिमाह
- → अन्य श्रेणी 1500 ₹ प्रतिमाह (बजट 2023-24)

- ऐसे बच्चों का उत्तरदायित्व लेने वाले व्यक्ति को 'पालनहार' माना जाएगा।

मुख्यमंत्री हुनर विकास योजना :-

बाल गृह / पालनहार > के बच्चों की उच्च शिक्षा / व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा हेतु

डॉ. सविता बेन अन्तर्जातीय विवाह :-

- केन्द्र का हिस्सा – 1.25 लाख ₹
- दम्पति को 10 लाख ₹

{ SC युवक / युवती weds सवर्ण युवक / युवती }

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 —संशोधन→ 2015

→ उद्देश्य – अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों से छुआछूत करने, बेगार लेने, अपमान करने, शांती भंग करने, शारीरिक क्षति पहुँचाने, उनको अपनी कृषि भूमि से बेदखल करने वाले अपराधियों के लिए दण्ड का प्रावधान

→ दण्ड – 6 माह से उम्र कैद

↳ अन्य - पीड़ित व्यक्ति को सामाजिक व आर्थिक पुनर्वास
- राजस्थान में अनुसूचित जाति / जनजाति के लिए 36 विशेष न्यायालय संचा

संभाग मुख्यालयों पर नारी निकेतनों की स्थापना
↳ राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान, सुरक्षा, जीवनयापन हेतु

अन्त्येष्टि अनुदान योजना :- लावारिस शवो के अन्तिम संस्कार हेतु 5,000 ₹

वृद्ध कल्याण योजना :- राज्य के 32 जिलों में 58 वृद्धाश्रम संचालित
- केन्द्र / राज्य द्वारा सहयोग

नवजीवन योजना :-
- अवैध शराब व्यवसाय में लिप्त समुदायों के लिए वैकल्पिक अवसर
- कौशल विकास
  ऋण अनुदान
  निजी शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश
  उच्च शिक्षा
  } आदि की व्यवस्था

विधवा विवाह उपहार :-
- विधवा महिला से शादी करने पर सहायता

शुरूआत	2016-17	2019-20 से
15,000 ₹	30,000 ₹	51,000 ₹

उज्जवला योजना :-
- स्वयंसेवी संस्थानों की सहायता से संचालित
- देह व्यापार में लिप्त महिलाओं को रोकने, बचाने एवं सम्मानपूर्वक जीवन जीने हेतु

नोट- वर्ष 2022-23 से उज्ज्वला योजना और स्वाधार गृह योजना का विलय कर शक्ति सदन योजना नाम किया गया।

स्वाधार गृह योजना :- 2001-02 से

- MoWCD (GoI) द्वारा
- विपरीत परिस्थितियों में जीवन यापन करने वाली महिलाओं को आश्रय प्रदान करना

शक्ति सदन योजना - (वर्ष 2022-23)

↳ स्वाधार गृह योजना व उज्ज्वला योजना का विलय कर।

मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना :-

- 25 जून 2021 को प्रारम्भ (संपूर्ण राज्य में)
- उद्देश्य- कोविड-19 महामारी के कारण राज्य में अनाथ हुए बच्चों, विधवा महिलाओं और उनके बच्चों को आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक सम्बल प्रदान करने हेतु।

अनाथ बालक / बालिका

- तात्कालिक सहायता 1 लाख ₹
- 18 वर्ष की आयु तक 2500 ₹/माह + 2000 ₹ वार्षिक
- 18 वर्ष पूर्ण 5 लाख ₹ + सरकारी नौकरी (बजट 2023-24)
- शिक्षा हेतु (12th तक नि:शुल्क शिक्षा)
  - अम्बेडकर DBT
  - बेरोजगारी भता योजना में प्राथमिकता

पिता की मृत्यु

विधवा महिला → 1 लाख ₹
→ 1500 ₹ पेंशन/माह
→ बच्चों को - 1000 ₹/माह + 2000 ₹ वार्षिक

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना :- 5 जून 2021 को प्रारम्भ

↳ SC/ST/OBC/MBC/ अल्पसंख्यक, आर्थिक पिछड़ा वर्ग/विशेष योग्यजन की वार्षिक आय सीमा - 8 लाख ₹ से कम या माता-पिता राजकीय सेवा में हो, जिनका पे मेट्रिक्स लेवल -11 तक हो।

गाडिया लोहार कच्चा माल क्रय अनुदान सहायता योजना :- वर्ष २०13 - 14 से

- स्वावलम्बी बनाने हेतु एक बार अनुदान हेतु 10,000 ₹

विशेष योग्यजन

- २०11 में पृथक विभाग

छात्रवृति योजना :-

- राजकीय शिक्षण संस्थाओ में + नियमित छात्र
- वार्षिक आय २लाख ₹ से कम

मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन स्वरोजगार :-

- वार्षिक आय २लाख ₹ से कम (स्वयं स्वं परिवार की सभी स्रोतों से)
- 5 लाख ₹ तक का ऋण
- 50,000 ₹ की अनुदान राशि या ऋण का 50% राशि (जो भी कम हो)

सुखद दाम्पत्य जीवन :-

- विशेष योग्यजन (स्त्री/पुरूष) को विवाह पश्चात् 50,000 ₹ व आयोजक को २०,000 ₹

युवाओं द्वारा ४० प्रतिशत दिव्यांगता वाले विशेष योग्यजन को जीवनसाथी बनाने पर 5 लाख ₹ की आर्थिक सहायता।

संयुक्त सहायता अनुदान–

विशेष योग्यजनों (आयकर दाता नहीं हो) को स्वरोजगार हेतु आर्थिक सहायता व शारीरिक कमी को पूरा करने के लिए कृत्रिम अंग/ उपकरण प्रदान करना।

10,000 ₹ की आर्थिक सहायता को बढ़ाकर २०,000 ₹ (वर्ष २०२३-२५ में)

सिलिकोसिस पॉलिसी :- 3 अक्टूबर 2019

↳ इस नीति में सिलिकोसिस पीड़ित व्यक्ति को आर्थिक मदद के साथ साथ ऐसे कार्य स्थल एवं श्रमिकों की पहचान, उनके पुनर्वास, बीमारी की रोकथाम एवं नियंत्रण के उपाय अपनाये जायेंगे।

1. प्रमाणीकरण पर पुनर्वास हेतु – 3 लाख ₹
2. मृत्यु – आश्रित को 2 लाख ₹
3. पीड़ित को पेंशन – 1500 ₹/माह
4. मृतक की विधवा को पेंशन – 1150 से 1500 ₹ (आयु वर्ग के अनुसार)
5. अंतिम संस्कार – 10,000 ₹

आस्था योजना :-

- परिवार में 2 या 2 से अधिक व्यक्ति → दिव्यांगता 40% +
- इन्हें आस्था कार्ड जारी किए जाते है।
- इन परिवारों को BPL के समकक्ष सुविधाएँ उपलब्ध करवाने हेतु।

यूनिक डिसएबिलिटी आई. डी. कार्ड योजना –

↳ दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत

↳ विशेष योग्यजनों की सभी 21 श्रेणियों के सशक्तिकरण एवं कल्याण हेतु चिन्हित कर नि:शक्तता प्रमाणीकरण करना।

पदोन्नति में आरक्षण :- • 21 अक्टूबर 2021 से

- पदोन्नति में 4% आरक्षण
- सीधी भर्ती में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट।

दो दिव्यांग विश्वविद्यालय –

- बाबा आमटे विश्वविद्यालय, जामडोली (जयपुर)
- महात्मा गांधी दिव्यांग विश्वविद्यालय, जोधपुर

कम्पोजिट रिजनल सेंटर - द्वारा - दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
(सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता
मंत्रालय, भारत सरकार)

उद्देश्य - दिव्यांगजनों के पुनर्वास हेतु समग्र क्षेत्रीय केन्द्र (कम्पोजिट रिजनल सेंटर - CRC)
- CRC जयपुर का संचालन स्वयं सिद्धा परिसर, जामडोली (जयपुर) में किया जा रहा है।

मानदेय में वृद्धि - वर्ष २०२३-२४ में राज्य में अनुदानित स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से संचालित शैक्षणिक संस्थाओं यथा दृष्टिबाधित विद्यालयों, विशेष विद्यालयों व छात्रावासों में कार्यरत कर्मियों के मानदेय में 15% वृद्धि की गई।

राजस्थान दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, २०१8 :-
- दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम २०16 के क्रियान्वन हेतु नियम २4 जनवरी २०१9 को बनाए गए।
- सरकारी योजनाओं में आरक्षण 3% से बढ़ाकर 4%

मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना :- 5000 स्कूटी वितरण
- बाबा आम्टे दिव्यांग विश्वविद्यालय, जयपुर में Center of Excellence for assistive tech की घोषणा (बजट २०२३-२4)
  ↳ इसी तर्ज पर जोधपुर में महात्मा गांधी दिव्यांग विश्वविद्यालय (बजट २०२३-२4)

) कृत्रिम अंग / उपकरण हेतु :-
- गैर आयकर दाता विशेष योग्यजन को 10,000 रु {बजट २०२३-२4 में बढ़ाकर 20,000}

अल्पसंख्यक मामलात विभाग

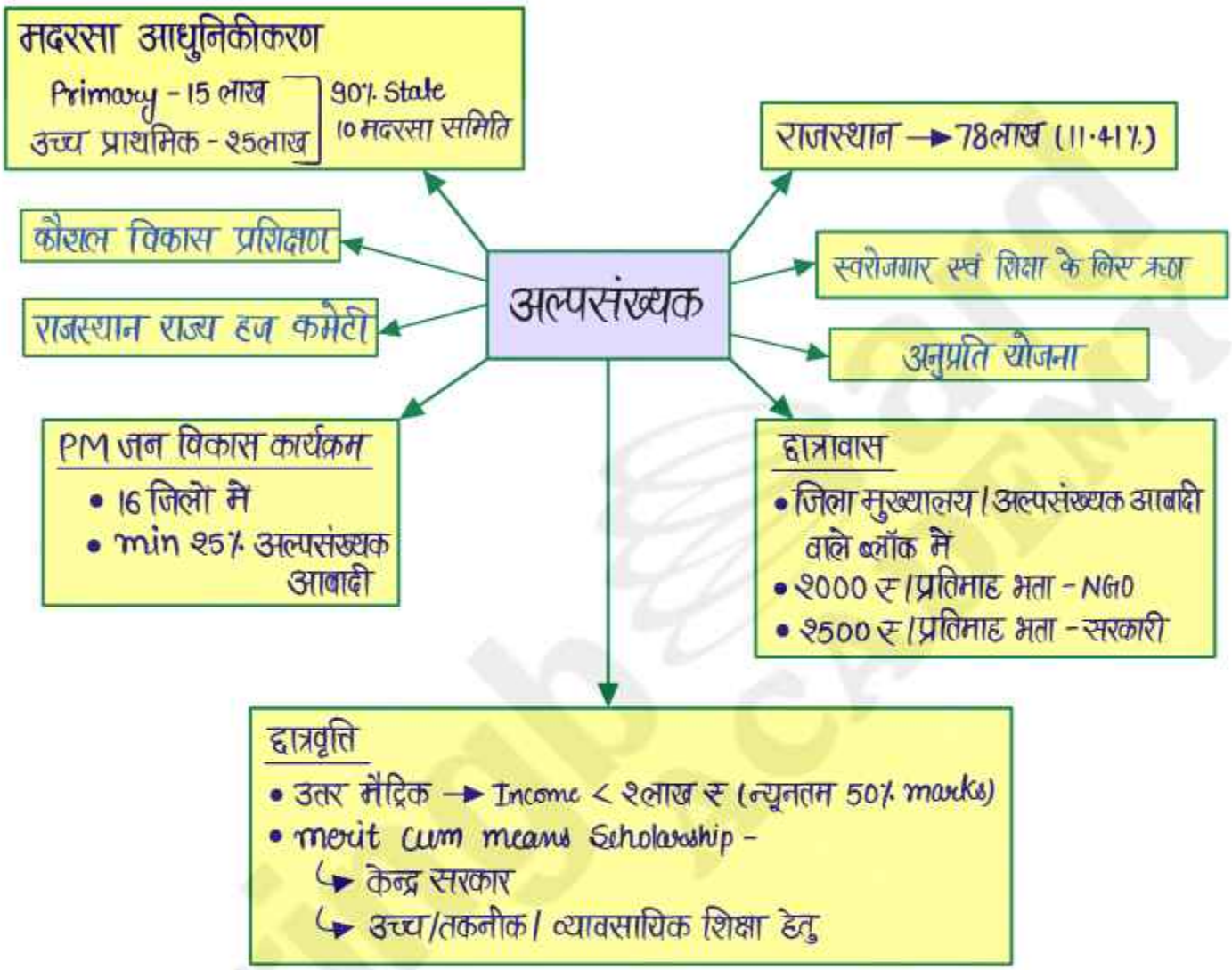

अनुसूचित जाति और जनजाति उत्थान

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना :-

- केन्द्र प्रायोजित योजना
- समूह आधारित आजीविका परियोजनाओं के लिए 50,000 ₹ की अनुदान सहायता
- वार्षिक आय की कोई सीमा नही है।

जनजाति क्षेत्रीय विकास (TAD) :-

- जनजाति क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

महिला सशक्तिकरण

(1) महिला विकास कार्यक्रम :-

- महिलाओं के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए कार्यकर्ता नियुक्त
- प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम सभा द्वारा एक साथिन का चयन
- 'साथिन' (मानदेय महिला कार्यकर्ता)

(२) मुख्यमंत्री राजश्री योजना :-

- 1 जून, २016 से
- 6 किस्तों में 50,000 ₹
- जून २016 के बाद जन्मी लड़कियों को ।

(3) महिला शक्ति उड़ान योजना :-

- 19 दिसम्बर, २०२१
- उद्देश्य
  - प्रजनन आयु की लड़कियो / महिलाओं को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन
  - मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता ।

(4) महिला शक्ति निधि :- 18 दिसम्बर २019 को

➤ राजस्थान सरकार ने 1000 करोड़ ₹ के प्रावधान के साथ "महिला शक्ति निधि" की घोषणा की है।

- इस योजना के घटक निम्न हैं।
  - (i) MS उद्यम प्रोत्साहन योजना
  - (ii) MS प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन →
    - निःशुल्क RSCIT प्रशिक्षण
    - निःशुल्क RSCFA प्रशिक्षण
    - निःशुल्क Spoken English

अमृता हाट :- महिला एवं स्वयं सहायता समूहों (SHGs) द्वारा निर्मित उत्पादो के प्रदर्शन एवं विपणन के अवसर प्रदान करना ।

☞ **जागृति बैंक टू वर्क योजना :-**

- कामकाजी एवं व्यावसायिक क्षेत्र मे प्रशिक्षित महिलाएं जो पारिवारिक कारणो से काम या नौकरी छोड़ देती हैं, उन्हें पुनः रोजगार दिलवाना, वर्क फ्रॉम होम के अवसर उपलब्ध कराना ।
- निजी क्षेत्र के सहयोग से शुरू की जा रही हैं।

☞ **मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम (जॉब वर्क योजना) :-**

- इच्छुक महिलाओं एवं नियोक्ताओं के लिए mahilawfh.raj.gov.in पोर्टल पर रोजगार के अवसर पंजीकृत किये जा रहे हैं।

☞ **महिला सशक्तिकरण हेतु राज्य हब "मिशन शक्ति"**

- मंत्रालय- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार
- महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण, सशक्तिकरण हेतु 'अम्ब्रेला योजना' राज्य व जिला स्तर पर HEW (Hub for Enpowerment of Women) योजना प्रारंभ की जा चुकी है जो कि मिशन शक्ति के अन्तर्गत उप-योजना है।
  - HEW < Center : State = 60 : 40
    केन्द्रिय प्रवर्तित योजनाओं का क्रियान्वयन व पर्यवेक्षण

इसके अन्तर्गत संचालित योजनाएँ निम्नानुसार है-

A. **महिला अधिकारिता के स्तर पर-**
   1. वन स्टॉप सेन्टर
   2. वीमेन हेल्प लाइन
   3. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

B. ICDS के स्तर पर–

1. प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना
2. पालना - क्रेच - बाल अधिकारिता

C. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता के स्तर पर-

1. शक्ति सदन - स्वाधारगृह उज्ज्वला
2. सखी निवास - वर्किंग वीमेन हॉस्टल

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र :-

(i) 181 महिला हेल्पलाइन
(ii) वन स्टॉप सेंटर / सखी केन्द्र
(iii) इन्दिरा महिला शक्ति केन्द्र योजना
(iv) घरेलू हिंसा महिला संरक्षण अधिनियम, 2005
(v) महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध, सुधार) से संरक्षण अधिनियम, 2013
(vi) राजस्थान डायन प्रताड़ना निवारण अधिनियम, 2015
(vii) त्रिस्तरीय महिला समाधान समिति

⇒ राज्य महिला नीति :-

- प्रथम महिला नीति → 2000
- 11 अप्रैल 2021 को शुरू → कस्तूरबा जयंती पर

बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ योजना :-

↳ शुरूआत - 22 जनवरी, 2015 राजस्थान के 10 जिलों में शुरू
↳ वर्तमान में पूर्ण राज्य (33 जिलो) में कार्यरत

सामुहिक विवाह अनुदान – 18000 से बढ़ाकर 25000 ₹ → 21000 वधू
– 25 जोड़ो के विवाह के आयोजन पर 10 लाख ₹ → 4000 → आयोजनकर्ता संस्थान

(7) विधवा विवाह उपहार :-

- विधवा महिला से शादी करने पर सहायता

शुरूआत	2016-17	2019-20 से
15,000 ₹	30,000 ₹	51,000 ₹

बीस सूत्री कार्यक्रम - 2006-

- प्रारम्भ < 1975 में
  पुनः संरचित कार्यक्रम को बीस सुत्री कार्यक्रम (बी.सू.का), 2006 के नाम से जाना जाता है।
- शुरूआत - 1 अप्रैल 2007
- उद्देश्य - गरीबी उन्मूलन, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करना आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पर्यावरण संरक्षण सहित अनेक योजनाओं तथा जिनका प्रभाव विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर पड़ता है, को गति प्रदान करता है।

कुल = 65 मॉनिटरिंग मदे शामिल
↳ इनमें से 10 श्रेणीबद्ध मदों की मॉनिटरिंग राज्य स्तर पर कि जा रही है।

जैसे-
1. मनरेगा
2. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन
3. ग्रामीण सड़कें PMGSY
4. ग्रामीण आवास - PM आवास योजना
5. समेकित बाल विकास सेवाओं का सार्वभौमिकरण आदि।

बजट २०२४-२५

1.

क्र.स.	Fund	राशि (in Cr.₹)	
		पहले	बजट
1.	SCSP (Schedule Caste Sub Plan)	1000	1500
2.	TSP (Tribal Sub Plan)	1000	1500

- रियायती दर पर ऋण उपलब्ध करवाने के लिए → सरकार द्वारा NSFDC, NSTFDC व NBCFDC को 100 Cr. ₹ की सहायता।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण

- 1. लखपति दीदी योजना → 5 लाख से बढ़ाकर 15 लाख महिलाएँ
- 2. SHG (Self Help Group)
  - 1. → 5 वर्षों में नये 2 लाख SHG
    - Phase-I - 40,000
      - 25,000 Revolving Fund
      - 15,000 आजीविका संवर्धन राशि
  - 2. → 300 करोड़ ₹ का ऋण रियायती दर 2.5% वार्षिक ब्याज दर पर।
- 3. संभागीय स्तर पर बालिका सैनिक स्कूल

- LPG Cylinder- 450 ₹ में (गरीब परिवार की महिलाओं को)

* 2000 दिव्यांगजनों को स्कूटी
* दिव्यांगजन व वंचित वर्गों के लिए
  - जामडोली, जयपुर परिसर का विस्तार व स्वयंसिद्धा उत्कृष्ट केन्द्र की स्थापना।
  - संभाग स्तर पर वृद्ध एवं असहाय व्यक्तियों के लिए स्वयंसिद्धा आश्रम की स्थापना।

Springboard ACADEMY

* Muscular dystrophy disease
  - 1 लाख ₹ - इलेक्ट्रिक पॉवर Wheel Chair हेतु
  - रोगी के साथ यदि Attendent यात्रा करे तो Roadways बसों में निः शुल्क यात्रा।

*
  - स्वतन्त्रता सेनानियों – सम्मान पेंशन राशी 50,000 से बढ़ाकर 60,000 ₹
  - विश्व युद्ध - II → शहीदों की पेंशन 10,000 से बढ़ाकर 15,000 ₹

* कर्मशीला भवन / Integrated Office Complex Cum Service Center – भरतपुर

* नगरीय निकाय तथा पंचायतीराज संस्थाओं के लिए 'वन स्टेट- वन इलेक्शन' की अवधारणा का परीक्षण (राजस्थान पहला राज्य)

'SMART' System
- 1. Automated Service delivery का कार्य
  - Ist Phase – Singal Window – Same day Service delivery (विभिन्न विभागों की 25 सेवाएँ 24 घन्टो में)
- 2. DATA LAKE की स्थापना (व्यक्तिगत, परिवार व संगठन की प्रोफाइल का संधारित करने के लिए)
  - Raj Dex (राजडेक्स) → देश का प्रथम डेटा एक्सचेंज (Multi Stoke Holder Enviorment में Share करने के लिए)

कार्मिक कल्याण

- राज्य के विशेष योग्यजन श्रेणी कर्मचारियों को 1200 ₹ प्रतिमाह वाहन भत्ता
- RGHS
  - महिला एवं पुरुष कर्मिकों को माता-पिता के साथ सास-ससुर का विकल्प
- पत्रकारिता
  - • उत्कृष्ट पत्रकारिता → बिशनसिंह शेखावत पत्रकारिता पुरस्कार
  - • निः शुल्क स्वास्थ्य बीमा - RJHS (Rajasthan Journalist Health Scheme)

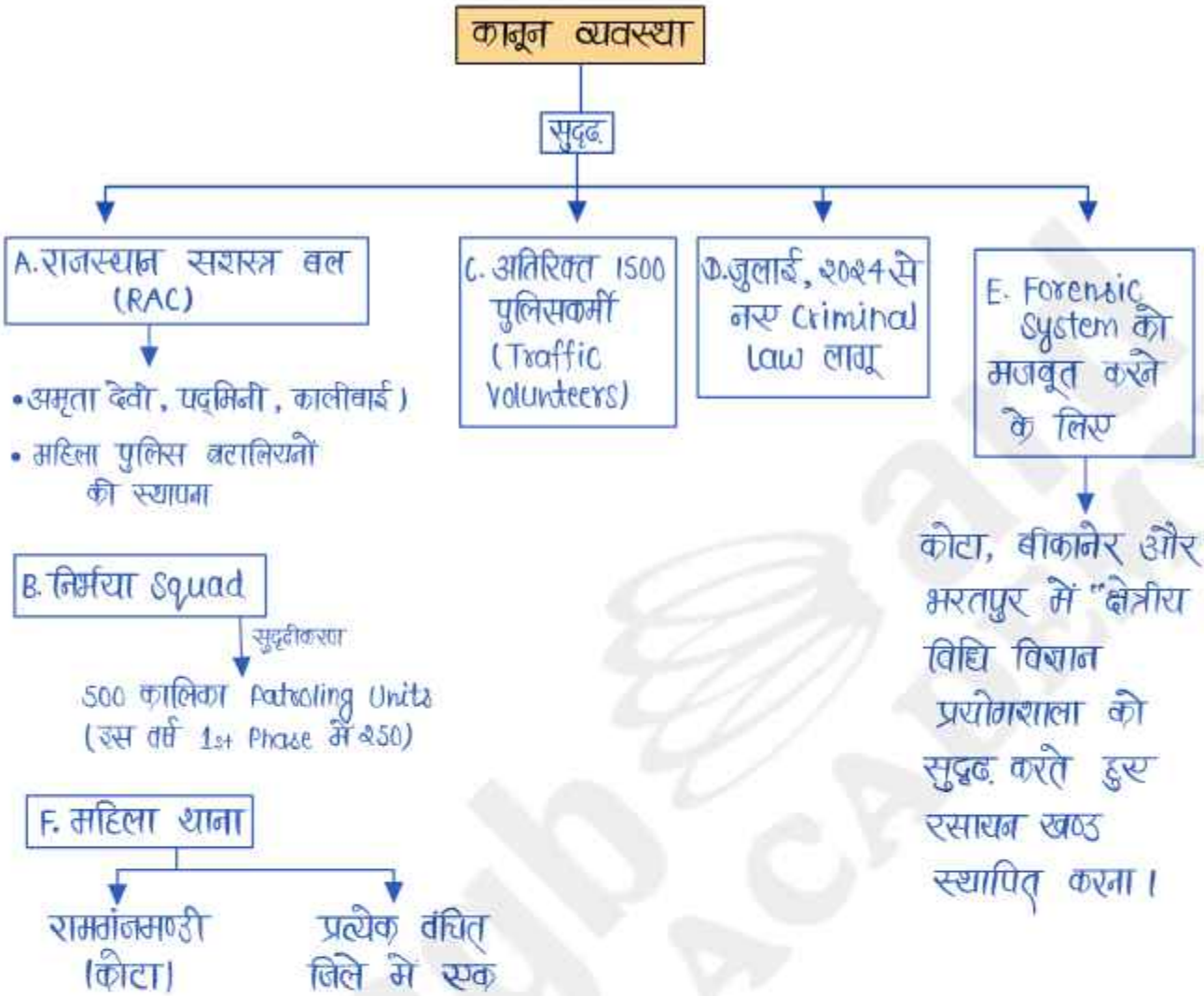

कानून व्यवस्था

सुदृढ़

- **A. राजस्थान सशस्त्र बल (RAC)**
  - अमृता देवी, पद्मिनी, कालीबाई)
  - महिला पुलिस बटालियनों की स्थापना
- **B. निर्भया Squad**
  - सुदृढ़ीकरण → 500 कालिका Patroling Units (इस वर्ष 1st Phase में 250)
- **C. अतिरिक्त 1500 पुलिसकर्मी (Traffic Volunteers)**
- **D. जुलाई, 2024 से नए Criminal Law लागू**
- **E. Forensic System को मजबूत करने के लिए**
  - कोटा, बीकानेर और भरतपुर में "क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला को सुदृढ़ करते हुए रसायन खण्ड स्थापित करना।
- **F. महिला थाना**
  - रामगंजमण्डी (कोटा)
  - प्रत्येक वंचित जिले मे एक

Springboard Academy

अध्याय - 10 " राज्य वित्त एवं विकास के अन्य संसाधन "

"अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने के लिए सरकारी खर्च और कराधान का उपयोग"

- वित्त एवं विकास
  - राजकोषीय
    - प्रबंधन
    - देनदारियाँ
  - बाह्य सहायतित परियोजनाएँ
    - (वर्तमान में 13)

राजकोषीय प्रबंधन

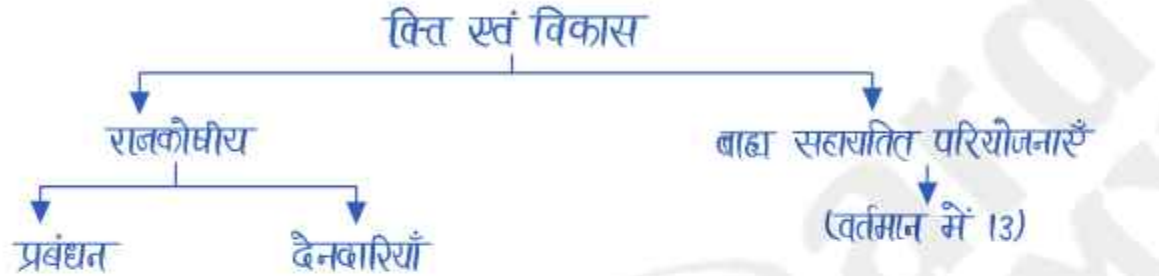

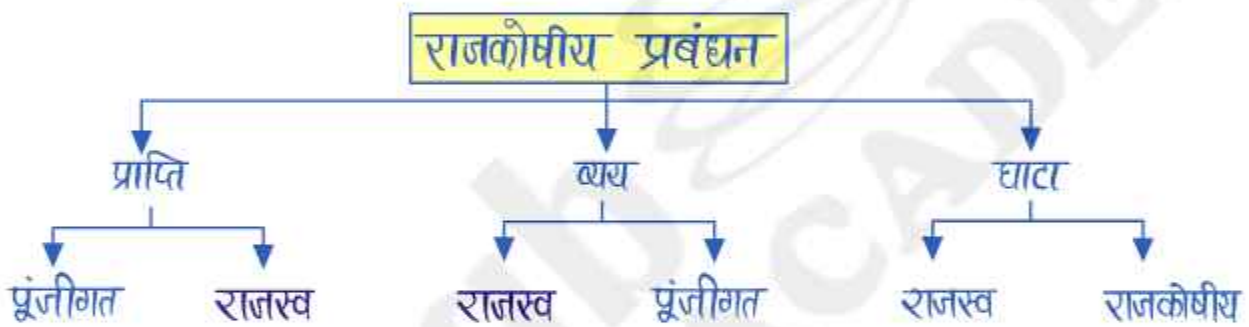

- प्राप्ति
  - पूंजीगत
  - राजस्व
- व्यय
  - राजस्व
  - पूंजीगत
- घाटा
  - राजस्व
  - राजकोषीय

(A) प्राप्ति → पूंजीगत प्राप्ति - लोकऋण (Public Finance) सर्वाधिक

→ राजस्व प्राप्ति (Revenue)
- कर
- गैर-कर

प्राप्ति का क्रम -

(i) स्वयं के कर (Own taxes) →
- SGST
- Sales tax
- State Excise
- tax on Vehicles

(ii) केन्द्रीय करो में हिस्सेदारी

(iii) अनुदान (Grants)

(iv) गैर - कर (Non-tax)

Springboard ACADEMY

(B) व्यय → पूंजीगत व्यय (Capital Expenditure)

→ राजस्व व्यय (Revenue Expenditure)

सामाजिक सेवाएँ > सामान्य सेवाएं > आर्थिक सेवाएं

Social Service (39.81%) (31.74%) (28.45%)

↓

वेतन एवं मजदूरी पर सर्वाधिक व्यय

स्कीम वार बजट →

1. सामाजिक एवं सामुदायिक सेवाएं	52.65 %
2. ऊर्जा	13.67 %
3. ग्रामीण विकास	10.79 %
4. परिवहन	6.10%
5. कृषि एवं सम्बद्ध सेवाएँ	5.74 %

Trend

आय

- राजस्व प्राप्तियों में 6.02 % ↑
- स्वयं के कर राजस्व में 16.76 % ↑
- वाहन कर में 28.77 % वृद्धि

व्यय

- 79.12 % व्यय राजस्व प्राप्तियों से किया गया
- योजनाओं पर व्यय राशि में 2.89% वृद्धि
- पूंजीगत व्यय = 19,798 करोड़

घाटा

राजस्व घाटा

राजस्व व्यय - राजस्व प्राप्ति

(A) प्राप्ति → राजस्व, पूंजीगत

(B) व्यय → राजस्व, पूंजीगत

राजकोषीय घाटा

कुल प्राप्ति - कुल व्यय

	FRBM Act, 2023 के अनुसार होना चाहिए	E-Survey 2023-24	बजट अनुमान 2024-25
राजस्व घाटा	0%	31,491 करोड़ ₹	25758 करोड़ ₹ (1.45%)
राजकोषीय घाटा	3%	51,029 करोड़ ₹ (GDP का 3.76 %)	70,009 करोड़ GSDP का 3.93 %
देनदारियां ($\frac{debt}{GDP}$)	34%	5,05,574 करोड़ ₹ (GDP का 37.23 %)	
प्राथमिक घाटा		20,527 करोड़ ₹	

(1) आन्तरिक ऋण 3,50,000 करोड़

(2) राज्य बीमा निधि 64,000 करोड़

(3) आरक्षित निधि एवं जमा 53,000 करोड़

(4) केन्द्र सरकार से ऋण 37,000 करोड़

➥ 12 वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार भारत सरकार 1 अप्रैल, 2005 या उसके बाद स्वीकृत सभी नई बाह्य सहायतित परियोजनाओं के लिए उसी आधार पर बाह्य वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है।

बाह्य सहायतित परियोजनाएँ :-

➥ वर्तमान में कुल 13 बाह्य सहायतित परियोजनाएँ क्रियान्वित की जा रही है।

★ = P.P.P संचालित योजनाएँ

1. राज. शहरी क्षेत्र विकास कार्यक्रम (RUIDP)-

- संस्था – ADB
- नवम्बर, 2015 से मार्च, 2023
- टोंक, गंगानगर, झुन्झुनू, पाली, भीलवाड़ा में जलापूर्ति व सीवरेज कार्य में सुधार

2. राजस्थान मध्यम नगरीय क्षेत्र -I विकास परियोजना-

- संस्था – ADB
- जनवरी, 2020 से नवम्बर, 2028
- 14 शहरो में जलापूर्ति एवं सीवरेज

3. राजस्थान मध्यम नगरीय क्षेत्र - II विकास परियोजना

- संस्था – ADB
- अप्रैल, २०२३ से मई, २०२८
- जल प्रदाय, शहरी सौंदर्यीकरण, आधारभूत सीवरेज, फीकल स्लज व सैप्टेज मैनेजमेंट

4. राजस्थान राज्य राजमार्ग निवेश परियोजना, ट्रॉंच - II –

- संस्था – ADB
- दिसम्बर २०१७ से- सितम्बर, २०२५

सुधार → यातायात दक्षता, राजमार्गों की सुरक्षा

5. राजस्थान राज्य राजमार्ग निवेश परियोजना, ट्रॉंच - III

- संस्था – ADB
- दिसम्बर २०२२ से- सितम्बर, २०२६
- सड़क सुरक्षा, पुनर्वास, संचालन और रखरखाव

6. राज. राज्य राजमार्ग विकास कार्यक्रम-II

- संस्था – WB
- अक्टूबर, २०१७ से सितम्बर, २०२५
- राज्य मार्गों ┌ क्षमता निर्माण
  └ यातायात प्रवाह सुधार

7. राज. में सार्वजनिक वित्तीय प्रबन्धन का सुदृढ़ीकरण –

- संस्था – WB
- जुलाई २०१८ से मार्च २०२५ तक
- सार्वजनिक वित्तीय प्रबन्धन ढाँचे को मजबूत करना।
- व्यय और राजस्व प्रणाली को मजबूत करना।

8. राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार -

- संस्था - JICA
- 1 अप्रैल 2017 - 31 मार्च 2028
- 27 जिलो की 137 सिंचाई परियोजनाओं में पुनर्वास एवं जीर्णोद्धार
- जल उपयोग दक्षता सुधार, कृषि उत्पादकता व गुणवत्ता बढ़ाना

9. राज. ग्रामीण जलापूर्ति एवं फ्लोरोसिस निवारण परियोजना (Phase-3) -

- संस्था - JICA
- जुलाई 2021 से दिसम्बर 2027
- झुंझुनूं और बाड़मेर जिलों में जलशोधन प्लांट और जल आपूर्ति सुविधाओं का निर्माण

10. राज. वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना Phase-2

- संस्था - AFD
- 13 जिले (पूर्वी राज.) में प्राकृतिक वनो की रक्षा, विकास एवं संरक्षण
  - 800 गाँवों चिन्हित
- अप्रैल, 2023 से मार्च 2028

11. रेगिस्तान क्षेत्र में जल क्षेत्र पुनः संरचना -

- संस्था - NDB
- वित्तपोषित - NDB - 70%, राज्य - 30%
- मई 2018 से फरवरी 2025
- श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चुरू, नागौर, बीकानेर झुन्झुनू, सीकर, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर को लाभ

12. बाँध पुर्नवास एवं सुधार परियोजना -

- संस्था - विश्व बैंक एवं एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक - WB+AIIB-70%, राज. सरकार - 30%
- अक्टूबर 2021 से मार्च 2027
- बाँधों की सुरक्षा बढ़ाना, सुरक्षा प्रबंधन, बाँध सुरक्षा संस्थानों की सुरक्षा करना

Springboard ACADEMY

13. ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत अन्तर्राज्य विद्युत प्रसारण तंत्र -

- संस्था – K.W.F. जर्मनी
- नवम्बर २०२२ से अक्टूबर २०२६

हनुमानगढ़, उदयपुर, डूँगरपुर और चित्तौड़गढ़.

"नवीकरणीय बिजली की निकासी के लिए ट्रांसमिशन योजना प्रारम्भ की"

- वित्तीय सहायता → 47% K.F.W ऋण
  - → 33% केन्द्रिय अनुदान
  - → 20% राज्य इक्विटी

सार्वजनिक निजी सहभागिता

(1) संस्थागत व्यवस्था :-

- PPP प्रोजेक्ट्स हेतु नोडल एजेंसी
- 2007-08 में स्थापना
- आयोजना विभाग के अधीन

(i) काउंसिल फॉर इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट (CID) :- अध्यक्ष – मुख्यमंत्री

- PPP परियोजनाओं के नीतिगत मुद्दो संबंधी निर्णय करने हेतु
- 500 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट्स हेतु

(ii) एम्पावर्ड कमेटी फॉर इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट (ECID) :-

- CID के कार्यों के सुचारू संचालन के लिए
- अध्यक्ष – मुख्यसचिव

(iii) एम्पावर्ड कमेटी फॉर रोड सैक्टर प्रोजेक्ट्स :- अध्यक्ष – मुख्यसचिव

- सड़क परियोजनाओं पर स्वीकृति प्रदान करने हेतु ।

(iv) स्विस चैलेंज प्रस्तावों के लिए एम्पावर्ड कमेटी (SLEC) :-

- आयोजना विभाग के अधीन ।

(२) संयुक्त उपक्रम :-

- प्रोजेक्ट्स डवलपमेंट कम्पनी ऑफ राजस्थान (PDCOR) → Infra. Projects हेतु
  → दिसम्बर, 1997 में गठित
- रोड इन्फ्रास्ट्रकचर डवलपमेंट कम्पनी ऑफ राजस्थान (RIDCOR) → राज्य में मेगा हाईवे प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वन हेतु वर्ष २००४ में गठित ।
- एक्सेल सौर्य ऊर्जा कम्पनी ऑफ राजस्थान (ESUCRL) – २०१४ में गठित जैसलमेर / जोधपुर सौर ऊर्जा हेतु
- सौर्य ऊर्जा कम्पनी ऑफ राजस्थान लिमिटेड (SUCRL) – २०१४ में गठित भड़ला (जोधपुर) सौर पार्क हेतु
- अडानी रिन्यूबल एनर्जी पार्क राजस्थान लिमिटेड (AREPRL) – २०१५ में गठन

(३) परियोजना विकास कोष (PDF) :- २००३ में
– 5 वर्षों के लिए

Springboard ACADEMY

"भारत अवसंरचना परियोजना विकास निधि (IIPDF)"

- नवम्बर, २०२२ में मौजूदा IIPDF को पुनर्गठित कर केन्द्रिय क्षेत्रक योजना में परिवर्तित किया गया।
- परिव्यय - 150 करोड़ ₹
- अवधि - २०२२-२३ से २०२५-२५ (3 वर्षों)
- वित्त पोषण - IIPDF योजना के तहत PSAs (परियोजना प्रयोजक प्राधिकारी) को PPP योजना के तहत वित्त पोषण-
  - 5 करोड़ ₹ तक → एकल प्रस्ताव
  - 5 करोड़ ₹ से अधिक → PSA द्वारा स्वयं वहन

(4) वायबिलिटी गैप फंडिंग (V.G.F.) :-

- सामाजिक क्षेत्र की PPP परियोजनाओं हेतु वर्ष २००7 में VGF योजना जारी की गई।
- उपयोजना I[st] – भारत सरकार/राजस्थान सरकार → 100% परिचालन लागत
- उपयोजना II[nd] – केवल स्वास्थ्य/शिक्षा क्षेत्र में 50% परिचालन लागत

(5) मॉनिटरिंग

(6) अन्य :-

(i) सड़क विकास निधि, २०13 :-

नीति 1934 ⟶ २०13 नीति

बिल्ड – ऑपरेट-ट्रांसफर (B.O.T) में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने वाला राज्य

(ii) राजस्थान राज्य सड़क विकास निधि अधिनियम २००4

(iii) राजस्थान राज्य राजमार्ग अधिनियम २०14

(7) क्षमतावर्धन हेतु २०10 में जर्मन विकास बैंक (K.F.W.) की सहायता से नेशनल पीपीपी कैपिसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम

वर्ष २०23-24 बजट अनुमान के अनुसार –
- राजस्व प्राप्तियाँ – २,33,988 करोड़ ₹
- राजस्व व्यय – २,58,883 करोड़ ₹

अध्याय - 11 "सतत् विकास लक्ष्य (SDG)"

गाँधीजी ने एक बार कहा था कि "दुनिया में हर किसी की जरूरतों के लिए पर्याप्त संसाधन है लेकिन हर किसी के लालच के लिए नहीं"

सतत् विकास लक्ष्य (SDG) क्या है ?

↳ ब्रन्टलैण्ड आयोग की रिपोर्ट 1987 → आधिकारिक रूप से सतत् विकास को परिभाषित किया गया था।

↳ यह विकास की अवधारणा है जिसमें वर्तमान मानव समुदाय, भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करे।

↳ 25-27 सितम्बर, 2015 – संयुक्त राष्ट्र महासभा के 70वें सत्र में "ट्रांसफार्मिंग अवर वर्ल्ड : द 2030 एजेंडा फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट" शीर्षक वाले दस्तावेज को अपनाया।

↳ बैठक में 193 देशों ने भाग लिया।

इससे पूर्व 8 MDG (Millenium Development Goals) थे।

Ques. – RAS Mains 2021 – सतत् विकास को परिभाषित कीजिए।

सतत् विकास लक्ष्य (S.D.G.)
↳ 17
↳ 169 संबद्ध टार्गेट्स
↳ 1 जनवरी 2016 से प्रभावी
↳ 2016-2030
↳ 248 वैश्विक संकेतक
↳ "कोई भी पीछे ना रहे"

↳ सितम्बर, 2019 में आयोजित S.D.G. शिखर सम्मेलन में शेष रहे 10 वर्षों को Decade of action कार्यवाही दशक के रूप में घोषित किया गया।

↳ एजेण्डा २०३० के केन्द्र में महत्वपूर्ण आयाम – 5'P

↳ तीन प्रमुख तत्व-

SDG के मूल सिद्धान्त :-

1. सार्वभौमिकता (Universality)
२. Leaving No one Behind
3. अंतर्संबंधता एवं अविभाज्यता (Inter Connectedness and Indivisibility)
4. समावेशी (Inclusiveness)
5. बहुहितधारकों की भागीदारी (multi stakeholders partnership)

सतत विकास लक्ष्यो की सूची

- गोल-1 :- गरीबी का अंत
- गोल-२ :- भुखमरी समाप्त करना
- गोल-3 :- आरोग्य एवं कल्याण
- गोल-4 :- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
- गोल-5 :- लैंगिक समानता
- गोल-6 :- शुद्ध जल एवं स्वच्छता
- गोल-7 :- किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा
- गोल-8 :- सम्मानजनक कार्य एवं आर्थिक विकास
- गोल-9 :- उद्योग, नवाचार एवं अवसंरचना
- गोल-10 :- असमानताओ में कमी लाना
- गोल-11 :- संधारणीय शहर एवं समुदाय
- गोल-12 :- उत्तरदायी उपभोग एवं उत्पादन
- गोल-13 :- जलवायु कार्यवाही
- गोल-14 :- जल में जीवन
- गोल-15 :- भूमि में जीवन
- गोल-16 :- शान्ति न्याय एवं सुदृढ संस्थाएँ
- गोल-17 :- गोल्स के लिए साझेदारियाँ

सतत विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता :-

↳ SDG इंडिया इंडेक्स → नीति आयोग द्वारा

↳ राज्यो को 0-100 तक स्कोर दिया जाता है तथा 4 श्रेणियो में विभाजित किया जाता है।

अचीवर	100
फ्रंटरनर	65-99
परफॉर्मर	50-64
एस्पिरेंट	50 से कम

नीति आयोग द्वारा जारी इंडेक्स :-

SDG		Goals	संकेतक	India's Score	राजस्थान का स्कोर	श्रेष्ठ राज्य	निचला पायदान
1.0	2018	13	62				
2.0	2019	16	100	60	57		
3.0	2020	16	115	66	60 (परफॉर्मर)	1. केरल Score-75 2. तमिलनाडु 3. हिमाचल प्रदेश	अंतिम बिहार
4.0	2021	16	113	71	67 फ्रंट रनर	1. उत्तराखण्ड 2. केरल 3. तमिलनाडु (74)	अन्तिम 1. बिहार (57) 2. झारखण्ड (63)

गोल अनुसार → श्रेष्ठ

भारत	राजस्थान
(7) किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा Score-92	(7) किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा Score-100

भारत	राजस्थान
(2) भूखमरी समाप्त करना Score-47	(5) लैंगिक समानता Score-39

इसके अतिरिक्त -

1. भारत द्वारा UN में स्वैच्छिक राष्ट्रीय समीक्षा (Volunentery National Review) प्रस्तुत की जाती है जो SDG को समाप्त करने की दिशा में प्रगति का विवरण है।
2. नीति आयोग द्वारा SDG की मॉनिटरिंग हेतु राष्ट्रीय संकेतक फेमवर्क (NIF) तैयार किए गए हैं। वर्तमान में एन. आई. एफ में 248 संकेतक शामिल है।

राजस्थान की प्रतिबद्धता :-

1. संस्थागत :-

२. प्रकाशन :-

↪ SDG लक्ष्यों पर राज्य की प्रगति को साझा करने के लिए
"राजस्थान S.D.G. स्टेटस रिपोर्ट" के 6 संस्करण जारी किए है।
उक्त सूचकांकों का पंचम संस्करण मार्च २०२४ में जारी किया गया है।

जिलेवार राजस्थान S.D.G इंडेक्स :-

उद्देश्य - राज्य में जिलों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा तथा सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण हेतु SDG सूचकांक तैयार किये गए है।

Spring Board ACADEMY

SDG Index	वर्ष	गोल्स	संकेतक	विशेष
1.	२०२०	१२	३१	
२.	मार्च, २०२१	१३	55	
३.	मार्च, २०२२	१४	75	
५.	अप्रेल, २०२३	१४	८३	
5.	मार्च, २०२५	१४	९5	श्रेष्ठ - 1. झुंझुनूं - ६६.५५ २. नागौर ३. सीकर निम्न - जैसलमेर (50.63) Overall Score - 59.11 • सिर्फ झुंझुनूं जिला फ्रंटरनर श्रेणी में, बाकी सब परफॉर्मर श्रेणी में

- "एक्सलरेटिंग प्रोगेस ऑन सस्टेनेबल डवल्पमेंट गोल्स" पर राष्ट्रीय सम्मेलन—
  - दिनांक - 4-5 मार्च २०२4
  - स्थान - राजस्थान इन्टरनेशनल सेंटर (R.I.C), जयपुर
  - सहयोग - नीति आयोग
  - विशेष - यहाँ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा विश्लेषण (F.N.S.A) डेशबोर्ड लॉन्च की गई।

"राजस्थान खाद्य और पोषण सुरक्षा विश्लेषण रिपोर्ट (F.N.S.A) – २०२३"

- ✓ जारी - सितम्बर, २०२३
- ✓ जारीकर्ता - आयोजना विभाग द्वारा विश्व खाद्य कार्यक्रम के सहयोग से।
- ✓ मापन - 4 स्तम्भ i) खाद्यान उपलब्धता
  ii) खाद्य उपयोगिता
  iii) भोजन तक पहुँच
  iv) खाद्य स्थिरता
- ✓ रैंक - • 1st - हनुमानगढ़ (58.55) • अन्तिम - जैसलमेर (२२.50)

Spring Board ACADEMY

☞ SDG हेतु किए गए प्रयास :-

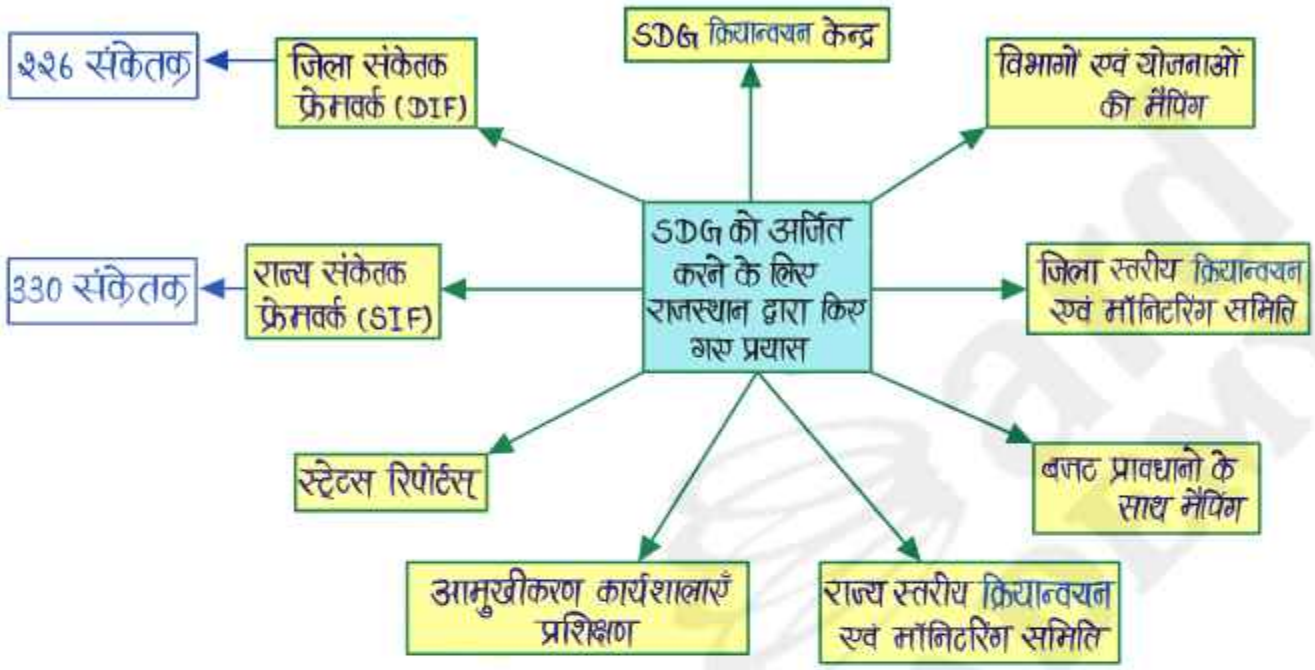

Springboard ACADEMY

बजट २०२४-२५ में प्रस्तावित नीतियाँ-

1.
- ऊर्जा भण्डारण विकास के लिए
- Industrial Policy - २०२४
- Rajasthan One district, one Product Policy - २०२४
- MSME Policy - २०२४
- नवीन खनिज नीति - २०२४
- नवीन M-Sand नीति
- Agro processing Policy (नीति के अन्तर्गत श्री अन्न Promotion Agency
- Rajasthan Warehousing & Logistics Policy

2.
- Export Promotion Policy
- Garment & Apparel Policy
- नई राजनिवेश नीति (Rips-२०२४)
- नवीन पर्यटन नीति

3.
- AVGC - XR Policy [Animation, Visual effect, Gaming Comics - Extended Reality Policy]
- Data Center Policy
- नव प्रसारक नीति (सोशल मीडिया Influencers को जन कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए)

बजट २०२५-२६

1. अमृत कालखण्ड - विकसित राजस्थान @ २०४७

- वर्ष → 6 वर्षों की कार्ययोजना
- लक्ष्य → सर्वजन हिताय आधारित समावेशी विकास
- संकल्प → 10 संकल्प

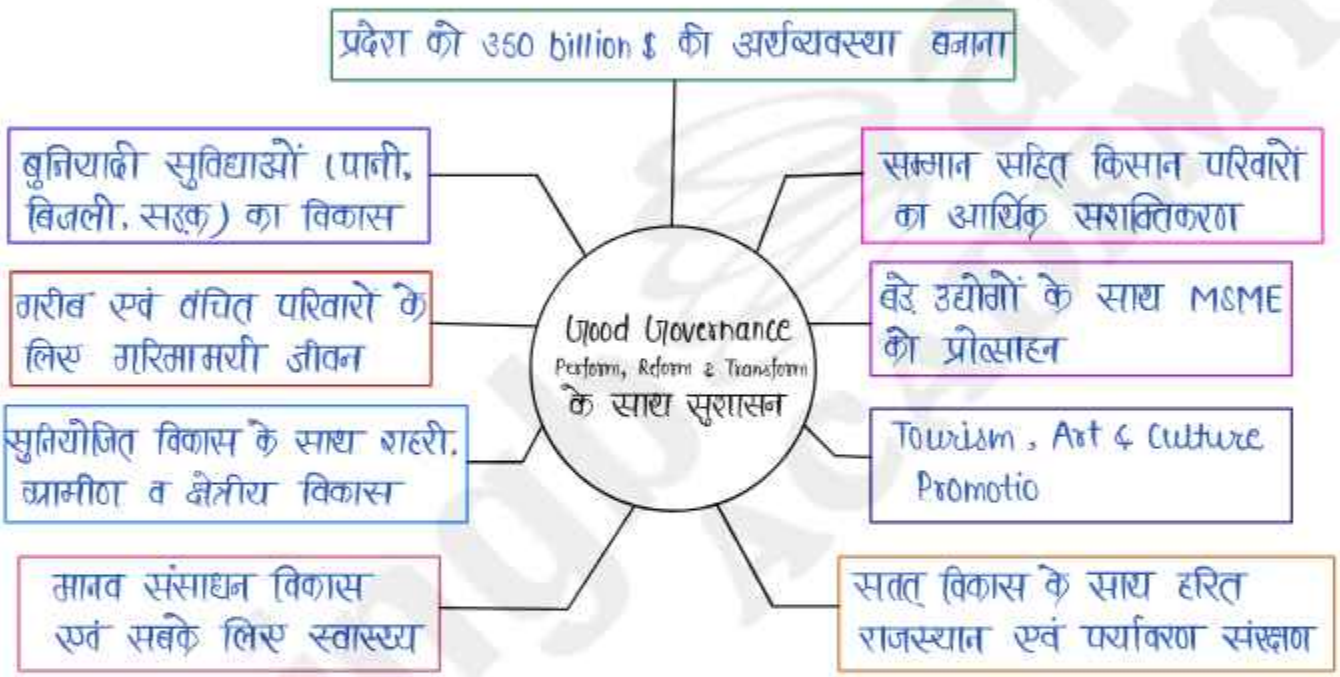

२. अमृत Global Technology & Application Centere

- जयपुर
- २४० करोड़
- उद्देश्य - वैश्विक कम्पनियों से निवेश आमंत्रित करना।

3. औद्योगिक पार्क-

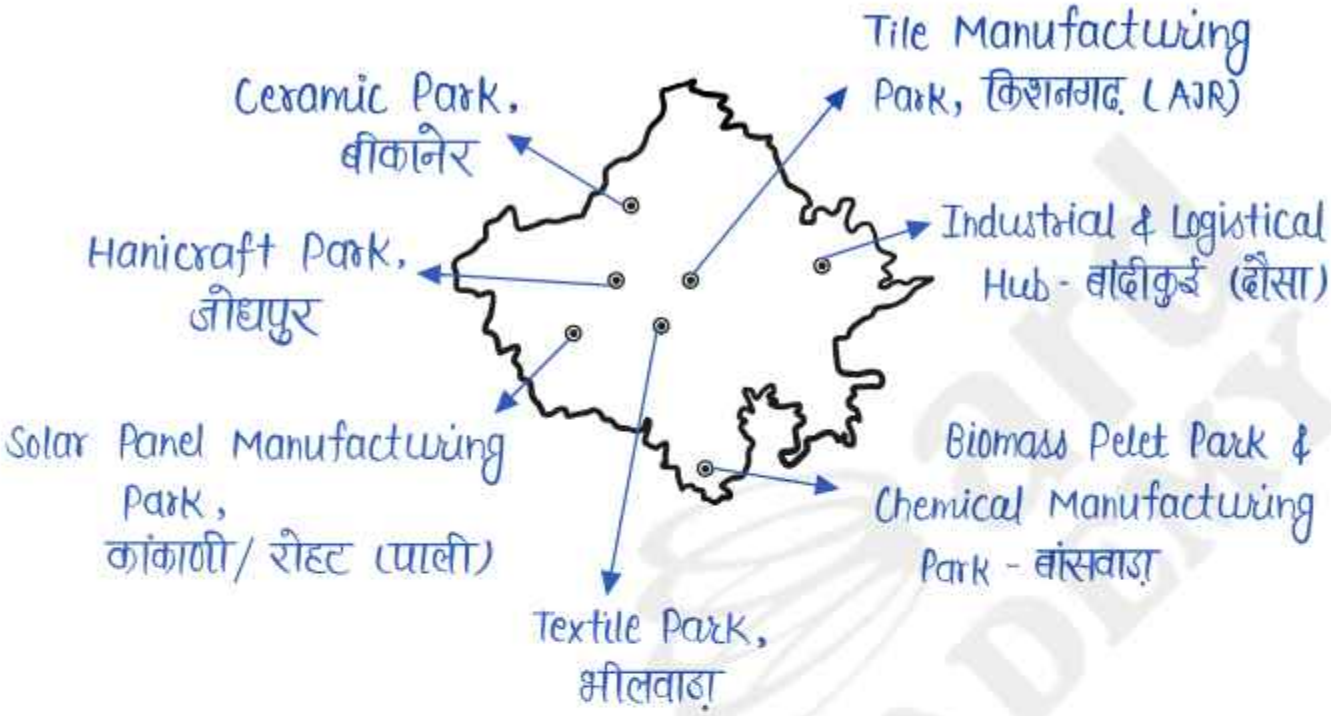

* २ Waste Recycling Park (घोषणा)
  - Integrated Resource Recovery Park, धोलार्ड, जमवारामगढ़ (जयपुर) तर्ज पर

4. PM-Unity Mall-

↳ जयपुर
↳ २०० करोड़ ₹
↳ उद्देश्य- प्रदेश के विभिन्न विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनी एवं सेमिनार आयोजित करना।

5. अगले वर्ष से राज्य का 'Green Budget' प्रस्तुत होगा।
↳ (बिहार → प्रथम राज्य)

6. वर्ष २०२८ तक-
- लक्ष्य- वन क्षेत्र में २०,००० हैक्टेयर की वृद्धि
- 5 जून २०२५ → 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरुआत
  ↓ (P.M मोदी द्वारा)
- वृक्षारोपण महाभियान (२०२५)
  - मुख्यमंत्री द्वारा
  - 7 करोड़ पौधे लगाने व पालने का समय

Biological Park - अलवर (२५ करोड़ ₹)

प्रदूषण को रोकने के लिए-

↳ 10,000 सोलर electric cooking system
(50% अनुदान, कुल व्यय = 15 cr.)

↳ वायु की गुणवत्ता के पर्यवेक्षण के लिए
↓
जयपुर की तर्ज पर अलवर एवं भिवाड़ी में Early Warning System विकसित किये जायेंगे।

खेलो राजस्थान यूथ गेम्स-

- पारम्परिक खेलों को शामिल करते हुए प्रतिवर्ष ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर आयोजन
- 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' की तर्ज पर

राज्य युवा महोत्सव-

- प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को
- राष्ट्रीय युवा महोत्सव की तर्ज पर
- राष्ट्रीय युवा पुरस्कार की भाँति 'राजस्थान यूथ आइकॉन अवार्ड'

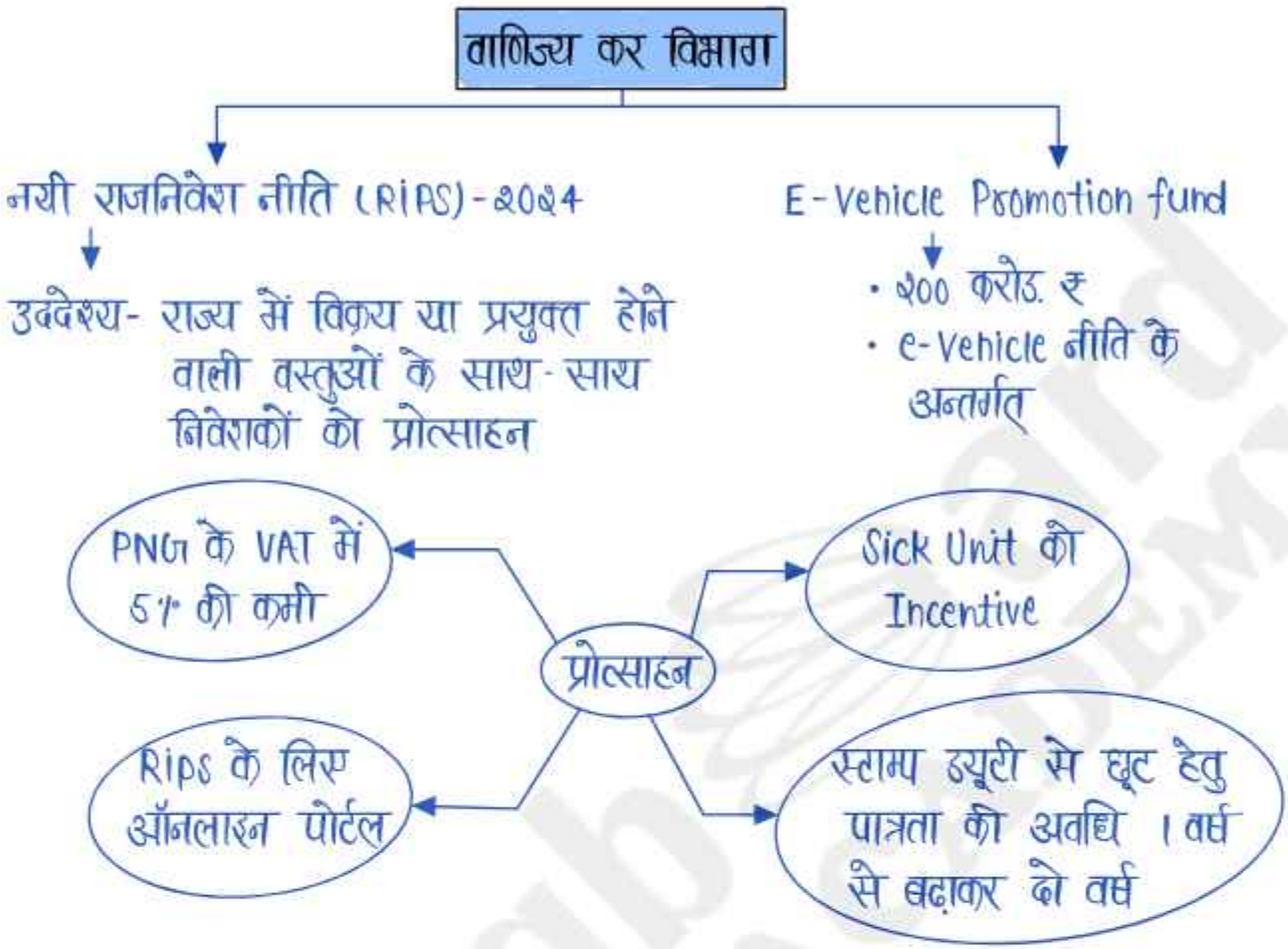

वाणिज्य कर विभाग

- नयी राजनिवेश नीति (RIPS) - 2024
  - उद्देश्य- राज्य में विक्रय या प्रयुक्त होने वाली वस्तुओं के साथ-साथ निवेशकों को प्रोत्साहन
- E-Vehicle Promotion fund
  - 200 करोड़ ₹
  - e-Vehicle नीति के अन्तर्गत

प्रोत्साहन
- PNG के VAT में 5% की कमी
- Rips के लिए ऑनलाइन पोर्टल
- Sick Unit को Incentive
- स्टाम्प ड्यूटी से छूट हेतु पात्रता की अवधि 1 वर्ष से बढ़ाकर दो वर्ष

खनिज –

R & D को बढ़ावा – CoE
- Ceramics - बीकानेर
- Rare earth elements - उदयपुर

Springboard Academy

राजस्थान सरकार की फ्लैगशिप योजनाएँ		
1.	**चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग**	**दिनांक**
	• मुख्यमंत्री निः शुल्क दवा योजना	2 अक्टूबर 2011
	• मुख्यमंत्री निः शुल्क जाँच योजना	07 अप्रैल 2013
	• एक रुपए प्रति किलोग्राम गेहूं	01 मार्च 2019
	• निरोगी राजस्थान अभियान	18 दिस. 2019
	• शुद्ध के लिए युद्ध अभियान	26 अक्टूबर 2020
	• मुख्यमंत्री चिरंजीव स्वास्थ्य बीमा योजना	1 मई 2021
	• मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना	1 मई 2021
2.	**स्वायत शासन विभाग**	
	• इन्दिरा रसोई योजना	20 अप्रैल 2020
	• इन्दिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना	अगस्त–2021
3.	**स्कूली शिक्षा विभाग –**	
	• महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय	
	• मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना	29 नवम्बर 2022
	• मुख्यमंत्री निः शुल्क यूनिफोर्म वितरण योजना	29 नवम्बर 2022
4.	**कृषि विभाग**	
	• राजस्थान कृषि प्रसंस्करण नीति 2019	12 दिसम्बर 2019
5.	**उद्योग विभाग**	
	• राज० निवेश प्रोत्साहन योजना	07 अक्टूबर 2022
6.	**MSME विभाग**	
	• मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना	13 दिसम्बर 2019
7.	**कौशल,रोजगार एवं उद्यमिता**	
	• मुख्यमंत्री युवा संबल योजना	01 फरवरी 2019
8.	**आयोजना विभाग**	
	• राजस्थान जन आधार योजना	18 दिसम्बर 2019
9.	**सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग**	
	• जनसुचना पोर्टल	13 सितम्बर 2019
10.	**सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग**	
	• सिलिकॉसिस नीति	03 अक्टूबर 2019
	• मुख्यमंत्री कन्यादान योजना	वर्ष 2022
	• मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान योजना	वर्ष 2023
	• मुख्यमंत्री वृद्धावस्था सम्मान पेंशन योजना	वर्ष 2023
	• मुख्यमंत्री विशेष योगयजन सम्मान पेंशन योजना	वर्ष 2023
	• पालनहार योजना	08 फरवरी 2005
	• अनुप्रति कोचिंग योजना	2021
11.	**महिला एवं बाल विकास**	
	• इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना	19 नवम्बर 2020
12.	**उच्च शिक्षा विभाग**	
	• कालीबाई मेधावी छात्रा स्कूटी योजना	1 अप्रैल 2020
	• राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना	20 अगस्त 2021

13.	**वन विभाग**	
	• घर – घर औषधि योजना	01 अगस्त 2021
14.	**ऊर्जा विभाग**	
	• मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना	17 जुलाई 2021
15.	**पर्यटन को पूर्ण उद्योग का दर्जा**	1989

अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों का संकलनः–

A. महत्वपूर्ण कोष एवं उनकी राशि

क्र.सं	महत्वपूर्ण कोष	राशि
1.	ट्रांसजेंडर (उत्थान कोष)	10 करोड़
2.	लोक कलाकार कल्याण कोष	100 करोड़
3.	सफाई कर्मचारियों हेतु वाल्मिकी कोष	100 करोड़
4.	कृषि श्रमिक संबल कोष	100 करोड़
5.	समर्पित सड़क सुरक्षा कोष	100 करोड़
6.	निरोगी राजस्थान कोष	100 करोड़
7.	महिला SHG हेतु Revolving fund	200 करोड़
8.	OBC/EWS/MBC/ अल्पसंख्यक कोष	200 करोड़ (प्रत्येक)
9.	युवा विकास एवं कल्याण कोष	500 करोड़
10.	अनुसूचित जाति कोष	1000 करोड़
11.	अनुसूचित जनजाति कोष	1000 करोड़
12.	पर्यटन विकास कोष	1500 करोड़
13.	कर्मचारी कल्याण कोष	3000 करोड़
14.	कृषक कल्याण कोष	7500 करोड़

B. महत्वपूर्ण नीतियाँ

क्र. सं.	नीति का नाम	दिनांक
1.	राज. कृषि प्रसंस्करण नीति	12 दिस. 2019 (आर्थिक समीक्षा 2022–23)
2.	बायो फ्यूल नीति	2006
3.	औद्योगिक विकास नीति	1 जुलाई 2019
4.	M- sand नीति	25 जनवरी, 2021
5.	MSME नीति	17 सितम्बर, 2022
6.	प्रथम हस्तशिल्प नीति	17 सितम्बर, 2022
7.	नवीन युवा नीति	बजट 2023–24 में घोषणा
8.	Bio-tech नीति	बजट 2023–24 में घोषणा
9.	सड़क विकास नीति	प्रथम– 1994, द्वितीय–2013
10.	बायोमास नीति	2010
11.	सौर ऊर्जा नीति	18 दिसम्बर, 2019
12.	पवन एवं हाइब्रिड ऊर्जा नीति	18 दिसम्बर, 2019
13.	राजस्थान इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति	31 अगस्त, 2022
14.	राजस्थान पर्यटन नीति	09 सितम्बर 2020
15.	राजस्थान फिल्म पर्यटन नीति	18 अप्रैल 2022

16.	पहली NRI नीति	7 अक्टूबर 2022
17.	राजस्थान ग्रामीण पर्यटन नीति	बजट 2022–23 में घोषणा
18.	राज्य आयुष नीति	2021
19.	राज्य महिला नीति	प्रथम–2010, द्वितीय–11 अप्रैल 2021
20.	राजस्थान स्टार्टअप नीति	13 नवम्बर, 2022
21.	राजस्थान बेघर उत्थान एवं पुनर्वास नीति	4 जनवरी, 2023

C. महत्वपूर्ण परिषद/प्राधिकरण/संस्था

क्र. सं.	परिषद	स्थापना
1.	कृषि विपणन निदेशालय	1974
2.	RUDA	नवम्बर 1995
3.	पंचायती राज विभाग	1 अप्रैल 1999
4.	बायोफ्यूल प्राधिकरण	2007
5.	राजीविका	अक्टूबर, 2010
6.	RAJSICO	जून, 1961
7.	RSMML (Mining)	30 अक्टूम्बर, 1974
8.	RIICO	1980
9.	राजस्थान खादी ग्रामोद्योग बोर्ड	1955
10	B.I.P	1991
11.	DMIC विशेष निवेश क्षेत्र अधिनियम	26 अप्रैल 2016
12.	Rajasthan CSR Authority	06 नवम्बर 2019
13.	राजस्थान निर्यात संवर्द्धन परिषद	08 नवम्बर 2019
14.	Raj. State Mineral exploration trust	सितम्बर 2020 मुख्यालय–जयपुर
15.	RIDCO	15 मार्च, 2022
16.	RSRTC	1 अक्टूबर 1964
17.	Rajasthan State Highway Authority	2 जून 2015
18.	राजस्थान आवासन मण्डल	24 फरवरी 1970
19.	आयुष सोसाइटी	मार्च 2015
20.	बाल अधिकारिता विभाग	2013
21	विशेष योग्यजन विभाग	2011
22.	RSFCSCIL	27 दिसम्बर 2010
23.	बालिका शिक्षा फाउण्डेशन	30 मार्च 1995

पोर्टल	संबंधित जानकारी
ई– श्रम पोर्टल	26 अगस्त 2021–असंगठित श्रमिकों का डेटाबेस तैयार करने हेतु।
आईस्टार्ट पोर्टल	स्टार्टअप राज्य में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु–(www.istart.rajasthan.gov.in)
ई–नाम पोर्टल	1 जनवरी 2022 कृषि उपज का अधिकतम मूल्य प्रदान करने के लिए।
पी.एम.किसान पोर्टल	किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत किसानों के पंजीकरण एवं सत्यापन हेतु।

उद्यम पंजीकरण पोर्टल	एम.एस.एम.ई पंजीकरण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए https://udyamregistration.gov.in
सड़क सुरक्षा वेब पोर्टल	14 फरवरी 2024 – मोटर वाहन पंजीयन विभाग द्वारा।
जन सूचना पोर्टल	सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने हेतु।
राजस्थान सम्पर्क पोर्टल	नम्बर 181 केन्द्रीयकृत शिकायत निवारण मंच के रूप में
रेरा का वेब पोर्टल	परियोजनाओं/एजेंटों और शिकायतों के लिए सभी आवेदन ऑन–लाइन किये जाते है। rera.rajasthan.gov.in
दीक्षा पोर्टल	3524 ई–सामग्री–कम्प्यूटर शिक्षा के अलावा विषय वस्तु आधारित शिक्षा भी प्रदान
ज्ञान संकल्प पोर्टल	भामाशाहों/दान दाताओं/–सरकारी स्कूलों को वित्तीय सहायता प्रदान करने और बुनियादी
ई–संजीवनी एचडब्ल्यूसी पोर्टल	प्रदानुक्रमित परामर्श सेवाएँ प्रदान करता है।
पोर्टल पीएम सूर्य घर	मुफ्त बिजली योजना का लाभ हेतु– https://pmsuraghar.gov.in
स्टैण्ड अप इंडिया योजना	(http://www.standupmitra.in) योजना संबंधित किसी भी प्रश्न की पूछताछ के लिए
(www.rajpsp.nic.in)	निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत नि:शुल्क प्रवेश (राज्य के नियमों के आधार) की प्रभावी निगरानी एवं समय पर पुनर्भरण के लिए
https://mahilawfh.rajasthan.gov.in	मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम–जॉब वर्क योजना के लिए
https://rajudyogmitra,rajasthan.gov.in/-	राजस्थान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (फैसिलिटेशन ऑपफ एस्टेबलशिमेंट एण्ड ऑपरेशन अधिनियम–2019)
http://rajfab.rajasthan.gov.in	कारखाना एवं बॉयलर्स विभाग से संबंधित योजना।

Sprint Academy

अध्याय-1

1. गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2022-23 में राजस्थान के सकल राज्य मूल्य वर्धन GSVA (स्थिर 2011-12 बुनियादी मूल्यों पर) में किस क्षेत्र के योगदान में सर्वाधिक वृद्धि होने का अनुमान है?
   [1] इनमें से कोई नहीं [2] सेवा क्षेत्र
   [3] उद्योग क्षेत्र [4] कृषि क्षेत्र
   [5] अनुत्तरित प्रश्न

2. वर्ष 2022-23 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार, सांकेतिक अथवा प्रचलित मूल्यों पर भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कितना प्रतिशत भाग राजस्थान के सकल राज्य घरेलू उत्पाद के होने का अनुमान है?
   [1] 6.54 प्रतिशत [2] 5.18 प्रतिशत
   [3] 4.86 प्रतिशत [4] 3.78 प्रतिशत
   [5] अनुत्तरित प्रश्न

अध्याय-2

3. राजस्थान में अटल भू-जल योजना के लिये निम्न में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
   i. अटल भू-जल योजना भारत सरकार की वित्तीय सहायता से राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही है।
   ii. इस योजना का फोकस भू-जल प्रबन्धन में सुधार करना और इसके गिरते स्तर को रोकना है।
   नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर का चुनाव कीजिये:
   [1] न तो (i) न ही (ii) [2] केवल (ii)
   [3] केवल (i) [4] (i) और (ii) दोनों
   [5] अनुत्तरित प्रश्न

4. केंद्रीय सरकार द्वारा संचालित उस योजना का नाम, जिसमें भूमिधारक किसान परिवार को तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष कुल ₹6000/- की सहायता राशि दी जाती है।
   [1] प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
   [2] प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना
   [3] कृषक उत्पादक को प्रोत्साहन
   [4] प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
   [5] अनुत्तरित प्रश्न

5. कृषि गणना 2015-16 के अनुसार, राजस्थान में परिचालित भूमि जोतों का औसत आकार था
   [a] 2.28 हेक्टेयर [b] 2.73 हेक्टेयर
   [c] 3.87 हेक्टेयर [d] 4.5 हेक्टेयर
   [e] अनुत्तरित प्रश्न

6. वर्ष 2022-23 के अग्रिम अनुमानों के आधार पर, राजस्थान में स्थिर कीमतों पर सकल राज्य मूल्यवर्धन में कृषि क्षेत्र का योगदान रहने की सम्भावना है ?
   [a] 25.5% [b] 28.5%
   [c] 30.0% [d] 32.0%
   [e] अनुत्तरित प्रश्न

7. राजस्थान में 2011-12 से 2022-23 की अवधि के दौरान कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र की स्थिर मूल्यों पर सकल राज्य मूल्यवर्धन में चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर कितनी रही ?
   [a] 4.5% [b] 5.24%
   [c] 5.92% [d] 6.54%
   [e] अनुत्तरित प्रश्न

8. राजस्थान में अटल भूजल योजना का उद्देश्य क्या है?
   [a] राजस्थान में इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना में जलभराव और लवणता की समस्या का समाधान करना।
   [b] राजस्थान में सिंचाई के लिये जल की उपलब्धता में वृद्धि करना।
   [c] राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेय जल उपलब्ध करवाना।
   [d] भूजल के बेहतर प्रबन्धन के साथ-साथ इसके घटते स्तर को रोकना।
   [e] अनुत्तरित प्रश्न

अध्याय-3

9. निम्नलिखित में से कौन सी योजना ग्रामीण क्षेत्रों को सामाजिक, आर्थिक और भौतिक रूप से टिकाऊ क्षेत्र बनाने का प्रयास है?
   [1] श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन (एस.पी.एम.आर.एम.)
   [2] महात्मा गांधी जन-भागीदारी विकास योजना (एम.जी.जे.वी.वाय)
   [3] डांग क्षेत्र विकास कार्यक्रम
   [4] सांसद आदर्श ग्राम योजना (एस.ए.जी. वाय.)
   [5] अनुत्तरित प्रश्न

10. मैदानी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 2024 के अंतर्गत केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा योगदान का अनुपात है-
   [1] 60 : 40 [2] 70 : 30
   [3] 50 : 50 [4] 80 : 20
   [5] अनुत्तरित प्रश्न

11. राज्य वित्त आयोग, राजस्थान के अध्यक्ष एवं उनके आवंटित कार्यकाल के संबंध में निम्नांकित में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

(अध्यक्ष, राज्य वित्त आयोग)	(आवंटित कालावधि)
[a] प्रद्युम्न सिंह	2020-2021 से 2024-2025
[b] ज्योति किरण	2010-2011 से 2014-2015
[c] माणिक चंद सुराणा	2005-2006 से 2009-2010
[d] हीरालाल देवपुरा	2000-2001 से 2004-2005

   [e] अनुत्तरित प्रश्न

12. राजस्थान के छठे राज्य वित्त आयोग के बारे में निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है ?
   [a] आयोग का गठन दिसंबर, 2020 में संविधान के अनुच्छेद 243 के तहत किया गया था।
   [b] अशोक लाहोटी आयोग के सदस्य थे।
   [c] आयोग के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह थे।
   [d] अंतिम रिपोर्ट सितंबर, 2023 में राजस्थान के राज्यपाल को प्रस्तुत की गई।
   [e] अनुत्तरित प्रश्न

13. हाल ही में भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने राजस्थान की कशीदाकारी शिल्प को भौगोलिक संकेत (जी.आई. टैग) प्रदान किया है। यह शिल्प किस स्थान का प्रसिद्ध है ?

[a] चुरू [b] बीकानेर
[c] कोटा [d] जालौर
[e] अनुत्तरित प्रश्न

अध्याय - 4

14. राजस्थान की मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना के बारे में निम्न में से कौन सा तथ्य सही नहीं है?

[1] इस योजना में लघु क्षेत्र के उद्यमियों को 15 करोड़ तक के ऋणों पर 4 प्रतिशत का ब्याज अनुदान दिया जा रहा है।
[2] इस योजना में लघु क्षेत्र के उद्यमियों को 10 करोड़ तक के ऋणों पर 5 प्रतिशत का ब्याज अनुदान दिया जा रहा है।
[3] इस योजना में लघु क्षेत्र के उद्यमियों को 5 करोड़ तक के ऋणों पर 6 प्रतिशत का ब्याज अनुदान दिया जा रहा है।
[4] इस योजना में लघु क्षेत्र के उद्यमियों को 25 लाख तक के ऋणों पर 8 प्रतिशत का ब्याज अनुदान दिया जा रहा है।
[5] अनुत्तरित प्रश्न

15. निम्नांकित में से कौन सा विकल्प (इंदिरा महिला) शक्ति उड़ान योजना का एक प्रमुख उद्देश्य बताता है?

[1] महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाना।
[2] मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबन्धन के बारे में जागरूकता पैदा करना।
[3] महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण देना।
[4] बालिकाओं की शिक्षा की स्थिति में सुधार।
[5] अनुत्तरित प्रश्न

16. निम्नलिखित में से कौन सा रीको द्वारा विकसित एक एग्रो फूड पार्क नहीं है?

[1] रानपुर [2] बोरानाड़ा
[3] उद्योग विहार [4] कमानीपुरा
[5] अनुत्तरित प्रश्न

17. रीको द्वारा विकसित निम्नलिखित में से कौनसा एग्रोफूड पार्क क्षेत्रफल के अनुसार सबसे बड़ा है?

[1] उद्योग विहार (श्रीगंगानगर)
[2] रानपुर-I (कोटा)
[3] बोरानाडा (जोधपुर)
[4] एम.आई.ए. (अलवर)
[5] अनुत्तरित प्रश्न

18. एग्रो फूड पार्क, रानपुर स्थित है-

[1] जोधपुर में [2] बीकानेर में
[3] उदयपुर में [4] कोटा में
[5] अनुत्तरित प्रश्न

19. वर्ष 2022-23 में राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र में स्थिर सूचकांक (2011-12) पर .....वृद्धि दर अंकित की गई।

[1] 6.01% [2] 6.23%
[3] 6.32% [4] 6.99%
[5] अनुत्तरित प्रश्न

20. आजकल राजस्थान में कौनसा ''राज्य वित्त आयोग'' कार्य कर रहा है?

[1] छठा [2] पाँचवा
[3] सातवाँ [4] चौथा
[5] अनुत्तरित प्रश्न

21. राजस्थान राज्य वित्त आयोग के पहले अध्यक्ष थे:

[1] श्री हीरालाल देवपुरा [2] श्री के. के. गोयल
[3] श्री बी. डी. कल्ला [4] श्री मानिकचन्द सुराना
[5] अनुत्तरित प्रश्न

22. राजस्थान में पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र कितने जिलों में फैला हुआ है?

[a] 14 जिलों में [b] 10 जिलों में
[c] 8 जिलों में [d] 6 जिलों में
[e] अनुत्तरित प्रश्न

23. निम्न में से किस वर्ष में राजस्थान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम नीति शुरू की गई?

[a] 2022 [b] 2021
[c] 2020 [d] 2019
[e] अनुत्तरित प्रश्न

24. राजस्थान में 'एक जिला-एक उत्पाद' की शुरुआत के उद्देश्य के सम्बन्ध में निम्न में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

1. निर्यात क्षमता वाले उत्पादों और सेवाओं की पहचानकर उन्हें बढ़ावा देना।
2. राजस्थान के हर जिले को एक संभावित निर्यात केन्द्र के रूप में परिवर्तित करना।

नीचे दिये गए कूटों का प्रयोग करके सही उत्तर का चुनाव कीजिये:

[a] ना तो 1 और ना ही 2 सत्य है।
[b] 1 और 2 दोनों सत्य हैं।
[c] केवल 2 सत्य है।
[d] केवल 1 सत्य है। [e] अनुत्तरित प्रश्न

25. निम्न में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

1. राजस्थान हस्तशिल्प नीति 17 सितम्बर, 2022 से लागू की गई।
2. इस नीति का उद्देश्य राज्य के हस्तशिल्पियों और बुनकरों को उन्नत तकनीक और आवश्यक वित्तीय और विपणन सहायता प्रदान कर प्रोत्साहित करना है।

नीचे दिये गये कूटों की मदद से सही उत्तर को चुनिये:

[a] ना तो 1 और ना ही 2 सत्य है।
[b] 1 और 2 दोनों सत्य हैं।
[c] केवल 2 सत्य है। [d] केवल 1 सत्य है।
[e] अनुत्तरित प्रश्न

अध्याय - 5

26. राजस्थान में किस एजेंसी को पी.एम. कुसुम योजना (कम्पोनेंट A) के क्रियान्वयन के जिम्मेदारी दी गई है, जिसमें 0.5 मेगावॉट से 2 मेगावॉट क्षमता तक के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किये जाने हैं?

[1] ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी
[2] राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड
[3] राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
[4] राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम
[5] अनुत्तरित प्रश्न

27. राजस्थान में ऊर्जा संरक्षण दिवस कब मनाया जाता है?

[1] 14 दिसम्बर [2] 5 जून
[3] 22 अप्रैल [4] 21 मार्च
[5] अनुत्तरित प्रश्न

28. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करते हुए नीचे दर्शाए गये विकल्पों में से सही कूट का चयन कीजिए:

सूची-I (ऊर्जा के स्रोत)	सूची-II (क्षेत्र)
A. तापीय ऊर्जा	i. अमर सागर
B. सौर ऊर्जा	ii. बायतू
C. प्राकृतिक गैस	iii. सूरतगढ़
D. पवन ऊर्जा	iv. भड़ला

कूट:

	A	B	C	D		A	B	C	D
[1]	iii	iv	i	ii	[2]	i	ii	iii	iv
[3]	ii	iv	i	iii	[4]	iii	iv	ii	i

[5] अनुत्तरित प्रश्न

29. राजस्थान सरकार ने 'राजस्थान विण्ड एण्ड हाइब्रिड एनर्जी पॉलिसी' कब लागू की?

[1] 1 दिसम्बर, 2019 [2] 4 अक्टूबर, 2020
[3] 18 दिसम्बर, 2019 [4] 1 सितम्बर, 2022
[5] अनुत्तरित प्रश्न

30. राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी, 2023 के अनुसार 2029-30 तक सौर, पवन व हाइब्रिड विद्युत परियोजनाओं के लक्ष्य हैं

सौर		पवन व हाइब्रिड
[1] 75,000 MW	-	15,000 MW
[2] 70,000 MW	-	10,000 MW
[3] 65,000 MW	-	15,000 MW
[4] 60,000 MW	-	10,000 MW

[5] अनुत्तरित प्रश्न

31. दिल्ली-वडोदरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे की लम्बाई राजस्थान में कितनी है?

[a] 342 किलोमीटर [b] 374 किलोमीटर
[c] 408 किलोमीटर [d] 456 किलोमीटर
[e] अनुत्तरित प्रश्न

अध्याय - 6

32. वर्ष 2022-23 में, राजस्थान के सेवा क्षेत्र के प्रचलित मूल्यों पर सकल राज्य मूल्य वर्धन (GSVA) में किस उपक्षेत्र का योगदान सर्वाधिक रहा?

[1] परिवहन, भण्डारण एवं संचार
[2] व्यापार, होटल एवं जलपान गृह
[3] स्थावर सम्पदा, आवासीय गृहों का स्वामित्व एवं पेशेवर सेवाएँ
[4] वित्तीय सेवाएँ
[5] अनुत्तरित प्रश्न

33. राजस्थान में कुल चार जिलों को शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन के लिये चयनित किया गया है। ये जिले हैं -

[a] अलवर, भरतपुर, धौलपुर, सिरोही
[b] जयपुर, अजमेर, सीकर, कोटा
[c] जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर
[d] अजमेर, धौलपुर, जैसलमेर और सिरोही
[e] अनुत्तरित प्रश्न

34. राजस्थान पर्यटन प्रोत्साहन नीति, 2022 के अन्तर्गत देशी व विदेशी फिल्म निर्माताओं को कितनी धनराशि की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है ?

[a] 8 करोड़ रुपये तक [b] 6 करोड़ रुपये तक
[c] 4 करोड़ रुपये तक [d] 2 करोड़ रुपये तक
[e] अनुत्तरित प्रश्न

35. जन सूचना पोर्टल के संबंध में त्रुटिपूर्ण कथन को पहचानिए:

[a] यह सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित सूचना प्रदान करता है।
[b] ई-मित्र पर इसके माध्यम से सूचना प्राप्त करने का कोई शुल्क वसूला नहीं जाता है।
[c] इससे सूचना पाने के लिए एसएसओ आईडी आवश्यक है।
[d] यह आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 4(2) के अंतर्गत माँगी गई सूचना प्रदान करने का एक प्रयास है।
[e] अनुत्तरित प्रश्न

अध्याय - 7

36. निम्नांकित में से किस योजना का संबंध इस नारे से है- ''कोई भूखा न सोए''?

[1] बालगोपाल योजना
[2] इंदिरा गांधी रोजगार गारंटी योजना
[3] अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना
[4] इंदिरा रसोई योजना
[5] अनुत्तरित प्रश्न

37. इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के संबंध में निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए:

i. यह शहरी इलाकों में निवास करने वाले परिवारों को 125 दिवसों के प्रतिवर्ष रोजगार की गारंटी देती है।
ii. पंजीकरण के बाद, पात्र अभ्यर्थी को 30 दिवसों में रोजगार उपलब्ध करवाया जाता है।

[1] न तो (i) न ही (ii) सही है।
[2] (i) व (ii) दोनों सही हैं।
[3] केवल (ii) सही है।
[4] केवल (i) सही है।
[5] अनुत्तरित प्रश्न

38. निम्नलिखित में से वर्ष 2001-2011 के मध्य में न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर वाला जिला कौन सा है?
[1] बाड़मेर [2] श्री गंगानगर
[3] पाली [4] बूंदी
[5] अनुत्तरित प्रश्न

39. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में जनसंख्या घनत्व के आधार पर द्वितीय स्थान (II) वाला जिला कौन सा है ?
[1] भरतपुर [2] जयपुर
[3] धौलपुर [4] दौसा
[5] अनुत्तरित प्रश्न

40. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में कौन से जिलों का युग्म साक्षरता दर में प्रथम व अन्तिम स्थान रखता है?
[1] सीकर, बाँसवाड़ा [2] जयपुर, बाड़मेर
[3] कोटा, जालौर [4] अलवर, सिरोही
[5] अनुत्तरित प्रश्न

41. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में पुरुषों की साक्षरता प्रतिशत है।
[1] 75.7% [2] 79.2%
[3] 72.9% [4] 78.9%
[5] अनुत्तरित प्रश्न

42. राजस्थान में शुरू की गई ''अन्नपूर्णा रसोई योजना'' का ''प्रचार वाक्य'' है :
[1] सबकी रसोई, सबके लिए भोजन
[2] स्वच्छ भोजन, अच्छा स्वास्थ्य
[3] सबके लिए भोजन, सबके लिए सम्मान
[4] सबके लिए भोजन, सबके लिए अच्छा स्वास्थ्य
[5] अनुत्तरित प्रश्न

43. राजस्थान रियल एस्टेट रेग्यूलेट्री ऑथोरिटी (राज. रेरा) का गठन किस वर्ष में किया गया ?
[a] 2016 [b] 2017
[c] 2018 [d] 2019
[e] अनुत्तरित प्रश्न

अध्याय - 8

44. निम्न में से किस योजना का मुख्य उद्देश्य गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा उनके नन्हें शिशुओं (0 से 6 माह) के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति में सुधार करने के लिये गर्भावस्था, सुरक्षित प्रसव और स्तनपान की अवधि के दौरान उपयुक्त पद्धतियों, देख-रेख एवं सेवाओं के उपयोग को बढ़ावा देना है?
[1] प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना
[2] इन्दिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना
[3] मिशन वात्सल्य योजना
[4] पालनहार योजना
[5] अनुत्तरित प्रश्न

45. राजस्थान में नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधि नियम 2009 से लागू किया गया।
[1] 1 अप्रैल 2009 [2] 26 अप्रैल 2009
[3] 1 अप्रैल 2010 [4] 5 अप्रैल 2012
[5] अनुत्तरित प्रश्न

46. राजस्थान राज्य के सभी उपभोक्ताओं को शुद्ध खाद्य वस्तु उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा 26 अक्टूबर 2020 से चलाया जा रहा एक अभियान है-
[1] निरोगी राजस्थान अभियान
[2] चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना
[3] इंदिरा रसोई योजना
[4] शुद्ध के लिए युद्ध अभियान
[5] अनुत्तरित प्रश्न

47. राजस्थान के शहरी गरीब और कमजोर तबके के नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली प्राथमिक स्वास्थ्य सेवायें निम्न में से किसके द्वारा प्रदान की जा रही है ?
[a] स्वास्थ्य मित्र
[b] मॉडल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र
[c] आदर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
[d] जनता क्लिनिक
[e] अनुत्तरित प्रश्न

48. राजीव गाँधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के बारे में निम्न में से कौन सा/से कथन सही है/हैं ?
1. इस योजना के तहत प्रति वर्ष 200 मेधावी छात्रों को विश्व के शीर्ष 250 विश्वविद्यालयों/संस्थानों में पढ़ने के लिये प्रायोजित किया जाता है।
2. संपूर्ण शिक्षा शुल्क और अन्य खर्च राजस्थान सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

नीचे दिये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये :
[a] ना तो 1 और ना ही 2 सही है।
[b] 1 और 2 दोनों सत्य हैं।
[c] केवल 2 सत्य है।
[d] केवल 1 सत्य है।
[e] अनुत्तरित प्रश्न

49. नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अन्तर्गत राजस्थान में निजी विद्यालयों में कमजोर वर्ग और वंचित वर्ग के बालकों/बालिकाओं के लिये कितनी सीटें आरक्षित की गई हैं ?
[a] 25 % [b] 20%
[c] 15% [d] 10%
[e] अनुत्तरित प्रश्न

50. 'स्टार्स' एक विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित परियोजना है जिसे राजस्थान में क्रियान्वित किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य है

[a] इन्जीनियरिंग कॉलेजों की गुणवत्ता और प्रशासन में सुधार करना।

[b] स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता और प्रशासन में सुधार करना।

[c] राज्य में सूचना तकनीक क्षेत्र को मजबूत बनाना।

[d] नये उद्यमियों को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना।

[e] अनुत्तरित प्रश्न

51. राजस्थान की मिड-डे मील योजना के बारे में निम्न में से कौन सा सही है?

[a] इस योजना के अन्तर्गत कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को प्रति विद्यार्थी प्रतिदिन 100 ग्राम गेहूं/चावल दिया जा रहा है।

[b] इस योजना के अन्तर्गत कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को दिये जाने वाले भोजन में न्यूनतम 550 कैलोरी और 15 ग्राम प्रोटीन होता है।

[c] इस योजना के अन्तर्गत कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को दिये जाने वाले भोजन में न्यूनतम 600 कैलोरी और 18 ग्राम प्रोटीन होता है।

[d] इस योजना के अन्तर्गत कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों को दिये जाने वाले भोजन में न्यूनतम 450 कैलोरी और 12 ग्राम प्रोटीन होता है।

[e] अनुत्तरित प्रश्न

अध्याय - 9

52. मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन स्वरोजगार योजना के सम्बन्ध में निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है?

[a] इस योजनान्तर्गत वर्ष 2022-23 में 498 व्यक्ति लाभान्वित हुए।

[b] इस योजनान्तर्गत, वर्ष 2022-23 में (माह दिसम्बर, 2022 तक) 250.14 लाख रुपये व्यय हुए।

[c] ऋण उन विशेष योग्यजनों को दिया जाता है, जिनकी स्वयं एवं परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम है।

[d] इस योजना में विशेष योग्यजन को 5 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है।

[e] अनुत्तरित प्रश्न

53. राज्य के आर्थिक वित्तीय परिदृश्य में सुधार के लिये थिंक टैंक के रूप में कार्य करने हेतु राजस्थान में निम्न में से कौन-सी परिषद/समिति का गठन किया गया है?

[a] मुख्यमंत्री की आर्थिक आयोजना समिति

[b] मुख्यमंत्री उच्च शक्ति आर्थिक सुधार समिति

[c] मुख्यमंत्री राजस्थान आर्थिक सुधार सलाहकार परिषद

[d] राजस्थान आर्थिक विकास समिति

[e] अनुत्तरित प्रश्न

54. राजस्थान में मुख्यमन्त्री वृद्धावस्था सम्मान पेन्शन योजना के अन्तर्गत 55 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलायें और 58 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुष पेन्शन प्राप्त करते हैं -

[a] 1,500 रुपये प्रति माह

[b] 1,250 रुपये प्रति माह

[c] 75 वर्ष की आयु तक 1,000 रुपये प्रति माह

[d] 75 वर्ष की आयु तक 750 रुपये प्रति माह

[e] अनुत्तरित प्रश्न

अध्याय - 10

55. राजस्थान राज्य राजमार्ग विकास कार्यक्रम-II परियोजना के अन्तर्गत 801 कि.मी. लम्बाई के 11 राजमार्गों का उन्नयन किस एजेंसी द्वारा वित्त पोषित है ?

[1] नाबार्ड

[2] भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

[3] विश्व बैंक

[4] एशियन विकास बैंक

[5] अनुत्तरित प्रश्न

अध्याय - 11

56. राजस्थान सतत विकास लक्ष्य (SDG) सूचकांक-2023 के अनुसार, एस.डी.जी.-1 संबंधित है-

[1] शून्य भूख
[2] अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली
[3] निर्धनता नहीं
[4] लैंगिक असमानता
[5] अनुत्तरित प्रश्न

बजट

57. राजस्थान में पूर्व गठित मुख्यमंत्री राजस्थान आर्थिक सुधार सलाहकार परिषद के स्थान पर किस इंस्टीट्यूट/कौंसिल का गठन किया गया है?

[1] राजस्थान कौंसिल ऑफ इकोनॉमिक एडवाइजर्स

[2] राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन

[3] राजस्थान इकोनॉमिक एंड फाइनेंशियल ख अफेयर्स कौंसिल

[4] राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक एंड फाइनेंशियल अफेयर्स

[5] अनुत्तरित प्रश्न

58. राजस्थान के बजट वक्तव्य 2024-25 (लेखानुदान) में, राज्य के निम्नलिखित जिलों में से किसमें "अटल इनोवेशन स्टूडियो एवं एक्सेलेरेटर" स्थापित करने की घोषणा की गई?

i. जयपुर
ii. बीकानेर
iii. भरतपुर
iv. जोधपुर
v. उदयपुर

सही उत्तर का चयन करें-

[1] (i), (ii), (iv), (v)
[2] (ii), (iii), (iv), (v)
[3] (i), (ii), (iii), (v)
[4] (i), (iii), (iv), (v)
[5] अनुत्तरित प्रश्न

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

(गत वर्षों में RAS मुख्य परीक्षा में पूछे गये प्रश्न)

15 शब्द

प्रश्न 1. राजस्थान सरकार के द्वारा ज्ञान संकल्प पोर्टल को क्यों स्थापित किया गया? [2023]

प्रश्न 2. राजस्थान जननी शिशु सुरक्षा योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है? [2023]

प्रश्न 3. भारत में कौन–से आठ मूल उद्योग आधारभूत संरचना को सहयोग करते हैं? [2021]

प्रश्न 4. सतत् विकास को परिभाषित कीजिए– [2021]

प्रश्न 5. राजस्थान में जैव ईंधन (बायोमास) ऊर्जा के मुख्य स्रोत क्या हैं? [2021]

प्रश्न 6. राजस्थान कृषि प्रतिस्पर्द्धा परियोजना का उद्देश्य और इसको वित्त पोषित करने वाली संस्था का नाम लिखिए। [2021]

प्रश्न 7. राजस्थान में 'वृद्धावस्था पेंशन' की पात्रता क्या है? [2021]

प्रश्न 8. राजस्थान में यंग इन्टर्न कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्या है? [2018]

प्रश्न 9. i-start राजस्थान का मुख्य उद्देश्य क्या है? [2018]

प्रश्न 10. राज्य के बौद्धिक संपदा अधिकार पहल के अंतर्गत राजस्थान में हाल ही में किन हस्तकलाओं का भौगोलिक संकेतकों के लिए पंजीयन हुआ है? [2016]

प्रश्न 11. राजस्थान में सार्वजनिक–निजी सहभागिता के चार लाभों को बताइए। [2016]

प्रश्न 12. राजस्थान में अल्पसंख्यक कल्याण नीति की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? [2013]

प्रश्न 13. राजस्थान में स्वयं सहायता समूह किस सीमा तक सफल रहे हैं? [2013]

50 शब्द

प्रश्न 1. भारत में स्वामित्व योजना के उद्देश्य क्या है? [2023]

प्रश्न 2. राजस्थान में निवेश संवर्द्धन ब्यूरो के क्या कार्य है? [2023]

प्रश्न 3. राजस्थान के छठवें राज्य वित्त आयोग की मुख्य सिफारिशों का वर्णन कीजिए। [2023]

प्रश्न 4. राजस्थान की 'समर्थ' योजना के उद्देश्य क्या हैं? [2021]

प्रश्न 5. राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2019 की मुख्य विशेषताओं को समझाइए। [2021]

प्रश्न 6. राजस्थान में मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के प्रमुख बिन्दुओं को लिखिए। [2018]

प्रश्न 7. राज्य में स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार हेतु राजस्थान सरकार द्वारा उठाए गए छह प्रमुख कदमों के नाम बताइए। [2018]

प्रश्न 8. रिसर्जेंट राजस्थान सहभागिता सम्मेलन 2015 पर टिप्पणी कीजिए। [2016]

प्रश्न 9. राजस्थान में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के उद्देश्य, समय तथा लक्ष्य का विवरण दीजिए। [2016]

प्रश्न 10. राजस्थान में सौर ऊर्जा की विपुल सम्भावनाएं हैं। समझाइए। [2013]

प्रश्न 11. सड़क विकास के क्षेत्र में राजस्थान की क्या प्रगति रही है? इस संदर्भ में, सभी प्रकार की सड़कों का हवाला दें। [2013]

प्रश्न 12. राजस्थान में विनिर्माण क्षेत्र के विकास के लिए उपयोग की गई रणनीति का आलोचनात्मक परीक्षण करें। [2013]

प्रश्न 13. राजस्थान में महिला कल्याण के प्रमुख कार्यक्रम कौन–से हैं? [2013]

100 शब्द

प्रश्न 1. भारत में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा कीजिए। [2023]

प्रश्न 2. राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [2023]

प्रश्न 3. राजस्थान सौर ऊर्जा नीति 2019 की दृष्टिकोण (विजन) एवं प्रमुख उद्देश्यों को लिखिए। [2021]

प्रश्न 4. राजस्थान में महिला सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री के सात सूत्री कार्यक्रम का वर्णन कीजिए। [2021]

प्रश्न 5. पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए। [2018]

प्रश्न 6. राजस्थान में सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल के अंतर्गत योजनाओं एवं कार्यों को सूचीबद्ध कर टिप्पणी करें। [2018]

प्रश्न 7. राजस्थान में स्थापित 'सहभागिता ब्यूरो' के क्या उद्देश्य हैं? [2016]

प्रश्न 8. राजस्थान सरकार द्वारा श्रमिकों के कौशल में सुधार हेतु किए गए उपायों का वर्णन कीजिए। [2016]

प्रश्न 9. राजस्थान अब 'बीमारू' राज्य नहीं है। क्या आप इस मत से सहमत हैं? उत्तर को प्रासंगिक तथ्यों से तर्कपूर्ण बनाए। यदि आप के मत में राजस्थान अभी भी एक 'बीमारू' राज्य है, तो इसे उस स्थिति में उमारने हेतु व्यावहारिक उपाय दें। [2013]

प्रश्न 10. निर्बल वर्ग इसलिये निर्बल हैं क्योंकि वे निर्बल हैं। इस दुष्चक्र को किस प्रकार तोड़ा जाय? इस समूह की सामाजिक तथा आर्थिक अवस्था के सुधार हेतु सुझाव दें। [2013]